खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 28 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-207

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों को 'कल्लू' से करना होगा परहेज

हैदराबाद के लोग कल्लू से मरे या निपाह वायरस से..?

हैदराबाद, 27 जुलाई।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोग कल्लू यानि ताड़ी पीकर मर रहे हैं। भोले-भाले ग्रामीण और निम्न मध्यमवर्ग के लोग कल्लू के जरिए कहीं जानलेवा निपाह वायरस का शिकार तो नहीं हो रहे हैं? खजूर और ताड़ से निकलने वाली ताड़ी में खतरनाक निपाह वायरस का संक्रमण पाए जाने के बाद इसकी आशंका मजबूत हुई है। इसलिए तेलंगानावासी सावधान हो जाएं और अपनी आदत से कल्लू को निकाल बाहर करें, या अत्यंत सावधानी से परीक्षण कराने के बाद ही कल्लू पीयें। कल्लू पीने के पहले उसका लैब परीक्षण कराना मुश्किल होगा, लिहाजा कल्लू से परहेज करना ही बेहतर विकल्प है। स्वास्थ्य वैज्ञानिकों की ऐसी ही सलाह है।

अभी पिछले ही दिनों जहरीली ताड़ी पीने

चमगादड़ों के जरिए ताड़ी में आ रहा निपाह वायरस

से दर्जनभर से अधिक लोगों को मौत हुई। ताड़ी पीने के बाद खराब हालत में उन्हें हैदराबाद के निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (निम्स) में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दरम्यान क्रमशः

दर्जनभर लोगों की मौत हो गई। निम्स में भर्ती करने के पहले गांधी अस्पताल में उनका इलाज करने की कोशिश की गई, लेकिन स्थिति बेकाबू होते जाने के कारण

दक्षिण भारत में तेजी से फैल रहा है निपाह वायरस

उन्हें निम्स में भर्ती कराया गया था। निम्स के आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक ताड़ी पीने से लोग सेप्सिस और मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम (एमओडीएस) से आक्रांत हुए और आखिरकार उनकी मृत्यु हो गई। संक्रमण के कारण लोग प्रणालीगत सूजन से आक्रांत हुए और अंततः लिवर, किडनी और फेफड़े जैसे महत्वपूर्ण अंगों ने काम करना बंद कर दिया। संक्रमित ताड़ी के शिकार अधिकांश लोग हैदराबाद के कुकटपल्ली के रहने वाले थे। कई चिकित्सकों का कहना है कि कुकटपल्ली के जिन तीन ताड़ी डिपो से लोगों ने ताड़ी पी थी, उसके नमूनों में अल्प्राजोलम या डायजेपाम मिलाए जाने का संदेह है। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने यह भी आशंका जताई कि उपयोग में लाई गई ताड़ी निपाह वायरस से संक्रमित हो सकती है। ▶10पर

चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम के स्मृति-उत्सव पर हाजिर हुए प्रधानमंत्री

देश के दुश्मनों और आतंकियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं

अरियालुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के अरियालुर जिले में बसे छोटे से गांव गंगईकोंडा चोलपुरम में रविवार को एक भव्य समारोह का आयोजन हुआ। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चोल साम्राज्य के महान सम्राट राजेंद्र चोल-प्रथम की जयंती और उनकी दक्षिण-पूर्व एशिया की समुद्री यात्रा के 1,000 साल पूरे होने का जश्न मनाया। गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण की शुरुआत की स्मृति में भी यह उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की, एक स्मारक सिक्का जारी किया और चोल वास्तुकला व शैव धर्म पर आधारित एक प्रदर्शनी का

अवलोकन किया। यह समारोह न केवल चोल साम्राज्य की गौरवशाली विरासत को याद करने का अवसर था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता और आधुनिक भारत के विकास के संकल्प को भी दर्शाता था।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि तमिलनाडु में जल्द ही राजराजा चोल और राजेंद्र चोल की भव्य मूर्तियां स्थापित की जाएंगी, जो

अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है आज का भारत: मोदी

राजराजा चोल और राजेंद्र चोल की मूर्तियां स्थापित होंगी

भारत के ऐतिहासिक गौरव को दर्शाएंगी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को डॉ. कलाम और चोल शासकों जैसे लाखों युवाओं की जरूरत है, जो शक्ति और समर्पण से देश के सपनों को साकार करें। प्रधानमंत्री का स्वागत पारंपरिक तमिल रीति-रिवाजों के साथ किया गया। मंदिर के पुजारियों ने पूर्ण कुंभम के साथ उनका अभिनंदन किया। पीएम मोदी ने वेष्टि (धोती), सफेद कमीज और गले में अंगवस्त्र पहनकर मंदिर की परिक्रमा की और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, वो चोल वास्तुकला का एक अनुपम उदाहरण है। इस मंदिर की भव्यता और इसके नक्काशीदार गलियारे, मूर्तियां और प्राचीन शिलालेख आज भी दुनिया भर में प्रशंसा का विषय हैं। समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन, वित्त मंत्री टी थेनारासु, हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि मंत्री पीके शेखर बाबू और परिवहन मंत्री एसएस शिवशंकर सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। ▶10पर

अमित शाह ने देश के सुरक्षाबलों को सतर्क रहने को कहा

कुछ पड़ोसियों के कारण सुरक्षा चुनौतियां बनी रहेंगी

घुसपैठ और तस्करी बड़ा खतरा, इसे खत्म करना होगा

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के कुछ पड़ोसी देशों का चाल चरित्र चेहरा देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां बनी रहेंगी और देश को अधिक से अधिक सतर्क रहना होगा। आठवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन (एनएसएससी) के समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह बात कही। शाह ने यह भी कहा कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर न केवल आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की पुष्टि की है, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए इसे दुनिया के सामने पेश भी किया है। शाह ने राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों से सुरक्षा, सजगता और समन्वय के आदर्श वाक्य को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने करगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों और बीएसएफ के प्रयासों को सलाम भी किया। अमित शाह ने कहा, भारत सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और इसके साथ ही देश के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। हमें और अधिक सतर्क रहना होगा और समस्याओं का समाधान अधिक जागरूकता के साथ करना होगा। उन्होंने एनएसएससी को वरिष्ठ अधिकारियों को युवा अधिकारियों का मार्गदर्शन करने, उन्हें चुनौतियों से परिचित कराने और समाधान खोजने का मार्ग दिखाने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण बताया। गृह मंत्री ने कहा कि सभी राज्यों के बलों और केंद्रीय जांच एजेंसियों को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प और साथी नागरिकों के समर्थन से दुनिया भर में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का एक मजबूत संदेश गया है। ▶10पर

ब्रिटेन की व्हिस्की का सबसे बड़ा बाजार है भारत

सालभर में 22 करोड़ लीटर व्हिसकी पी जाते हैं

नई दिल्ली/लंदन, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन और कन्फेडरेशन का ब्रिटिश इंडस्ट्री (सीबीआई) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत दुनिया में सबसे ज्यादा व्हिस्की खपत करने वाला देश है, जहां लोग हर वर्ष करीब 22 करोड़ लीटर से अधिक व्हिस्की गटक जाते हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच सम्पन्न हुए हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के केंद्र में एक महत्वपूर्ण उत्पाद है व्हिस्की। दिलचस्प बात यह है कि भारत न केवल ब्रिटेन से बड़ी मात्रा में व्हिस्की मंगाता है बल्कि यह ब्रिटिश व्हिस्की के लिए दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी बन चुका है। भारत ब्रिटेन से हर साल करीब 13,000 करोड़ रुपए की प्रीमियम और स्टैंडर्ड स्कॉच ब्रांड्स जैसे जॉनी वॉकर, चिवास रीगल, बैलेनटाइंस, ग्लेनफिडिक और द मैकऐलन आयात करता है। समझौते के तहत भारत द्वारा स्कॉच व्हिस्की पर लगाए गए 150 प्रतिशत आयात शुल्क को चरणबद्ध रूप से 75 प्रतिशत या उससे नीचे तक लाने पर सहमति बनी है। इससे भारतीय बाजार में स्कॉच की खुदरा कीमतों में 10 से 30 प्रतिशत तक की गिरावट आने की संभावना है। ▶10पर

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

मिसाइल मैन के विचार युवाओं के लिए प्रेरणा

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

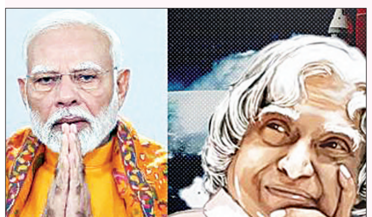

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कलाम को प्रेरणादायक विचारक, वैज्ञानिक और सच्चा देशभक्त बताया। डॉ. कलाम के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करते हैं और उन्हें मजबूत और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे प्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि पर मैं उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि देता हूं। उन्हें एक प्रेरणादायक दूरदर्शी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, मार्गदर्शक और महान देशभक्त के रूप में याद किया जाता है। राष्ट्र के प्रति उनकी निष्ठा अनुकरणीय थी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वर्ष 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। वे देश के उन गिने-चुने राष्ट्रपतियों में से एक रहे, जिन्हें राजनीतिक दलों और आम जनता दोनों का भरपूर सम्मान मिला। उनका जीवन सादगी से भरा था और उन्होंने कभी किसी राजनीतिक मतभेद को ▶10पर

हिंदी बोलने पर पीसीएस अफसर कोर्ट में अपमानित

अंग्रेजी का पिट्ठू बना नैनीताल हाईकोर्ट

नैनीताल, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

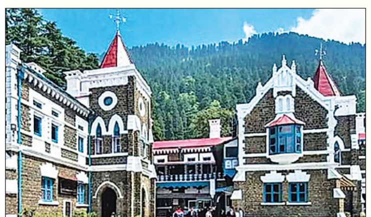

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हिंदी बोलने पर एक पीसीएस अफसर को अपमानित किया। अंग्रेजी बोलने, सुनने और लिखने की जिद ठाने बैठे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और आलोक माहरा ने पीसीएस अफसर की सारी योग्यता अंग्रेजी न बोलने के कारण तौल कर रख दी। अंग्रेजी के पिट्ठू न्यायाधीशों ने प्रदेश के मुख्य सचिव को निर्देश तक दे डाला कि वे पीसीएस अफसर की काबिलियत जांचें कि वह अंग्रेजी क्यों नहीं बोल-समझ सकते। अदालत ने एडीएम स्तर के अधिकारी की अंग्रेजी बोलने में असमर्थता पर उनकी योग्यता पर सवाल खड़े कर दिए। उल्लेखनीय है कि नैनीताल के एडीएम एवं निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी उत्तराखंड हाईकोर्ट में अंग्रेजी नहीं बोल पा रहे थे। उन्होंने कोर्ट से हिंदी में बातचीत की गुजारिश की और अंग्रेजी बोलने में असमर्थता जताई। इसके बाद हाईकोर्ट ने उनकी काबिलियत पर सवाल उठाने शुरू कर दिए और उनकी योग्यता की जांच करने के आदेश दे दिए। ▶10पर

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अंतरिक्ष में उपलब्धि से विज्ञान का माहौल बना

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों और शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा ने पूरे देश में विज्ञान का माहौल बना दिया। आज देश के बच्चे अंतरिक्ष विज्ञान में दिलचस्पी लेने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी आज अपने मन की बात के 124वें एपिसोड में बोल रहे थे। पीएम मोदी ने देश की सफलताओं की और उपलब्धियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, पिछले कुछ समय में देश में खेल, विज्ञान और संस्कृति को लेकर बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी की बहुत चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु धरती पर उतरे तो पूरा देश खुशी और गर्व से भर गया। जब चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग हुई तो देश में विज्ञान को लेकर अलग माहौल बना। अब छोटे-छोटे बच्चे अंतरिज्ञ विज्ञान में रुचि ले रहे हैं। आपने इंस्पायर मानक अभियान का नाम सुना होगा। यह बच्चों में इनोवेशन को बढ़ावा देने का अभियान है। इस अभियान में हर स्कूल से पांच बच्चे चुने जाते हैं। ▶10पर

बिहार में सफाई कर्मचारी आयोग गठित होगा

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार राज्य में सफाई कर्मचारियों के लिए बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह घोषणा की है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार राज्य में सफाई कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए मैंने बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का विभाग को निर्देश दिया है। यह आयोग सफाई कर्मियों के हितों से संबंधित सुझाव, उनके अधिकारों की सुरक्षा के संबंध में सरकार को ▶10पर

उद्योग-धंधों का कब्रिस्तान बना ममता दीदी का शोनार बांग्ला

टीएमसी के राज में 6600 कंपनियां बंगाल छोड़ कर भाग गईं

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

कारपोरेट मामलों के मंत्रालय ने बताया है कि वर्ष 2011-12 से वर्ष 2024-25 के बीच पश्चिम बंगाल से 6688 कंपनियां राज्य छोड़ कर चली गईं। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से एक तिहाई यानी 2200 से अधिक कंपनियां वर्ष 2019 के बाद से राज्य छोड़ कर गई हैं। पश्चिम बंगाल से 6 हजार से अधिक कंपनियों ने अपना बोरिया बिस्तर बांध कर राज्य छोड़ दिया है। इनमें से 2 हजार से अधिक कंपनियां बीते 5 वर्षों में राज्य छोड़ कर गई हैं। यह भी सामने आया है कि इस दौरान यह कंपनियां दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों को गई हैं। पश्चिम बंगाल से उद्योग धंधों का यह पलायन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज में हुआ है। पश्चिम बंगाल में जहां एक ओर कंपनियां राज्य छोड़ कर जा रही हैं, वहीं नए निवेश भी नाममात्र को हो रहे हैं। देश के चौथे सबसे अधिक जनसंख्या वाले प्रदेश के लिए यह स्थिति गंभीर और चिंताजनक है। यह आंकड़े भले ही चौंकाने वाले हों, लेकिन उद्योग-धंधों का पलायन और पश्चिम बंगाल का पुराना रिश्ता है। देश के बड़े कारोबारी घरानों के अपना मुख्यालय शिफ्ट करने से बड़े ब्रांड्स के फैक्ट्री बंद करने तक यही हाल बीते कई सालों से है। इसमें एक कारण ममता बनर्जी सरकार का उद्योग विरोधी रुख और राज्य की खस्ताहाल कानून-व्यवस्था है। कभी एशिया की बड़ी औद्योगिक ताकतों में से एक गिने जाने वाले कोलकाता के अवसान ▶10पर

दिल्ली, यूपी एवं अन्य राज्यों को कंपनियों ने बनाया ठिकाना

जोधपुर में भारत-सिंगापुर संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

जोधपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत-सिंगापुर संयुक्त सैन्य अभ्यास का 14वां संस्करण (एक्सरसाइज बोल्ड कुरुक्षेत्र-2025) आज से जोधपुर में शुरू हुआ। यह सैन्य अभ्यास 4 अगस्त तक जारी रहेगा। इस अभ्यास में 4 सिंगापुर आर्मर्ड ब्रिगेड की 42 सिंगापुर आर्मर्ड रेजिमेंट और भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट भाग ले रही हैं।

यह अभ्यास एक टेबल टॉप अभ्यास और कंप्यूटर-आधारित युद्धाभ्यास के रूप में होगा। इसका उद्देश्य यंत्रीकृत युद्ध के लिए संचालन प्रक्रियाओं को सुदृढ करना है। इसका समापन भारतीय सेना द्वारा उपकरणों के प्रदर्शन के साथ होगा। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के तहत दोनों सेनाओं ▶10पर

फिनलैंड का अनोखा डे-फाइन सिस्टम जितनी ज़्यादा कमाई, उतना महंगा चालान

फिनलैंड,27 जुलाई (एजेंसियां) ।

फिनलैंड में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर लगने वाला जुर्माना आपकी रोजाना की सैलरी के हिसाब से तय किया जाता है। इसका सीधा सा मतलब है कि अगर आपकी कमाई ज़्यादा है, तब आपको ज़्यादा जुर्माना देना होगा।

रोज़ाना की आय का एक निश्चित हिस्सा

दरअसल पुलिस अधिकारियों के पास स्मार्टफोन होते हैं जिनमें एक सेंट्रल टैक्सपेयर डेटाबेस होता है। इसके ज़रिए वे किसी भी व्यक्ति की आय तुरंत चेक कर सकते हैं। अगर आप ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं, तब आपकी रोज़ाना की आय का एक निश्चित हिस्सा जुर्माने के तौर पर लिया जाता है। इसके अलावा, आप स्पीड लिमिट से जितनी ज़्यादा स्पीड पर गाड़ी चलाते हैं, उतने ही डे-फाइन (यानी उतने दिन की सैलरी) के हिसाब से जुर्माना बढ़ता जाता है। से लगभग दो साल पहले फिनलैंड के एक व्यक्ति पर ओवरस्पीडिंग के लिए 1 करोड़ छह लाख 27 हज़ार का भारी-भरकम जुर्माना लगा था। यह मामला डे-फाइन सिस्टम का एक चौंकाने वाला उदाहरण था।

आय-आधारित नियम क्यों बनाया गया

यह अनोखा नियम केवल फिनलैंड में ही नहीं बल्कि स्वीडन, नॉर्वे और डेनमार्क जैसे सभी नॉर्डिक देशों में लागू है। फिनलैंड में यह प्रणाली 1920 के दशक से चली आ रही है। इस नियम को बनाने का मुख्य उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना है। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जुर्माना सभी के लिए समान रूप से प्रभावी हो। यह प्रणाली इस बात पर ज़ोर देती है कि कम आय वाले लोगों के लिए जुर्माना जितना प्रभावशाली होता है, उतना ही यह उच्च आय वाले लोगों पर भी वित्तीय रूप से प्रभावी हो, ताकि वे भी नियमों का उल्लंघन करने से पहले दो बार सोचने को मजबूर हो जाएंगे। यह प्रणाली दिखाती है कि कैसे अलग-अलग देश सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और नियमों का पालन करवाने के लिए विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

इजराइल की गाजा में भुखमरी की नीति नरसंहार के समान : अमेरिकी सांसद का आरोप

वॉशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य जॉन गरामेंडी ने गाजा में मानवीय सहायता न पहुंचाने की इजराइली नीति को 'नरसंहार' की श्रेणी में बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मंशा से गाजा के नागरिकों को जानबूझकर भूख और पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद गरामेंडी ने एक बयान में कहा, इजराइल के पास फिलिस्तीनियों तक पर्याप्त भोजन पहुंचाने की क्षमता और संसाधन हैं। इसके बावजूद वे ऐसा नहीं कर रहे, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। यह प्रधानमंत्री नेतन्याहू का जानबूझकर लिया गया फैसला है कि गाजा को खाना न दिया जाए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कुछ प्रगतिशील डेमोक्रेट सांसदों ने इजराइल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों और प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने बीते एक साल में इजराइल की सैन्य कार्रवाई को 'नरसंहारात्मक अभियान' करार दिया है। इन सांसदों का कहना है कि गाजा में जानबूझकर भोजन, दवाएं और अन्य जरूरी सहायता रोकना न केवल मानवीय अपराध है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का भी गंभीर उल्लंघन है।

चीन में फिर से 'कॉमरेड' शब्द की वापसी, क्या हैं इसका राजनैतिक संदेश

बीजिंग। चीन में हाल के वर्षों में 'कॉमरेड' शब्द का प्रयोग फिर से बढ़ रहा है। पहले यह शब्द कम्युनिस्ट

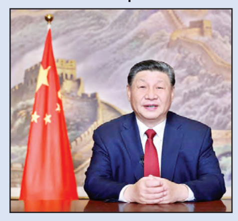

शासन के शुरुआती दौर में आम अभिवादन में प्रयोग होता था, लेकिन 1980 के दशक के बाद इसके उपयोग में गिरावट आई थी। अब यह दोबारा आधिकारिक भाषणों, दस्तावेजों और कुछ अनौपचारिक बातचीत में दिखाई दे रहा है। बात दें कि 1949 की चीनी क्रांति के बाद 'कॉमरेड' (जिसका अर्थ है साथी या मित्र) पार्टी सदस्यों, सरकारी अधिकारियों और आम नागरिकों के बीच एक सामान्य संबोधन था। यह शब्द समानता और एकजुटता के क्रांतिकारी आदर्शों का प्रतीक माना जाता था। लेकिन 1980 के दशक में आर्थिक सुधारों और वैश्विक खुलेपन के साथ, लोग अधिक व्यक्तिगत और पेशेवर अभिवादनों का उपयोग करने लगे—जैसे श्याओजी (मिस) या लाओशी (शिक्षक)। धीरे-धीरे 'कॉमरेड' का प्रयोग आम बोलचाल से लगभग गायब हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव कम्युनिस्ट पार्टी की विरासत को मजबूत करने, चारधारात्मक एकजुटता बढ़ाने, और क्रांतिकारी मूल्यों की याद दिलाने का प्रयास है। इस वापसी को चीन के राजनीतिक वातावरण का सूचक माना जा रहा है। यह केवल भाषाई बदलाव नहीं, बल्कि एक ऐसा कदम है, जो वर्तमान नेतृत्व द्वारा पार्टी की ऐतिहासिक जड़ों और सामूहिकता पर जोर देने की ओर इशारा करता है।

बच्चों में स्मार्टफोन से मानसिक सेहत पर गंभीर असर : शोध

वॉशिंगटन। जिन बच्चों को 12 वर्ष या उससे कम उम्र में स्मार्टफोन मिला, उनमें 18 से 24 साल की उम्र तक आते-आते आत्मघाती विचार, आक्रामकता, भावनात्मक अस्थिरता और आत्मसम्मान की कमी जैसी मानसिक समस्याएं अधिक देखी गईं। एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, इसमें दुनिया भर के एक लाख से अधिक युवाओं का डेटा शामिल है। अध्ययन के मुताबिक, कम उम्र में स्मार्टफोन मिलने से बच्चे जल्दी ही सोशल मीडिया से जुड़ जाते हैं, जिससे साइबरबुलिंग, नींद की गड़बड़ी और पारिवारिक रिश्तों में दूरी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अमेरिका स्थित सैपियन लैब्स की संस्थापक और न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. तारा थियागराजन ने बताया कि डेटा स्पष्ट रूप से संकेत करता है कि कम उम्र में सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का उपयोग युवावस्था में मानसिक असंतुलन का बड़ा कारण बन सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि ये समस्याएं सामान्य मानसिक स्वास्थ्य जांच में अक्सर नजर नहीं आतीं क्योंकि इनमें अवसाद या चिंता जैसे पारंपरिक लक्षण नहीं होते। शोधकर्ताओं ने स्मार्टफोन को शराब और तंबाकू की तरह नियंत्रित करने की वकालत की है और सुझाव दिया है कि 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इसके उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल साक्षरता को अनिवार्य किया जाना चाहिए और टेक कंपनियों को युवाओं की मानसिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराना जरूरी है।

179 यात्रियों से भरे विमान में लैंडिंग के दौरान लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री

वाशिंगटन,27 जुलाई (एजेंसियां) ।

179 यात्रियों से भरा विमान लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार होते होते बच गया। डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट एए 3023 के लैंडिंग गियर में आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब विमान टेकऑफ की तैयारी ही कर रहा था। विमान में सवार सभी 173 यात्री और 6 क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं।

हालांकि, एक यात्री को मामूली चोट के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य पांच यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।बता दें कि अमेरिकन एयरलाइंस के साथ डेनवर में यह दूसरी बड़ी घटना है। मार्च 2025 में, इसी एयरलाइन के एक अन्य विमान में इंजन में खराबी आने के कारण आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। अमेरिकन एयरलाइंस ने यात्रियों को मियामी ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की, जिसने शाम को उड़ान भरी।

यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 2:45 बजे (अमेरिका के समय के मुताबिक) हुई, जब फ्लाइट एए 3023 डेनवर से मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एमआइए) के लिए उड़ान भरने वाली थी। विमान रनवे 34एल पर टेकऑफ की तैयारी में था, तभी लैंडिंग गियर में एक टायर में खराबी सामने आई। इसके कारण उसमें आग लग गई। डेनवर फायर डिपार्टमेंट और एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। सभी यात्रियों को आपातकालीन स्लाइड्स के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया।

अमेरिकन एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि की है कि विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था और उसमें टायर से संबंधित तकनीकी समस्या आई थी। एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित विमान को सेवा से हटा दिया गया है और पूरी जांच की जाएगी। विमान को गेट सी34 से रवाना होना था और निर्धारित समय दोपहर 1:12 बजे था। एफएए (फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन) ने इसे संभावित लैंडिंग गियर की खराबी के रूप में रिपोर्ट किया है। इस घटना के चलते डेनवर एयरपोर्ट पर दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक ग्राउंड स्टॉप लागू किया गया, जिससे 87 उड़ानों में देरी हुई। हालांकि शाम तक सभी सेवाएं सामान्य रूप से शुरू हो गई थीं।

ईरान के हमलों से इजराइल को बचाने में अमेरिका का मिसाइल स्टॉक खत्म

वॉशिंगटन। ईरान के एडवांस बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से इजराइल को बचाने के लिए अमेरिका ने अरबों डॉलर के मिसाइल स्टॉक खत्म हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुलासा हुआ है कि अमेरिका के थार्ड एयर डिफेंस सिस्टम के 14 फीसदी स्टॉक खत्म हो चुके हैं, जिसके बाद अमेरिका को फिर से स्टॉक भरने में कम से कम 3 से 8 साल लग जाएंगे। अमेरिका के शोधकर्ताओं की तरफ से किए गए विश्लेषण से पता चला है कि ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए इजराइल ने आधे से ज्यादा अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर्स का इस्तेमाल किया। करीब आधे इंटरसेप्टर अमेरिका के टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम यानि थार्ड एयर डिफेंस सिस्टम से दागे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के थार्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने इजराइल के एरो-2 और एरो-3 इंटरसेप्टर के साथ ईरान की 574 मिसाइलों में से 201 को नष्ट कर दिया था। बाकी मिसाइलों को दूसरे डिफेंस सिस्टम ने नष्ट किया, लेकिन अब चिंता भविष्य की है कि अमेरिका के मिसाइल भंडार से जितनी मिसाइलें इस्तेमाल की जा चुकी हैं, उन्हें भरने में 3 से 8 साल लग सकते हैं। इस रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि 92 थार्ड इंटरसेप्टर्स ईरान के जरिए दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए दागे गए, जो कि अमेरिका के कुल अनुमानित 632 थार्ड मिसाइलों के भंडार का एक बड़ा हिस्सा है। पेंटागन ने अनुमानों या संभावित इंटरसेप्टर की कमी की चिंताओं के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। पेंटागन परेशान, थार्ड एयर डिफेंस सिस्टम का स्टॉक भरने में लगेंगे कई साल बता दें थार्ड इंटरसेप्टर को लॉकहीड मार्टिन ने बनाया है, जिनमें से प्रत्येक की लागत करीब 12.7 मिलियन डॉलर यानि करीब 106 करोड़ भारतीय रुपए के बराबर है। ये मिसाइलें पृथ्वी के वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में जाकर बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम हैं यानी ये थिएटर-लेवल डिफेंस प्रदान करती हैं। जहां पैट्रियट मिसाइलें सस्ती और तेजी से बनने वाली होती हैं, वहीं थार्ड ज्यादा एडवांस और लंबी दूरी का एयर डिफेंस सिस्टम है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि ईरान ने जब कतर के अल-उदायद एयरबेस पर हुए हमला किया था, उस दौरान 30 पैट्रियट मिसाइलें भी दागी गईं थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में अमेरिका ने सिर्फ 11 थार्ड इंटरसेप्टर ही खरीदे और 2025 के अंत तक अमेरिका को 12 और थार्ड मिलने की उम्मीद है।

मोटापे का मुख्य कारण अधिक मात्रा में कैलोरी का सेवन:शोध

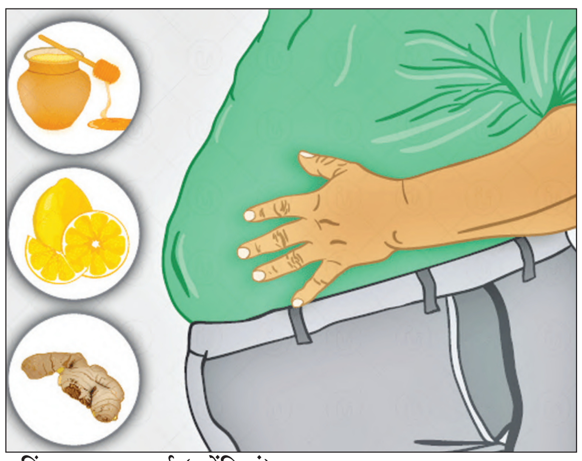

वाशिंगटन,27 जुलाई (एजेंसियां) ।

दुनिया भर में बढ़ते मोटापे का मुख्य कारण व्यायाम की कमी नहीं, बल्कि अधिक मात्रा में कैलोरी का सेवन है। अमेरिका के ड्यूक विश्वविद्यालय द्वारा किए गए ताजा शोध में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। शोध में शामिल वैज्ञानिकों का कहना है कि अमीर देशों के लोग अब भी उतनी ही ऊर्जा खर्च कर रहे हैं, जितनी पहले किया करते थे, लेकिन उनके खान-पान की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। इस अध्ययन का नेतृत्व करने वाले ड्यूक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरमन पोंटजर ने बताया कि मोटापा बढ़ने की असल वजह हमारे खाने में आए बदलाव हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लोगों की शारीरिक गतिविधि में कमी जितनी बड़ी वजह मानी जाती है, उतनी वह है नहीं। शोध में दुनिया के 34 अलग-अलग क्षेत्रों से 18 से 60 वर्ष की आयु के 4,200 से अधिक लोगों की रोजाना खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर में फैट की मात्रा और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) का विश्लेषण किया गया। नतीजों से पता चला कि जैसे-जैसे देश आर्थिक रूप से समृद्ध होते गए, वहां की आबादी में ऊर्जा खर्च में मामूली कमी जरूर आई, लेकिन यह कमी मोटापे में आई भारी बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार नहीं कही जा सकती। शोधकर्ता अमांडा मैकग्रॉस्की के अनुसार, समृद्धि के साथ लोगों की भोजन की आदतें बदलीं, जिससे अधिक मात्रा में कैलोरी युक्त और फैट बढ़ाने वाला भोजन उनकी डाइट में शामिल हो गया। यही मोटापा बढ़ने की असली वजह है। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी जोर दिया कि यह निष्कर्ष किसी भी तरह से व्यायाम के महत्व को कम नहीं करता। नियमित व्यायाम स्वास्थ्य के लिए जरूरी है और यह हृदय, मानसिक स्वास्थ्य और संपूर्ण शरीर के लिए लाभदायक होता है। इस अध्ययन का सार यही है कि मोटापे से बचाव और वजन घटाने के लिए सिर्फ व्यायाम पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आहार पर भी उतना ही ध्यान देना जरूरी है। स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित भोजन और नियमित शारीरिक गतिविधि दोनों को साथ लेकर चलना होगा। बता दें कि अभी तक यह आम धारणा रही है कि इंडस्ट्रियल समाज में शारीरिक गतिविधि कम होने से मोटापा बढ़ा है, लेकिन यह अध्ययन इस सोच को चुनौती देता है।

नेपाल और चीन के बीच सबसे बड़े व्यापारिक मार्ग पर पुल का पुनर्निर्माण शुरू

नेपाल-चीन के बीच उत्तरी सीमा पार रसुवागढ़ी में फ्रेंडशिप ब्रिज (मैत्री पुल) पर पुनर्निर्माण कार्य शुरू हो गया है। लगभग 10 मीटर चौड़ा और 100 मीटर लंबा यह पुल 8 जुलाई को लेंडे खोला में आई भीषण बाढ़ में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। रसुवा के प्रमुख जिला अधिकारी (सीडीओ) अर्जुन पौडेल ने रविवार को बताया कि नेपाल और चीन के बीच सीमा पार आवाजाही और व्यापार के पूर्ण रूप से ठप होने के बाद चीनी पक्ष ने बहाली के पहले चरण के रूप में बेली पुल का निर्माण शुरू कर दिया है। इस अस्थायी पुल के लिए ग्राउंड लेवलिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। इससे पहले शनिवार को सीडीओ पौडेल के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय नेपाली प्रतिनिधिमंडल ने फ्रेंडशिप ब्रिज क्षेत्र का ऑन-साइट निरीक्षण किया इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने निर्माण स्थल पर एक बैठक की, जिसमें बाढ़ बचाव और राहत कार्यों, पुनर्निर्माण प्राथमिकताओं और एक स्थायी संरचना की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया टी एप...इन दिनों आखिरकार चर्चा में क्यों

लंइल,28 जुलाई (एजेंसियां) ।

इन दिनों एक एप चर्चा में है, जो महिलाओं के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। हम बात कर रहे हैं टी एप की, जिस पर महिला चुपके से पुरुषों को रेट और रिव्यू करती हैं। इस एप पर महिलाएं बिहेवियर, लॉयैलिटी और डेटिंग अनुभव के आधार पर पुरुषों को रेट करती हैं। महिलाएं उन पुरुषों को रेट करते हैं, जिससे उन्होंने मुलाकात की होती है।

पिछले कुछ दिनों से टी एप एक डेटा ब्रीच को लेकर चर्चा में है। टी एप एक बड़े डेटा लीक का शिकार हुआ है, जिसमें 72 हजार तस्वीरें लीक हुई हैं। इसमें 13 हजार सेल्फी या सेल्फी फोटो आईडी शामिल हैं, जिन्हें यूजर्स ने अकाउंट वेरिफिकेशन के लिए समिट किया था। वहीं 59 हजार फोटोज ऐसी हैं, जो पोस्ट, कॉमेंट या डायरेक्ट मैसेज की है, जो एप पर उपलब्ध है।

टी महिलाओं के लिए एक्सक्लूसिव एप है। इस पर वे उन पुरुषों को रेट और रिव्यू कर सकती हैं, जिनसे वे मिली हैं या फिर डेट कर चुकी हैं। एप पर महिलाएं एक-दूसरे को टी स्पिल यानी रियल-लाइफ रिव्यू शेयर करती हैं। इन रिव्यूज के जरिए दूसरी महिलाओं को पता चलता है कि वे जिस शख्स से मिली हैं, वहां भरोसेमंद है या नहीं।

या सिर्फ टाइमपास करता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, टी एप का डेटा एक थर्ड पार्टी क्लाउड से लीक हुआ है। लीक में महिलाओं के नाम, ईमेल और प्रोफाइल डीटेल्स तक शामिल हैं। इसके अलावा रेट किए गए पुरुषों की जानकारी और रिव्यू, फोटो और दूसरी डिटेल्स लीक हुई हैं। कंपनी ने कहा है कि यूजर्स के ईमेल और नंबर लीक नहीं हुए हैं। इस डेटा लीक का असर सिर्फ उन यूजर्स पर पड़ेगा, जिन्होंने फरवरी 2024 से पहले साइन-अप किया था।

थाईलैंड-कंबोडिया को ट्रंप की सख्त चेतावनी, जंग न रोकी तो नहीं होगा व्यापार

वाशिंगटन,27 जुलाई (एजेंसियां) ।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी सीमा विवाद पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए दोनों देशों को तत्काल युद्धविराम की चेतावनी दी है। ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यदि दोनों देश शांति बहाल नहीं करते हैं, तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापारिक समझौता नहीं करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्होंने थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री से अच्छी बातचीत की है और अब कंबोडिया के प्रधानमंत्री से भी युद्ध रोकने को लेकर संवाद किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों से बातचीत के बाद लगता है कि शांति और समृद्धि पूरी तरह संभव है। अब देखना यह है कि आगे क्या होता है। ट्रंप ने साफ कहा, हम दोनों देशों के साथ व्यापारिक संबंधों पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन मैंने उन्हें स्पष्ट कर दिया है कि अगर वे युद्ध जारी रखते हैं तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापार नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा कि वे जल्द ही दोबारा

थाईलैंड को कॉल करेंगे और कंबोडिया से आगे की बातचीत थाईलैंड की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी।

अपने बयान में ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच के अतीत के संघर्ष का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष मुझे भारत और पाकिस्तान के बीच के उस पुराने तनाव की याद दिलाता है, जिसे सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया था। अब मैं इस क्षेत्रीय युद्ध को भी शांति में बदलने की कोशिश कर रहा हूं।

ट्रंप का बड़ा आरोपः कमला हैरिस ने हॉलीवुड स्टार्स को चुनाव प्रचार के बदले करोड़ों दिए, कानूनी कार्रवाई की मांग

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। इस बार उनका निशाना उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और कई मशहूर हस्तियां हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कमला हैरिस और डेमोक्रेटिक पार्टी ने मशहूर सितारों को प्रचार के लिए करोड़ों डॉलर की भुगतान किए। उन्होंने इसे पूरी तरह से अवैध बताते हुए अभियोजन की मांग की है। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर दावा किया कि डेमोक्रेट्स ने गायिका बियॉन्से को प्रचार के बदले 1.1 करोड़ डॉलर, टेलीविजन होस्ट ओप्रा विन्फ्रे को 30 लाख डॉलर और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता अल शार्पटन को 6 लाख डॉलर दिए। उन्होंने कहा कि इन हस्तियों ने कोई ठोस काम नहीं किया और उनके समर्थन भी वास्तविक नहीं थे। ट्रंप ने कहा कि यह सब प्रचार के लिए भुगतान था और यह पूरी तरह गैरकानूनी है। कार्रवाई होनी चाहिए- ट्रंप ट्रंप ने लिखा कि कल्पना कीजिए अगर राजनेता समर्थन खरीदने लगें, तो क्या होगा अराजकता फैल जाएगी। कमला और अन्य जिन्होंने भी भुगतान किया या पैसे लिए, उन्होंने कानून तोड़ा है और उन्हें सजा मिलनी चाहिए। ट्रंप का आरोप है कि ये भुगतान प्रचार के खर्च में भी सही तरीके से नहीं दर्ज किए गए और रिकॉर्ड में गड़बड़ी की गई है। एपस्टीन केस की जांच को बताया 'राजनीतिक चाल' ट्रंप के इस नए हमले के पीछे उनका यह भी दावा है कि डेमोक्रेट्स उनका ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जेफरी एपस्टीन केस से जुड़ी जांच को पोलिटिकल कॉन्सपिरेसी बताया और कहा कि यह उनके बेहतरीन छह महीने के प्रशासनिक कामों से लोगों का ध्यान हटाने की चाल है।

जाली कश्मीरी हस्तशिल्प से बदनाम होने लगा है कश्मीर

जम्मू, 27 जुलाई (ब्यूरो)।

टंगमर्ग के एक कालीन शोरूम में एक पर्यटक ने हाल ही में एक हस्तनिर्मित कश्मीरी गलीचे के लिए 2.55 लाख रुपए दिए। यह गलीचा जीआई टैग, प्रमाणन चिह्न और परंपरा की एक कहानी के साथ आया था। इसमें से कुछ भी असली नहीं था। गलीचा मशीन से बना था। क्यूआर कोड जाली था। और यह सुनियोजित धोखा था। यह कोई अकेला घोटाला नहीं है। यह कश्मीर के हस्तशिल्प बाजार में धोखाधड़ी का एक पैटर्न है, जिससे आ-खिरकार पर्दा उठ रहा है।

अब कश्मीर के हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग ने सभी पंजीकृत डीलरों को एक सख्त नोटिस जारी किया है। उनके पास अपने शोरूम से मशीन से बनी हर वस्तु को हटाने के लिए सात दिन का समय है, वरना उन्हें ब्लैकलिस्ट, पंजीकरण रद्द और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। यह चेतावनी नकली क्यूआर लेबल, गलत ब्रांडिंग और छेड़छाड़ किए गए टैग पर भी लागू होती है। जम्मू और कश्मीर पर्यटन व्यापार अधिनियम का उल्लंघन करने वाले शोरूम के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीलरों ने हलफनामों पर हस्ताक्षर करके केवल असली, हस्तनिर्मित शिल्प बेचने का वादा किया था। फिर भी, निरीक्षणों से पता चला कि कश्मीर भर के शोरूम मशीन-बुनाई वाले उत्पादों को स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित बताकर बेच रहे थे। ये कोई छोटी-मोटी चूक नहीं हैं। ये खरीदारों को धोखा देने और क्षेत्र की सबसे पुरानी अर्थव्यवस्था का गला घोंटने की सोची-समझी चालें हैं।

कश्मीरी शिल्प स्मृति चिन्ह नहीं, बल्कि आजीविका का साधन हैं। कश्मीर में 400 से ज्घ्यादा प्रशिक्षण केंद्र उत्तम पश्मीना, क्रूएल, सोजनी, चेन स्टिच और हाथ से बुने कालीनों का उत्पादन कर रहे हैं। सरकार ने हाल ही में केवल प्रशिक्षुओं की बिक्री से 1.07 करोड़ से अधिक का राजस्व दर्ज किया है। यह आंकड़ा कमाई से कहीं ज्यादा है। यह संभावनाओं को दर्शाता है। यह संभावना हर बार खतरे में पड़ जाती है जब कश्मीर के नाम पर कोई नकली उत्पाद बेचा जाता है। नकली उत्पादों का यह कारोबार पर्यटकों को संशयवादी और कारीगरों को हताहत बना रहा है। नकली क्यूआर कोड वाला एक गलीचा शेल्फ पर भले ही हानिरहित लगे, लेकिन इसके पीछे उस विश्वास का धीरे-धीरे क्षरण है जिसे बनने में सदियों लग गए। कश्मीर के जीआई टैग इसी विश्वास की रक्षा के लिए हैं। अगर वे जाली हैं तो वे किसी भी चीज की रक्षा नहीं कर सकते।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मामले में हस्तक्षेप किया है। निर्यातकों के साथ बैठक के बाद, उन्होंने सख्त प्रवर्तन और नीति समीक्षा का आश्वासन दिया। उद्योग एक प्रवर्तन कार्यबल, अनिवार्य साइनेज, कड़े आयात नियम और कठोर दंड चाहता है। ये कदम महत्वाकांक्षी नहीं हैं। ये बहुत समय से लंबित हैं। कोई भी मशीन हाथ से बुने कालीन की आत्मा की नकल नहीं कर सकती।

कोई भी शॉर्टकट पीढ़ियों के कौशल की जगह नहीं ले सकता। जो व्यापारी कश्मीर के शिल्प से लाभ कमाना चाहते हैं, उन्हें इसका सम्मान करना होगा। इसका मतलब है कि मशीन से बने सामान को अलमारियों से हटाना, असली लेबल लगाना और उस पहचान का सम्मान करना जिसका वे दावा करते हैं।

करंट की अफवाह पर हरिद्वार में मची भगदड़

मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में आठ मरे

हरिद्वार, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक किसी ने करंट फैलने की अफवाह फैला दी। इस घटना के बाद वहां मौजूद श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। 30 लोग घायल हुए हैं।

रविवार सुबह करीब नौ बजे के आसपास मंदिर की चढ़ाई कर रहे श्रद्धालुओं के बीच किसी ने करंट फैलने की अफवाह फैला दी, जिससे श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। अफरा-तफरी में लोग एक-दूसरे पर गिर गए। चीख-पुकार के बीच कई श्रद्धालु दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन हादसे के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

डेढ़ से पांच लाख तक बढ़ी निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस

अब एमबीबीएस करने में लगेंगे 12 से 19 लाख

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

यूपी में डेढ़ से पांच लाख रुपए तक निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस बढ़ गई है। अब निजी कॉलेज में एमबीबीएस की फीस 12 से 19 लाख के बीच हो गई है। उत्तर प्रदेश के करीब दर्जनभर निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस में बढ़ोतरी कर दी गई है। यह बढ़ोतरी डेढ़ से पांच लाख रुपए तक की गई है जबकि कुछ कॉलेजों की फीस पिछले वर्ष की ही रहेगी।

प्रदेश में 31 निजी मेडिकल कॉलेज हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से गैर अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों की फीस निर्धारित कर दी गई है। फीस बढ़ोतरी के पीछे संबंधित कॉलेजों में संसाधन बढ़ाने का तर्क दिया गया है। खास बात यह है कि यह बढ़ोतरी डेढ़ से पांच लाख रुपए तक की गई है। अब निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस 12 से 19 लाख के बीच हो गई है। यहां नॉन एसी हॉस्टल की फीस पहले जहां 1.65 लाख थी, उसे बढ़ाकर 1.73 लाख रुपए प्रतिवर्ष कर दिया गया है। वहीं एसी हॉस्टल की फीस 1.92 लाख से बढ़ाकर 2.02 लाख रुपए कर दिया गया है। सिक्योरिटी राशि पूर्व की तरह तीन लाख और विधिक शुल्क 94160 रुपए रखा गया है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से सख्त निर्देश दिया गया है कि शैक्षणिक शुल्क किसी भी कीमत पर एकमुश्त जमा नहीं कराया जाएगा। हर मेडिकल कॉलेज में यह शुल्क प्रतिवर्ष जमा किया जाएगा। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस एक लाख से कम है। केजीएमयू में करीब 54 हजार प्रतिवर्ष है। इसी तरह अन्य राजकीय मेडिकल कॉलेजों की फीस भी 30 से 50 हजार के बीच है। वहीं हास्टल फीस करीब 40 से 50 हजार के बीच है।

पंजाब की चौकियों पर पुलिस वालों के उत्पीड़न का असर

कश्मीर में मांस की किल्लत, डीलर्स हड़ताल पर

जम्मू, 27 जुलाई (ब्यूरो)।

कश्मीरियों को पिछले दो दिनों से मांस नहीं मिल रहा है। प्रतिवर्ष 1400 करोड़ के 60 हजार टन से अधिक मांस खाने वाले कश्मीर में मांस-संकट पंजाब की पुलिस चौकियों पर घूसखोरी के लिए होने वाले उत्पीड़न की वजह से आया है। कश्मीर के मांस डीलर्स हड़ताल पर चले गए हैं। उनका आरोप है कि पड़ोसी राज्य पंजाब में चौकियों पर उनका माल लाने वाले ट्रकों के साथ उत्पीड़न होता है, जबरन वसूली की जा रही है और रिश्वत की मांग की जा रही है।

कश्मीर मटन डीलर्स एसोसिएशन द्वारा अन्य राज्यों से जीवित पशुओं के परिवहन पर अनिश्चितकालीन रोक लगाने की घोषणा के बाद, कश्मीर में मांस की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। मटन डीलरों का कहना है कि पंजाब में चौकियों पर रोजाना उत्पीड़न, जबरन वसूली और रिश्वत की मांगों ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर किया है और जब तक जम्मू कश्मीर सरकार हस्तक्षेप नहीं करती, हड़ताल जारी रहेगी। एसोसिएशन के महासचिव मेहराजुद्दीन गनई ने आरोप लगाया कि पंजाब के शंभू और माधोपुर चौकियों पर पशुओं का परिवहन करने वाले ड्राइवरों को 15,000 रुपए तक की रिश्वत देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, आज ही ट्रकों को रोक कर रखने के कारण गर्मी से 50 से ज्यादा भेड़ें मर गईं। हमें असहनीय नुकसान हो रहा है। हड़ताल का फैसला विवशता में लिया गया है, क्योंकि यह व्यापारियों पर थोपा गया है।

हम जनता से, खासकर शादियों की तैयारी कर रहे परिवारों से माफी मांगते हैं। लेकिन हम अब और इस नुकसान को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

एसोसिएशन के अनुसार, राजस्थान, सीकर, फिरोजपुर, दिल्ली और अंबाला के आपूर्तिकर्ताओं ने इस फैसले का समर्थन किया है, क्योंकि इसी तरह का उत्पीड़न पशुधन आपूर्ति श्रृंखला के व्यापारियों को प्रभावित कर रहा है। गनई ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से तुरंत हस्तक्षेप करने और स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए पंजाब में एक तथ्य-खोजी दल भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम सभी दस्तावेज और सबूत उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं। लेकिन कार्रवाई तत्काल आवश्यक है। उन्होंने 2016 में इसी तरह के संकट को याद किया, जब एक मंत्री के पंजाब दौरे के बाद ही यह मुद्दा सुलझा था। उन्होंने चेतावनी दी कि हजारों परिवार इस व्यापार पर निर्भर हैं। अगर कुछ नहीं बदला, तो आपूर्ति में रुकावट लंबे समय तक जारी रह सकती है, जिससे एक बड़ा संकट पैदा हो सकता है।

कश्मीर की मांस आपूर्ति उत्तरी राज्यों के पशुधन पर बहुत अधिक निर्भर है, इसलिए इस रुकावट से आने वाले दिनों में उपलब्धता और कीमतों पर गंभीर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। जम्मू कश्मीर में सालाना लगभग 15 लाख भेड़ों का मांस खपत होता है, जिसमें से लगभग 41 प्रतिशत केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से आता है, जिसकी कीमत प्रति वर्ष 1,400 करोड़ रुपए से अधिक है। सीमित स्थानीय पशुपालन क्षमता के कारण, कश्मीर की राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से आयात पर भारी निर्भरता एक फलती-फूलती आपूर्ति श्रृंखला में बदल गई है। शादी-ब्याह और त्यौहारों के व्यस्त मौसम में, सीकर, फिरोजपुर, अंबाला और दिल्ली जैसे बाजारों से रोजाना सैकड़ों ट्रक पशुओं को ढोते है, यह नेटवर्क अब खतरे में है। व्यापारियों का अनुमान है कि मांग पूरी करने के लिए हर साल लगभग 20 लाख पशु लाए जाते हैं। इस क्षेत्र में मटन की अत्यधिक मांग को देखते हुए, जो वाजवान जैसे पारंपरिक व्यंजनों का अभिन्न अंग है, यह व्यवधान आपूर्ति, मूल्य निर्धारण और व्यापक खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर सकता है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की पहली विशेष आम सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की पहली विशेष आम सभा (ईजीएम) रविवार, दि. 27 जुलाई को अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल, पैराडाइज, हैदराबाद में आयोजित की गई। इस बैठक का शुभारंभ महाराजा अग्रसेनजी की पूजा के साथ हुआ, जिसमें समाज के केंद्रीय समिति के सदस्यों, शाखा पदाधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। यह आयोजन समाज के विकास और एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

अध्यक्ष का स्वागत संबोधन

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने सभी उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने समाज के पांच सलाहकारों-डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल, डॉ. चंद्रकांत डकोटिया, हरीश गुप्ता, बद्री विशाल बंसल और विनोद अग्रवाल-का परिचय कराया। इस अवसर पर सलाहकारों डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल, डॉ. चंद्रकांत डकोटिया, और श्री हरीश गुप्ता को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मंच संचालन और कार्यवृत्त

सह-सचिव डॉ. सीमा जैन ने मंच का कुशलतापूर्वक संचालन किया। उन्होंने पिछली बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। उनके संचालन ने बैठक को व्यवस्थित और प्रभावी बनाए रखा।

प्रमुख चर्चाएँ और संकल्प

बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ और निम्नलिखित प्रस्तावों को ध्वनि मत से पारित किया गया:

1. **सदस्यता वृद्धि** – समाज की प्रगति के लिए सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए विभिन्न शाखाओं में जागरूकता अभियान चलाने और नए सदस्यों को जोड़ने की रणनीति बनाई गई।

2. **प्रिविलेज कार्ड योजना** – सदस्यों को प्रिविलेज कार्ड प्रदान करने की योजना पर चर्चा की गई। केंद्रीय समिति ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसके अनुसार समाज के सदस्य प्रतिष्ठान मालिक अपने कर्मचारियों को भी ये प्रिविलेज कार्ड जारी कर सकेंगे। यह कदम समाज के प्रभाव को और व्यापक करने में सहायक होगा।

3. **सदस्यता शुल्क में कमी** – सदस्यता को और अधिक सुलभ बनाने के लिए, केंद्रीय समिति ने सदस्यता शुल्क को एक वर्ष के लिए 350 से घटाकर दो वर्षों के लिए मात्र 21 करने का निर्णय लिया। भविष्य में शुल्क में परिवर्तन का अधिकार केंद्रीय समिति के पास रहेगा।

4. **आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ** – अग्रवाल समाज तेलंगाना की आधिकारिक वेबसाइट के शुभारंभ की घोषणा की गई। यह वेबसाइट समाज की गतिविधियों, योजनाओं और सदस्यों से संबंधित जानकारी को डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराएगी।

5. **मताधिकार में सुधार** – समाज के चुनावों में केंद्रीय समिति के निवर्तमान अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्षों, और शाखाओं के निवर्तमान अध्यक्षों को भी मतदान का अधिकार देने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह कदम समाज के लोकतांत्रिक ढांचे को और मजबूत करेगा।

बैठक में मंच पर अनिरुद्ध गुप्ता (अध्यक्ष), रूपेश कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), डॉ. सीमा जैन (सह-सचिव), अचल गुप्ता (कोषाध्यक्ष), डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल (सलाहकार), डॉ. चंद्रकांत डकोटिया (सलाहकार) एवं हरीश गुप्ता (सलाहकार) आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बैठक में अग्रवाल समाज तेलंगाना की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी और केंद्रीय समिति के सदस्य उपस्थित थे, जिनमें शामिल थे: श्री दिनेश चंद्रा, शशिकांत अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, आनंद सांघी, महादेव प्रसाद अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, संजय अग्रवाल, श्यामलाल गोयनका, श्रीमती पूजा गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, सत्यनारायण, रामगोपाल गोयल, अमित अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, यश अग्रवाल, पी.के. जैन, आनंद गुप्ता, हरीश अग्रवाल, श्रीमती सुमन अग्रवाल, श्रीमती संध्या अग्रवाल, श्रीमती पायल अग्रवाल, देवांश मोर, गोविंद अग्रवाल, हरीश गुप्ता, संजय अग्रवाल, श्रीमती रितु अग्रवाल, सुरेश चंद गुप्ता, गोविंद नारायण, हरि गोविंद प्रसाद, नरेंद्र गोयल, उमेश अग्रवाल, अशोक आर. दानी, रोहित जैन, राकेश अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, हिमाचल गुप्ता, राजेश अग्रवाल, नरेश बंसल, विनोद सर्राफ, श्रीमती सुमन गुप्ता, परमेश्वर, नवीन बंसल, विष्णु कुमार अग्रवाल, अंकुर सिंघानिया, बी.डी. खेतान, दर्शन अग्रवाल, रमेश कुमार, राजकुमार पसारी, महेश कनोडिया, अमित अग्रवाल, श्रीमती शिवानी अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता, राकेश अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार तुलस्यान, श्रीमती किरण अग्रवाल, उमेश गुप्ता, घनश्यामदास अग्रवाल, विष्णु डोचानिया, धीरज खेतान, महेंद्र गोयल, प्रदीप बंसल, सत्यनारायण मोदी, शैलेश अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, उमेश मित्तल, विनय जैन, के.पी. अग्रवाल, श्रीमती गीता अग्रवाल, श्रीमती शैलू गुप्ता, श्रीमती आशा अग्रवाल, दिलीप पसारी, रितेश अग्रवाल, सूर्यकमल गुप्ता, रमेश, श्रीमती राधिका, नवल किशोर, संजय अग्रवाल, दिनेश के. गुप्ता, चंद्रकांत डकोटिया, राकेश जालान, अमित कुमार अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, अमित जिंदल, रोशनलाल मित्तल, और अन्य।

समाज की प्रतिबद्धता

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने इस बैठक के माध्यम से अपनी एकता और सामाजिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। सदस्यता वृद्धि, डिजिटल उपस्थिति, और समुदाय के कल्याण के लिए नई योजनाओं के साथ, समाज तेलंगाना में अपनी पहचान को और मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है।

पेरेंट्स डे पर प्रिया दत्त ने साझा की भावुक पोस्ट, कहा
माता-पिता ने दिया मकसद भरा जीवन

पेरेंट्स डे के मौके पर, संजय दत्त की बहन और पूर्व सांसद प्रिया दत्त ने सोशल मीडिया पर अपने माता-पिता और दिवंगत अभिनेता सुनील दत्त और नरगिस को याद किया। प्रिया दत्त ने इंस्टाग्राम पर अपने माता-पिता की ब्लैक-एंड-व्हाइट फोटो पोस्ट की। फोटो में सुनील दत्त और नरगिस साथ में कैमरे के लिए पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने भावुक संदेश में बताया कि उनके माता-पिता ने उन्हें सबसे बड़े तोहफे के रूप में एक ऐसा जीवन दिया, जो प्यार और मकसद से भरा है। प्रिया दत्त ने अपने कैप्शन में लिखा, ''बच्चे अपने माता-पिता की तरह होते हैं। मैंने अपने माता-पिता को हमेशा सही बातों के लिए खड़ा होते देखा। उन्होंने मुझे दिल से सेवा करना और बिना किसी तारीफ की उम्मीद के दूसरों की मदद करना सिखाया है। वे मेरी ताकत थे, मेरा सहारा थे, और इसी वजह से मुझे लोगों की अच्छाई पर भरोसा है। उनके कर्म और उनके मूल्य मेरे लिए रास्ता बन गए हैं।

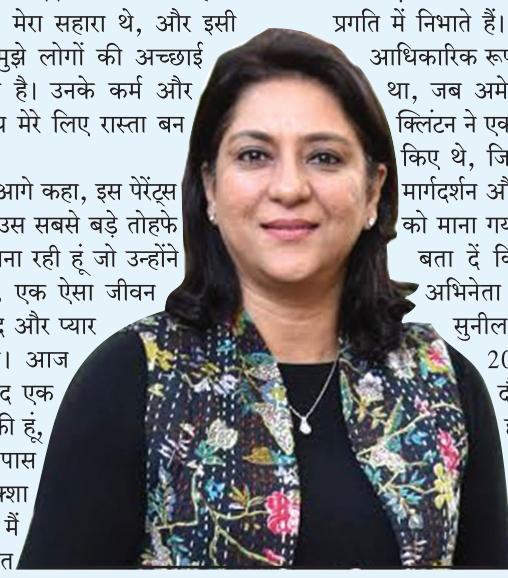

उन्होंने आगे कहा, इस पेरेंट्स डे पर, मैं उस सबसे बड़े तोहफे का जश्न मना रही हूं जो उन्होंने मुझे दिया, एक ऐसा जीवन जो मकसद और प्यार से भरा है। आज जब मैं खुद एक मां बन चुकी हूं, तो मेरे पास उनका नक्शा है, जिससे मैं ये विरासत अपने बच्चों तक पहुंचा सकूं। सभी माता-पिता को मेरी तरफ से पेरेंट्स डे की शुभकामनाएं। बता दें कि नेशनल पेरेंट्स डे हर साल जुलाई के चौथे रविवार को मनाया जाता है।

यह दिन माता-पिता की उस अहम भूमिका को सम्मानित करता है जो वे आने वाली पीढ़ियों को संवारने और समाज की प्रगति में निभाते हैं। यह दिन 1994 में आधिकारिक रूप से शुरू किया गया था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें माता-पिता के मार्गदर्शन और समर्थन की महत्ता को माना गया था।

बता दें कि मशहूर बॉलीवुड अभिनेता और राजनीतिज्ञ सुनील दत्त का 25 मई 2005 को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्होंने 75 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वहीं नरगिस का निधन 3 मई 1981 को कैंसर से हुआ था।

शादी से पहले के पल है, बोनी कपूर ने शेयर की श्रीदेवी की पुरानी फोटो

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी दिवंगत पत्नी श्रीदेवी की एक पुरानी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की और बताया कि यह शादी से पहले का पल है। बोनी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की है, जिसमें श्रीदेवी कुर्सी पर बैठकर कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। इस दौरान वह हल्की स्माइल भी कर रही हैं।इस फोटो के कैप्शन में बोनी कपूर ने लिखा, मुझे देखकर मुस्कुरा रही हैं, यह पल हमारी शादी से पहले का है।

बता दें कि बोनी कपूर और श्रीदेवी को 1987 में आई फिल्म मिस्टर इंडिया की शूटिंग के दौरान एक दूसरे से प्यार हुआ था। दोनों ने साल 1996 में शादी कर ली थी। उन्हें दो बेटियां हुईं- जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर।हालांकि, 2018 में दुबई में श्रीदेवी का अचानक निधन हो गया। उनका निधन बाथटब में डूबने की वजह से हुआ था।बोनी कपूर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रीदेवी को लेकर पोस्ट शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक किस्सा साझा करते हुए कुछ पुरानी तस्वीरें पोस्ट की थीं, जब राज कपूर ने श्रीदेवी को फिल्म 'मिस्टर इंडिया' की सिल्वर जुबली की ट्रॉफी दी थी।मजेदार किस्सा साझा करते हुए बोनी कपूर ने बताया कि राज कपूर श्रीदेवी को अपनी फिल्म घुंघट के पट खोल में लेना चाहते थे।

बोनी कपूर ने लिखा, राज कपूर श्रीदेवी को मिस्टर इंडिया की सिल्वर जुबली ट्रॉफी बड़े ही प्यार से दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने श्रीदेवी को अपनी फिल्म घुंघट के पट खोल की कहानी सुनाई, जिसमें वह उन्हें कास्ट करना चाहते थे। मुझे याद है, राज कपूर ने मुझसे पहले भी एक बातचीत में इसका जिक्र किया था। बोनी ने आगे मजाक में बताया कि राज कपूर के परिवार के लोग उन्हें सिंड्रेला बुलाते थे। बोनी कपूर ने आगे बताया कि राज कपूर काफी समय से श्रीदेवी से मिलने का इंतजार कर रहे थे, जब इवेंट में वह श्रीदेवी से मिले, तो उन्होंने अपनी पत्नी कृष्णा कपूर से कहा, इंतजार करना सही साबित हुआ।

दिशा पाटनी ने मॉन्स्टर की दुनिया में रहने के लिए खुद को सबसे भाग्यशाली बताया

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपने नन्हे मॉन्स्टर की तस्वीर साझा की और बताया कि वह अपनी प्यारी दुनिया में रहने के लिए सबसे भाग्यशाली हैं।

इंस्टाग्राम पर बागी-2 फेम अभिनेत्री ने जीवन के प्यारे साथियों की तस्वीरें पोस्ट की। तस्वीरों में कुत्ते, बिल्ली नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह इनकी दुनिया है, और मैं इसमें रहती हूं। मेरे प्यारे 6 मॉन्स्टर!! मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे पास आप हैं।

इस पोस्ट पर इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट किए। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। दिशा की सबसे अच्छी दोस्त और अभिनेत्री मौनी रॉय ने कमेंट में लिखा, ओह, मेरे बच्चे। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने मजेदार अंदाज में लिखा, मैं नहीं कर सकती।

दिशा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने फैंस को अपडेट देने के लिए अक्सर पोस्ट करती रहती हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने मंगलवार को जिम में डांस करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, काफी समय बाद खूबसूरत शख्स के साथ मस्ती कर रही हूं।

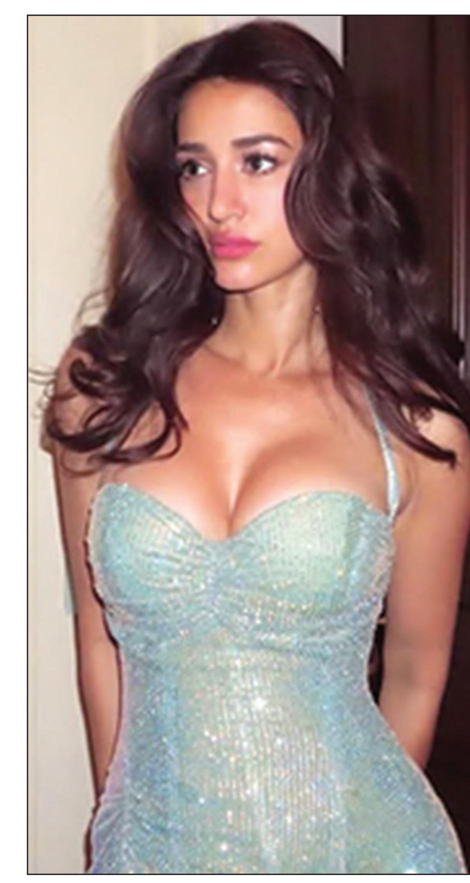

अभिनेत्री ने हाल ही में अपना 33वां जन्मदिन मनाया था। दिशा ने इंस्टाग्राम पर जन्मदिन सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर करके बताया था कि वह 'खुशकिस्मत और बहुत आभारी' महसूस कर रही हैं। पहली तस्वीर में वह केक के सामने बैठकर पोज देती नजर आईं। इसके बाद अभिनेत्री ने केक काटते हुए वीडियो भी पोस्ट किया था और कुछ सोलो तस्वीरें भी शेयर की थीं। वर्कफ्रंट की बात करें, तो दिशा पिछली बार फिल्म 'कांगुवा' में नजर आई थीं। फिल्म नवंबर 2024 में रिलीज हुई थी। अब वह शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज के अपकमिंग अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में नजर आएंगी।

टिस्का चोपड़ा ने रियल एस्टेट की जगह फैशन में निवेश की बताई वजह

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि उन्होंने रियल एस्टेट की बजाय फैशन में निवेश क्यों किया।अभिनेत्री ने हालिया पोस्ट के जरिए जूतों के प्रति अपने आकर्षण को दर्शाया है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपनी लगभग 50 जोड़ी हील्स से घिरी एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में जूतों का एक संग्रह दिखाई दे रहा है, जिसमें हील्स, सैंडल और अन्य स्टाइलिश जूते शामिल हैं।

उन्होंने तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, वो कहते हैं कि मैं जूतों की बजाय रियल एस्टेट में निवेश कर सकती थी... लेकिन, आप डुप्लेक्स में नहीं घूम सकते। अभिनेत्री को आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर के कलाकारों के साथ फिल्म देखने का मौका मिला। स्पोर्ट्स कॉमेडी देखने के बाद टिस्का ने इसे 'दिल से भरा' बताया। उन्होंने फिल्म के कास्ट और क्रू के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आमिर जैसा काम कोई नहीं करता।उन्होंने आमिर के अभिनय और फिल्म मेकिंग की तारीफ करते हुए कहा, यह फिल्म न्यूरो-डायवर्जेंस जैसे संवेदनशील विषय को बेहद खूबसूरती से पेश करती है। यह कोई दुख भरी कहानी नहीं, बल्कि सशक्त और प्रेरणादायक है।

अभिनेत्री ने आगे बताया, न्यूरो डायवर्जेंट किरदारों को सामान्य, खुशहाल और स्वाभाविक तरीके से दिखाया गया है, जो इसे खास बनाता है।

उन्होंने फिल्म की कास्ट की तारीफ करते हुए कहा, इनके आसपास रहकर मुझे खुशी महसूस होती है, काम देखकर काफी अच्छा लगा। उन्होंने शंकर-एहसान-लॉय के संगीत और अमिताभ भट्टाचार्य के गीतों की भी सराहना की।

मुग्धा गोडसे : मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट से फैशन का मॉडल अवतार, पर्सनल लाइफ के भी रहे चर्चे

बॉलीवुड की चमकती दुनिया में अपनी अदाकारी और बेबाक अंदाज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मुग्धा गोडसे हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। 'फैशन' और 'हीरोइन' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली मुग्धा, मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रहने के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। 14 साल बड़े अभिनेता राहुल देव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप हो या उनका बेबाक अंदाज, वह लाइमलाइट में छाई रहती हैं। बॉलीवुड की चमक-दमक और ग्लैमर की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे का 26 जुलाई को जन्मदिन है। अपने अभिनय, मॉडलिंग करियर और निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाली मुग्धा ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है। मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रह चुकीं मुग्धा की जिंदगी और करियर की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

26 जुलाई 1986 को पुणे में जन्मीं मुग्धा गोडसे ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग की दुनिया से की थी। साल 2002 में उन्होंने मिस ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल का खिताब अपने नाम किया, जिसने उनके लिए ग्लैमर की दुनिया के दरवाजे खोल दिए। इसके बाद साल 2004 में वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में सेमीफाइनलिस्ट रहीं। मॉडलिंग में सफलता के बाद मुग्धा ने बॉलीवुड का रुख किया और साल 2008 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'फैशन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ उनकी जोड़ी और उनके किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया। मुग्धा ने फिल्म में एक सशक्त मॉडल का किरदार निभाया, जिसे क्रिटिक्स और दर्शकों ने खूब सराहा। इसके बाद मुग्धा ने 'ऑल द बेस्ट', 'हीरोइन', 'बेजुबान इश्क' और जेल जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ा कमाल नहीं दिखा पाईं, लेकिन मुग्धा के अभिनय और स्क्रीन प्रजेंस को हमेशा सराहा गया।

मुग्धा गोडसे की प्रोफेशनल लाइफ जितनी चर्चा में रही, उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में रही है। वह लंबे समय से बॉलीवुड अभिनेता राहुल देव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में हैं। खास बात यह है कि राहुल, मुग्धा से उम्र में 14 साल बड़े हैं, लेकिन दोनों का रिश्ता इस उम्र के फासले को पूरी तरह से नजरअंदाज करता है। दोनों ने अपने रिश्ते को हमेशा खुलकर स्वीकार किया और एक-दूसरे के साथ अपनी बॉन्डिंग को लेकर कई मौकों पर बात की।

मुग्धा और राहुल की केमिस्ट्री न सिर्फ ऑफ-स्क्रीन, बल्कि ऑन-स्क्रीन भी देखने को मिली है। दोनों ने कई प्रोजेक्ट्स में साथ काम किया और उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। मुग्धा गोडसे न सिर्फ एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री और मॉडल हैं, बल्कि वह फिटनेस फ्रिक भी हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी वर्कआउट रूटीन और हेल्दी लाइफस्टाइल की झलकियां साझा करती हैं।

सोमवार को बुधादित्य योग में भोले बाबा की बरसेगी कृपा, कारोबार में उन्नति के खुलेंगे कई मार्ग

आज सोमवार, 28 जुलाई के दिन बुधादित्य योग का शुभ संयोग बन रहा है। इस दिन भगवान शिव मिथुन, कन्या, धनु और कुंभ राशि वालों पर मेहरबान होकर इन्हें पूरे दिन व्यापार में लाभ दिलाएंगे। कारोबार के मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और जीवन में उन्नति के नए मार्ग खुलेंगे। व्यापार में अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं हैं और कामकाज को लेकर की गई मेहनत और भागदौड़ भी लाभदायक सिद्ध होगी। आपको काम धंधे से जुड़ा कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिल सकता है और व्यापार में नए संपर्क बनाने से भी शुभ लाभ होगा।

मेष राशि : भाग्य का मिलेगा साथ

आपको धीरे-धीरे भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर व्यापार में आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उनसे भी छुटकारा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में काफी संघर्ष के बाद आपको हर परेशानी को दूर करने का समाधान मिल सकता है। व्यापार के मामले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभकारी सिद्ध होगी। आप कोई पार्ट टाइम काम करने का वक्त भी निकाल सकते हैं।

वृषभ राशि : लाभ के मिलेंगे कई अवसर

व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। वहीं, नौकरी करने वाले अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत में लगे रह सकते हैं। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की योजना बनाई जा सकती है। आप जरूरी चीजों की खरीदारी के लिए भा जा सकते हैं। शाम को घर में किसी मेहमान का आगमन भी हो सकता है।

मिथुन राशि : व्यापार में पाएंगे अप्रत्याशित उन्नति

आपके लिए यह दिन तेजी से आगे बढ़ने वाला होगा। व्यापार में अप्रत्याशित उन्नति प्राप्त हो सकती है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा। आपको खुद की नजर अपनी उपलब्धियों पर लगाने से बचाना होगा। साथ ही, कार्यक्षेत्र में प्रगति की स्थायी रखने के लिए भी आपको मेहनत करनी होगी। ऐसा न करने से आगे परेशानी हो सकती है। अपने काम पर ध्यान देने से लाभ मिलेगा।

कर्क राशि : मिलाजुला रहेगा दिन

दिन मिले जुले परिणाम देने वाला हो सकता है। व्यापार के मामले में कामकाज सामान्य गति से चलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको जरूरी कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, अन्यथा आगे परेशानी हो सकती है। परिवार में अपने भाई या बहन की किसी बात से आप ज्यादा तनाव ले सकते हैं। सभी के सहमति से कहीं स्थान परिवर्तन पर भी विचार कर सकते हैं।

सिंह राशि : काम को लेकर रहेगी चिंता

अगर कुछ दिनों से आपको व्यवसाय सही ढंग से नहीं चल रहा है, तो अपने कारोबार को लेकर आप थोड़े परेशान रह सकते हैं। कार्यस्थल पर अस्थिरता के चलते मानसिक तनाव बढ़ने की संभावना है। ऐसे में सोच-समझकर फैसले लें। नौकरी और व्यापार के मामले में स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।

कन्या राशि : काम धंधे में भागदौड़ रहेगी फलदायी

व्यापार के मामले में आपको कामकाज को लेकर ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। लेकिन इसके परिणाम आपको लाभ दिलाने वाले होंगे। कार्यक्षेत्र में आप हर काम उत्साहपूर्वक करेंगे। इससे तनाव भी थोड़ा कम होगा। व्यवसाय में कुछ समय बाद आपको अभी से भी अच्छा कोई लाभ या प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है।

तुला राशि : सोच-समझकर लें कोई भी निर्णय

कार्यक्षेत्र में आप किसी बात को लेकर बेवजह परेशान रह सकते हैं। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके विरोधियों की संख्या बढ़ सकती है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर करें और जल्दबाजी में कोई काम न करें। साहस और बुद्धिमानी दिखाकर आप विरोधियों को पराजित कर सकते हैं। व्यापार में सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

वृश्चिक राशि : मिलेगा कोई शुभ समाचार

व्यापार रे मामले में आपको अचानक कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। अगर व्यवसाय के क्षेत्र में कोई तनाव चल रहा है, तो उसे अपने ऊपर हावी न होने दें। इससे मानसिक अशांति बढ़ सकती है। व्यापार में किसी बार-बार बन और बिगड़ रहे कार्यों के बीच कोई नई योजना सफलता दिला सकती है। पुरानी समस्याओं से भी अब आपको छुटकारा मिलेगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ तालमेल बना रहेगा।

धनु राशि : नए संपर्क से मिलेगा लाभ

आपका दिन उत्तम रहने वाला है। व्यापार के मामले में किसी नए संपर्क से लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। पहले किसी काम की गई कड़ी मेहनत अब आपको अच्छे परिणाम दे सकती है। अगर आपकी पैसा कहीं फंसा हुआ है तो कुछ कठिनाई के बाद आपको वह प्राप्त हो जाएगा। जीवन में उन्नति मिलेगी जिससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।

मकर राशि : कारोबार से जुड़ा शुभ समाचार होगा प्राप्त

भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जो लोग क्रय-विक्रय का व्यवसाय करते हैं उन्हें लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, आपको दिनभर व्यापार से जुड़े कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं। लेकिन आपके अनावश्यक मामलों से दूर रहना होगा, अन्यथा मुश्किल खड़ी हो सकती है। आप किसी धार्मिक स्थान पर यात्रा करने की योजना भी बना सकते हैं।

कुंभ राशि : पूरे दिन मिलेंगे लाभ कमाने के मौके

कार्यस्थल पर उच्च पद वाले अधिकारियों के साथ निकटता होने से आपको लाभ उठाने के कई शुभ अवसर पूरे दिन प्राप्त होंगे। अगर आप नया काम शुरू करने का विचार कर रहे हैं, तो उसमें भी कदम आगे बढ़ा सकते हैं। व्यापार के मामले में यात्रा के योग बन रहे हैं। समय का सही उपयोग करने से आपको कई लाभ प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही, अध्यात्म और धर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी।

मीन राशि : उन्नति के खुलेंगे मार्ग

आपके लिए उन्नति के कई मार्ग खुल सकते हैं। लेकिन आपको इन अवसरों को पहचानना होगा। अगर कार्यक्षेत्र में कोई विवाद चल रहा था, तो वह अब समाप्त हो जाएगा। लेकिन आपको गुप्त विरोधियों से सावधान रहना होगा। किसी भी व्यक्ति को धन उधार देने से बचें, अन्यथा उसके वापस मिलने की बहुत कम संभावना है। अध्ययन व अध्यात्म में आप ज्यादा समय निकाल सकते हैं।

रुद्राभिषेक पूजा विधि और मंत्र, सावन में ऐसे करें भगवान शिव को प्रसन्न

देवों के देव महादेव भगवान शिव की उपासना करने से व्यक्ति के मन को शांति सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने से व्यक्ति जीवन में सफलता ओर बढ़ता है। मान्यता है कि भगवान राम ने भी भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया था। शिवपुराण के अनुसार जो भी भक्त भगवान शिव का पूरे विधि विधान से अभिषेक करता है। उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती है। अगर आपको कोई काम नहीं बन रहा है तो या आपकी कोई विशेष मनोकामना है तो भगवान शिव की पूरी श्रृद्धा के साथ रुद्राअभिषेक करने से आपको सफलता मिल सकती है। लेकिन, रुद्राभिषेक करने के लिए आपको सही विधि और सही मंत्र जप करना बेहद जरुरी है। आइए जानते हैं रुद्राभिषेक की संपूर्ण विधि और मंत्र।

रुद्राभिषेक पूजा विधि

यदि आप मंदिर में रुद्राभिषेक कर रहे हैं तो उस स्थान पर ही पूजा की तैयारी करें जहां शिवलिंग विराजमान है। जबकि घर में रुद्राभिषेक करने के लिए नियम थोड़े अलग हैं। जो लोग घर में रुद्राभिषेक कर रहे हैं तो शिवलिंग को उत्तर दिशा में स्थापित करें। साथ ही आपका मुख पूरब की तरफ मुख करके करें।

इसके बाद घर पर पूजा करने के लिए एक लकड़ी की चौकी पर शिवलिंग के साथ गणेशजी, अन्य देवता और नवग्रहों को चौकी पर स्थापिक करें।

रुद्राभिषेक करने से पहले सारी पूजन सामग्री पास में ही रख लें। बता दें कि रुद्राभिषेक वैसे तो आप खुद भी कर सकते हैं लेकिन, इसमें मंत्रों के सही उच्चारण का विशेष महत्व है। इसलिए किसी पंड़ित से रुद्राभिषेक कराना बेहतर रहेगा।

रुद्राभिषेक शुरु करने से पहले सबसे पहले भगवान गणेश का अभिषेक करें। सबसे पहले भगवान गणेश का तिलक करें और चावल, फूल, नैवेघ, दूर्वा आदि अर्पित करें।

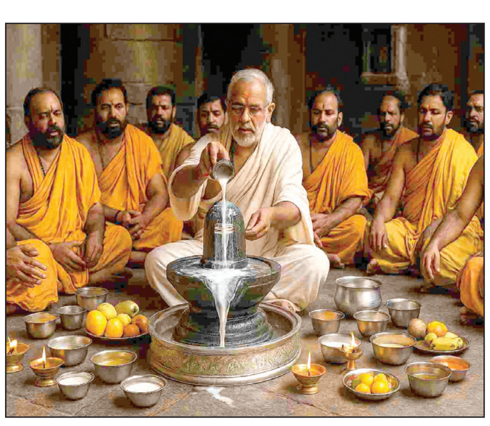

इसके बाद बाकी देवी देवताओं का आह्वान करें और नवग्रह पूजा करें।

इन सबसे के बाद भगवान शिव का ध्यान करते हुए उन्हें तिलक करें। फिर एक बेलपत्र लेकर उसपर ओम लिखें और भगवान शिव को अर्पित करें।

अब भगवान शिव का अभिषेक करने के लिए गंगाजल, दूध, गन्ने का रस, भांग आदि एक साथ जल में मिला लें।

इसके बाद भागवान शिव का रुद्राभिषेक आरंभ करें और सबसे पहले आचार्य रुद्री का पाठ करें। अब श्रृंगी में जल डालकर धीरे धीरे शिवलिंग का अभिषेक करें।

जल चढ़ाते समय रुद्रास्ट्रध्यायी का पाठ करें। अगर वह करने में परेशानी हो तो आप ओम नम: शिवाय बोलकर जप करें।

रुद्राभिषेक पूरा होने के बाद भगवान शिव की आरती करें और रुद्राभिषेक का जल लेकर पूरे घर में छिड़क दें। इसके बाद भगवान शिव को भोग लगाएं।

रुद्राभिषेक मंत्र का जप

ओम नम: शम्भवाय च मयोभवाय च नम: शंकराय च
मयस्कराय च नम: शिवाय च शिवतराय च।
ईशानः सर्वविद्यानामीश्व रः
सर्वभूतानां ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपति
ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदाशिवोय्।
तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।
अघोरेभ्योथघोरेभ्यो घोरघोरतरेभ्यः सर्वेभ्यः
सर्व सर्वेभ्यो नमस्ते अस्तु रुद्ररुपेभ्यः।
वामदेवाय नमो ज्येष्ठारय नमः श्रेष्ठारय नमो
रुद्राय नमः कालाय नमः
कलविकरणाय नमो बलविकरणाय नमः
बलाय नमो बलप्रमथनाथाय नमः
सर्वभूतदमनाय नमो मनोन्मनाय नमः।
सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय वै नमो नमः ।
भवे भवे नाति भवे भवस्व मां भवोद्भवाय नमः।
नम: सायं नम: प्रातर्नमो रात्र्या नमो दिवा ।
भवाय च शर्वाय चाभाभ्यामकरं नम:।
यस्य नि:श्र्वसितं वेदा यो वेदेभ्र्योखिलं जगत् ।
निर्ममे तमहं वन्दे विद्यातीर्थ महेश्वरम्।
त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिबर्धनम्
उर्वारूकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मा मृतात्।
सर्वो वै रुद्रास्तस्मै रुद्राय नमो अस्तु ।
पुरुषो वै रुद्र: सन्महो नमो नम:।
विश्वा भूतं भुवनं चित्रं बहुधा जातं जायामानं च यत् ।
सर्वो ह्येष रुद्रस्तस्मै रुद्राय नमो अस्तु ।

भगवान शिव का रुद्राभिषेक मंत्र का जप करते हुए इस मंत्र का जप करें।

सावन में हर दिन शिवजी को इन नामों से पुकारें और फिर देखें शिव सहस्त्रनाम का चमत्कार

एक बार शुद्ध अंतःकरण वाले मुनियों ने सूतजी से निवेदन किया, 'हे महाभाग! हमें यह बताइये कि भगवान शिव के वे सहस्र नाम कौन-कौन से हैं, जिनके स्मरण से परम कृपालु महेश्वर शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। कृपया उन नामों की महिमा तथा उनके पाठ से प्राप्त होने वाले फल का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।' सूतजी ने भगवान शंकर के चरणों का ध्यान करते हुए उत्तर दिया, 'हे मुनिगण! शिव के सहस्र नाम अत्यंत पुण्यदायक, दोषनाशक और कल्याणकारी हैं। इन नामों का नित्य स्मरण या पाठ करने से सांसारिक दुखों का अंत होता है, साथ ही आत्मा भी परम शांति का अनुभव करती है। जो व्यक्ति श्रद्धा और नियमपूर्वक प्रतिदिन इन नामों का पाठ करता है, वह स्वप्न में भी किसी प्रकार का दुःख नहीं भोगता।'

यह स्तोत्र विशेष रूप से उन लोगों के लिए कल्याणकारी है जो मानसिक अशांति, रोग, ऋण, शत्रु भय या राजकीय संकट से पीड़ित हैं। यदि कोई व्यक्ति विधिपूर्वक इसका सौ बार पाठ करता है, तो उसे जीवन में सुख, सुरक्षा और संतुलन अवश्य प्राप्त होता है। यह स्तोत्र विद्या, धन, आरोग्य, समृद्धि और सदैव शिवभक्ति प्रदान करने वाला है। जो साधक प्रतिदिन प्रातःकाल स्नान करके, शिव की पूजा के उपरांत इन सहस्र नामों का पाठ करता है, उसे सिद्धि और अभीष्ट की प्राप्ति सहज हो जाती है। यह स्तोत्र साधक को मोक्ष अर्थात् शिव में एकाकार होने का अवसर भी प्रदान करता है। सूतजी ने अंत में कहा, हे मुनीश्वरगण! यह स्तोत्र अत्यंत पवित्र है और पापों का नाश करने वाला है। जो व्यक्ति इसे भक्ति और निष्ठा से सुनता या पढ़ता है, वह इस जन्म में सुखी रहता है और मृत्यु के उपरांत दिव्य गति को प्राप्त करता है।

शिव सहस्त्रानामावली के कुछ नाम

शिव के सहस्र नामों में छिपी है वह अद्भुत ऊर्जा, जो जीवन के हर अंधेरे को उजाले में बदल सकती है। शिव, आशुतोष, हर, रुद्र, पुष्कर, सदाचार, शंभु, महेश्वर, कपाली, गणेश्वर, देवेदेव, त्रिलोचन, महादेव, वागीश, महायोगी, कालकाल, श्रीकण्ठ, नीलकण्ठ, सुरेश, पशुपति, दक्ष इत्यादि सहस्त्र नामों का वर्णन शिव पुराण में मिलता है। जब हम भगवान शिव के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना से शिव के प्रत्येक नाम का स्मरण करते हैं, तो वह केवल नाम रूपी शब्द नहीं रह जाते, वे चेतना के कंपन बनकर भीतर गहराई तक असर कर व्यक्ति के दुर्भाग्य को दूर करते हैं।

अगस्त में ग्रहों का बेहद शुभ योग, लक्ष्मी नारायण और गजलक्ष्मी राजयोग से मालामाल होंगी मिथुन सहित अन्य राशियां

अगस्त के महीने में ग्रहों का बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जिससे इस महीने एक नहीं बल्कि दो राजयोग प्रभाव में आएंगे। अगस्त के महीने की शुरुआत गजलक्ष्मी राजयोग के साथ होगा। दरअसल, महीने में आरंभ में ही गुरु और शुक्र की युति मिथुन राशि में होने से गजलक्ष्मी राजयोग बनेगा। वहीं, 11 अगस्त को बुध कर्क राशि में मार्गी होंगे। जबकि 16 अगस्त को सूर्य सिंह राशि में गोचर करेंगे। वहीं, 21 अगस्त को शुक्र का गोचर कर्क राशि में होगा जिससे लक्ष्मी नारायण राजयोग बनेगा। लेकिन, मिथुन राशि में शुक्र और गुरु की युति महीने के आरंभ से रहेगी और 20 अगस्त तक इस युति से गजलक्ष्मी राजयोग बनेगा। ग्रहों की इस शुभ स्थिति से सबसे ज्यादा लाभ मिथुन, कर्क, तुला सहित 5 राशियों को मिलेगा। इन राशियों को करियर में सफलता के साथ साथ आर्ज लाभ मिलेंगे और आर्ज शुभ परिणाम भी मिलेंगे। साथ ही धन संपत्ति का सुख भी मिलेगा।

मिथुन राशिफल – अगस्त के महीने में मिथुन राशि के लोगों को गजलक्ष्मी राजयोग का लाभ मिलेगा। इस महीने आपकी लव लाइफ पहले से काफी अच्छी रहेगी। आप इस महीने छोटी छोटी यात्राएं पर अपने पार्टनर के साथ जा सकते हैं। जिससे आपके रिश्ते में मजबूती आएगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए महीने बेहद शुभ रहने वाला है क्योंकि, आपको किसी बड़ी कंपनी से नया ऑफर मिल सकता है। लेकिन, इस ऑफर को हां करने से पहले अच्छे से चीजों को पढ़ने के बाद ही कोई फैसला लें।

कर्क राशिफल – शुक्र के कर्क राशि में गोचर करने के साथ ही कर्क राशि में लक्ष्मी नारायण राजयोग बनेगा। लक्ष्मी नारायण राजयोग से कर्क राशि के जातकों को धन संपत्ति का लाभ मिलने की संभावना

हैं। साथ ही इस दौरान आप पहले से खुद को आर्थिक रूप से सशक्त महसूस करेंगे। वहीं, बात करें आपकी पर्सनल लाइफ की तो इस समय आप अपने पार्टनर से पहले से कहीं ज्यादा अटैच होंगे। आप इस अवधि में अपने परिवार की भी आर्थिक मदद करेंगे जिससे आपके मन को शांति महसूस होगी।

तुला राशिफल – तुला राशि के लोगों के लिए भी अगस्त का महीने बेहद लाभकारी रहने वाला है। दरअसल, इस दौरान आपकी छवि परिवार और समाज दोनों ही जगह बेहद सशक्त होगी। आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा। साथ ही आपको पूर्व में किए गए काम के लिए सराहना मिलेगी। आप इस दौरान पहले से काफी ज्यादा क्रिएटिव होंगे। आपकी कमाई में भी वृद्धि होगी। हालांकि, इस दौरान आपको छोटी मोटी स्वास्थ्य संबंधी समस्या रह सकती है।

धनु राशिफल – धनु राशि के लोगों को गजलक्ष्मी राजयोग का लाभ मिलेगा। क्योंकि, गुरु और शुक्र की सप्तम दृष्टि धनु राशि पर पड़ेगी। जिससे धनु राशि के लोगों को धन संपत्ति का सुख तो मिलेगा ही साथ ही करियर में अब अधिकारी आपके काम से बहुत खुश होंगे और आपको नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती है। जिसका लाभ आपको ही मिलेगा। बस इस दौरान सब कामों के बीच अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें।

मकर राशिफल – मकर राशि के जातकों पर शुक्र की सप्तम दृष्टि होंगी जिससे कर्क राशि में बने लक्ष्मी नारायण राजयोग का लाभ आपको मिलेगा। लक्ष्मी नारायण राजयोग से आपको अपनी माता से संपत्ति सुख मिल सकता है। साथ ही पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के भी योग हैं। वहीं, इस दौरान अपनी माता के साथ संबंध बहुत मजबूत बनेंगे। प्राइवेट नौकरी करने वालों की इनकम में काफी वृद्धि हो सकती है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

सुरक्षा पहले

हाल के दिनों में हवाई उड़ान को लेकर तमाम ऐसी खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं कि जिससे आम लोगों के मन में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षा बोध पनपा है। यह स्वाभाविक है क्योंकि हवाई यात्रा के साथ तमाम तरह के जोखिम जुड़े हैं। गत बारह जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयावह विमान हादसे के बाद, जिसमें 260 लोग मारे गए थे, भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र गहन जांच के घेरे में है। यद्यपि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई तरह की व्याख्याएं और निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम धारणा यही है कि भारत की हवाई यात्रा व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में हुए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि भारत में कई एयरलाइनें यात्रियों की सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर ज़्यादा धन खर्च कर रही हैं। निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं। जिसका खमियाजा देश के हवाई यात्री भी भुगत रहे हैं। निस्संदेह विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बने भारत में नागरिक सेवाओं में यह गुणवत्तापूर्ण झलक नजर आनी चाहिए। यह गुणवत्ता विदेशी निवेशकों के लिए भी जरूरी है लेकिन फिलहाल हमारा नागरिक सेवाओं के प्रति अपेक्षित भरोसा नहीं बन पा रहा है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सहभागिता मंच, लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार उन्होंने कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ़, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थितियां शामिल थीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस चिंताजनक स्थिति का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें राज्यसभा को बताया गया कि पिछले छह महीनों में पांच 'पहचाने गए' सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एयर इंडिया को नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय दिन था जिस दिन संसद में विमानन सुरक्षा का ज्वलंत मुद्दा गूंजा - उसी दौरान एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से भटक गया, दूसरे ने आपातकालीन लैंडिंग की, एक विमान की बाहरी खिड़की का फ्रेम हवा में ही टूट गया, और एक उड़ान का टेकऑफ़ तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। सौभाग्य से, इन घटनाओं में किसी की जान या अंग की हानि नहीं हुई, लेकिन यात्रियों के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से ठेस पहुंची। अब समय आ गया है कि विभिन्न एयरलाइंस कंपनियां यह समझें कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि प्रचार अभियानों के ज़रिए ज़्यादा से ज़्यादा यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए आकर्षित करने की कवायद के बीच हवाई सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी बातों को नज़रअंदाज़ कर दिया गया, तो ये तमाम लुभावनी कोशिशें नाकाम हो सकती हैं। निस्संदेह यात्रियों को हर योजना में प्राथमिकता का स्थान मिलना चाहिए; उनकी सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। और जब भी कोई एयरलाइंस सुरक्षा प्रोटोकॉल में किसी तरह की कोताही बरते, विमानन नियामक को तुरंत सख्त कार्रवाई करनी ही चाहिए।

निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं।

उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्राओं का यौन उत्पीड़न एवं आत्महत्याएं

शिक्षा संस्थानों में संभावनाओं की मौत

प्रमोद भार्गव

गुरुओं की प्रताड़ना के चलते शिष्यों की आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहे हैं, किंतु अब अपनी पुत्री समान छात्राओं के साथ दुष्कर्म के मामले भी सिलसिलेवार सामने आ रहे हैं। ओड़ीसा के बालासोर में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्यवाही न होने से परेशान छात्रा ने आत्मदाह कर लिया। इसी तरह बैंग्लुरु में दो शिक्षक हवस पूर्ति के लिए हैवान बन गए। इन शिक्षकों ने छात्रा को नोट्स देने के लिए बुलाया और दुष्कर्म किया। कोलकाता के आईआईएम की एक मनोवैज्ञानिक महिला परामर्शदाता के साथ छात्रावास में कथित दुष्कर्म का मामला भी सामने आया है। उच्च शिक्षा परिसरों के ये मामले चिंता के साथ शर्मसार करने वाले हैं। इन संस्थानों में प्रताड़ना के चलते आत्महत्या के मामले भी नहीं थम रहे है।

इसे उच्च शिक्षा संस्थानों की विडंबना ही कहा जाएगा कि अब तक गुरुओं की प्रताड़ना के चलते शिष्यों की आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहे हैं, किंतु अब अपनी पुत्री समान छात्राओं के साथ दुष्कर्म के मामले भी सिलसिलेवार सामने आ रहे हैं। ओड़ीसा के बालासोर में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्यवाही न होने से परेशान छात्रा ने आत्मदाह कर लिया। इसी तरह बैंग्लुरु में दो शिक्षक हवस पूर्ति के लिए हैवान बन गए। इन शिक्षकों ने छात्रा को नोट्स देने के लिए बुलाया और दुष्कर्म किया। कोलकाता के आईआईएम की एक मनोवैज्ञानिक महिला परामर्शदाता के साथ छात्रावास में कथित दुष्कर्म का मामला भी सामने आया है। उच्च शिक्षा परिसरों के ये मामले चिंता के साथ शर्मसार करने वाले हैं। इन संस्थानों में प्रताड़ना के चलते आत्महत्या के मामले भी नहीं थम रहे है। नोएडा के शारदा विश्वविद्यालय में दंत चिकित्सा की छात्रा ने छात्रावास के अपने कक्ष में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। छात्रा द्वारा आत्महत्या से पहले लिखे पत्र में विवि के डीन एम सिद्धार्थ, प्राध्यापक सैरी मैडम, महेंद्र, अनुराग अवस्थी, आशीष कुमार एवं सुरभि को प्रताड़ना का दोषी ठहराया है। पुलिस ने महेंद्र एवं सैरी को गिरफ्तार कर लिया है। विवि प्रशासन ने इन दोनों के अलावा अन्य तीन प्राध्यापकों को निलंबित कर दिया है। यह अत्यंत बैचेन करने वाला विषय है कि उच्च शिक्षा के लिए हम विदेशी विवि भारत में खोलने के फैसले ले रहे हैं, दूसरी ओर हम अपनी शिक्षा संबंधी नीतियों में पश्चिम का जरूरत से ज्यादा अनुकरण कर रहे हैं। जबकि हमें अपने ही संस्थानों में बुनियादी सुधार की जरूरत है। यदि हम विदेशी शिक्षा को प्रोत्साहित करेंगे तो छात्र एवं अभिभावक देसी संस्थानों को दोयम दर्जे का मानने लग जाएंगे। वैसे भी विदेशों में पढ़ाई के चलते प्रतिभाओं के पलायन का संकट खड़ा हो रहा है। शिक्षकों द्वारा दुष्कर्म और प्रताड़ना के बढ़ते मामलों से तय होता है कि एक तो हमारे शिक्षक वैभव और भोग की हसरतें पालने लगे हैं, दूसरे वे छात्रों में उम्मीदों की उड़ान पैदा करने की बजाय निराशा, कुंठा और अवसाद पैदा कर रहे हैं। लगता है शिक्षकों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी कोई उत्साहजनक असर नहीं पड़ा है। अन्यथा इस तरह की शर्मसार कर देने वाली घटनाएं घटती ही नहीं। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी की संज्ञा दी गई है। ज्ञान परंपरा और मातृभाषाओं में शिक्षा दिए जाने की बात भी खूब जोर-शोर से उठी है। शिक्षा की पूंजी से गरीब और वंचित के लिए उच्च पद, बड़ा उद्योगपति और विश्वस्तरीय तकनीकिशियन (टेक्नोक्रेट) बनने के रास्ते भी खुले हैं। बावजूद शिक्षा संस्थाओं से दुश्कर्म, पलायन और आत्महत्या के मामले सामने आ रहे हैं तो यह चिंतनीय पहलू है। क्योंकि शिक्षा के जरिए विद्यार्थी और उसके अभिभावक जिस उपलब्धि के शिखर पर पहुंचने की परिकल्पना कर रहे होते हैं, यदि इसी बीच संभावना की मौत हो जाए, तो यह शिक्षा का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है। ज्ञान की महिमा ने इस भ्रम को तोड़ने का काम किया है कि शिक्षा पर जाति, नस्ल या रक्त विशेष समुदायों का ही अधिकार है। राजतंत्र में यह धारणा सदियों तक फलीभूत होती रही है कि भारत समेत दुनिया का कुलीन वर्ग नियति की देन है। जबकि वाकई यह पक्षपाती व्यवस्था की उपज रही है। ज्ञान के तंत्र ने इस भ्रामक स्थिति को तोड़ने का काम किया है। हालांकि भारतीय मनीषियों ने ज्ञान की इस शक्ति को हजारों साल पहले जान लिया था, इसीलिए कहा भी गया कि राजा की पूजा अपने राज्य में होती है, जबकि विद्वान सब जगह पूजा जाता है। ज्ञानार्जित विद्वता की ही देन है कि आज दुनिया शिक्षा और अनुसंधान से आविष्कृत ऐसा तकनीकि संसार रच रही है, जिसमें सुविधाएं मुट्ठी में हैं और लक्ष्य अंतरिक्ष में मनुष्य को बसाने की संभावनाएं तलाश रहा है। संभावनाओं के इस द्वार पर शिक्षा परिसरों में छात्र निराशा के भंवर में मौत का लक्ष्य तय कर रहे हैं, तो यह समूची शिक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है ? देश के युवाओं की ये मौतें, संभावनाओं की मौतें हैं। ऐसे में यदि छात्र एवं छात्राओं की मौतों का यही सिलसिला बना रहता है तो देश के बेहतर भविष्य की संभावना क्षीण हो जाएगी ? ये मौतें अध्ययन-अध्यापन से उपजी परेशानियों के चलते सामने आ रही हैं। बावजूद देखने में आ रहा है कि राजनीतिक दलों के रहनुमा मौतों को केवल राजनीतिक चश्मे से देख रहे है, लिहाजा समस्या के सामाधान की दिशा में ठोस पहल होती नहीं दिख रही है। यदि आने वाले समय में छात्र आत्महत्याओं को शिक्षा की व्यापक समझ के परिदृश्य में नहीं देखा गया तो इन मौतों पर विराम लग जाएगा यह कहना मुश्किल है ? देश में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च व तकनीकी शिक्षा तक शिक्षण पद्धति को लेकर अजीब भ्रम, विरोधाभास व दुविधा की स्थिति बनी हुई है। नतीजतन इनसे उबरने के अब तक जितने भी उपाय सोचे गए, वे शिक्षा के निजीकरण, अंग्रेजीकरण और विदेशीकरण पर जाकर सिमटते रहे हैं।यही वजह रही कि देश में शिक्षा में आवश्यक बदलाव लाने की दृ्शिट से आयोग तो बिठाए गए, उनकी रपटें भी आईं,लेकिन उन पर अमल नहीं हुआ। लिहाजा शिक्षा प्रणाली में आदर्श व समावेशी शिक्षा के बुनियादी तत्व में शामिल करने की बजाय, शिक्षा में निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो केवल और केवल अंग्रेजीकरण की पर्याय बनती जा रही है। नतीजतन शिक्षा सफलता के ऐसे मंत्र में बदल गई है, जिसका एकमात्र उद्देश्य पैसा कमाना रह गया है। दुश्चक्र में फंसी इस शिक्षा की यही बानगियां इन घटनाओं में देखने में आ रही हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों में निरतंत छात्रों द्वारा की जा रही खुदकुशियों की पड़ताल करने से पता चलता है कि छात्रों को अभिभावक अपनी इच्छा के अनुसार महान बनाने की होड़ में लगे हैं। केरल के रहने वाले छात्र अनिल कुमार ने आत्महत्या पूर्व लिखे पत्र में लिखा था, 'सॉरी मम्मी-पापा, आपने मुझे जीवन दिया, लेकिन मैनें इसकी कद्र नहीं की।' यह पीड़ादायी कथन उस किशोर का था, जो आईआईटी की तैयारी में जुटा था। ये संस्थान प्रतिभाओं को निखारने का दावा अपने विज्ञापनों में खूब करते हैं। लेकिन युवाओं को महान और बड़ा बनाने का सपना दिखाने का इस उद्योग का दावा कितना खोखला है, यह पता यहां बढ़ती जा रही आत्महत्याओं से चलता है। शिक्षा के इस कोचिंग उद्योग का गोरखधंधा देशव्यापी है। इसकी जकड़न में अब अन्य प्रदेशों के बड़े नगर भी आते जा रहे हैं।

कुछ अलग

गाँव का अस्तित्व और पलायन

विकास का अर्थ आर्थिक उन्नति से ही लगाया जाता है . हमारे गाँवो का ऐसा विकास होना चाहिये कि आर्थिक उन्नति तो हो किन्तु हमारे ग्रामवासियों के ये जो नैतिक और चारित्रिक गुण हैं , वे बने रहें . गांवो के आर्थिक विकास के लिये कृषि तथा मानवीय श्रम दो प्रमुख साधन प्रचुरता में हैं . इन्हीं दोनो से उत्पादन में वृद्धि व विकास संभव है . उत्पादकता बढ़ाने के लिये बौद्धिक आधार आवश्यक है जो अच्छी शिक्षा से ही संभव है आज वांछित सुविधाओं के अभाव में गांव व्यापक रूप से पलायन का दर्द झेल रहे हैं। किसान बड़े बड़े खेत बेचकर शहर में फ्लैट में रह रहे हैं। नई पीढ़ी खुद के खेत में मेहनत कर अनिश्चित आमदनी की अपेक्षा , शहर में किसी की नौकरी करके बंधी हुई तनख्वाह में गुजारा करना चाह रही है। छठ पूजा , ग्रीष्म अवकाश , दीपावली या अन्य त्यौहारों पर महानगरों से गांवों की ओर भागती भीड़ बताती है कि अभी भी लोगों की जड़े गांवों में ही हैं और यदि गांवों का समुचित विकास नीतिगत रूप से किया जाए तो वर्तमान पलायन रुक सकता है। पुस्तकीय ज्ञान व तकनीक , शिक्षा के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं . ग्राम विकास के लिये तकनीकी शिक्षा के साथ साथ चरित्रवान व्यक्ति बनाने वाली शिक्षा दी जानी चाहिये . वर्तमान स्वरूप में शिक्षित व्यक्ति में शारीरिक श्रम से बचने की प्रवृत्ति भी स्वतः विकसित हो जाती है । यही कारण है कि किंचित भी शिक्षित युवा शहरो की ओर पलायन कर रहा है।

देश दुनिया से

धनखड़ का इस्तीफा, संसद में गतिरोध, विपक्ष राष्ट्रधर्म को समझे

ऑपरेशन सिदूर जैसे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सरकार को समर्थन देना विपक्ष का राष्ट्र धर्म है और किसी भी तरह के बिगड़े बोल राष्ट्र का अहित कर सकते हैं। धनखड़ का इस्तीफा, संसद में गतिरोध, विपक्ष राष्ट्र धर्म को समझे संसद के मानसून सत्र के पहले दिन ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीपे ने सबको चौंका दिया। वह बीते वुछ समय से बीमार चल रहे थे और हाल में ही ह्रदय संबंधी समस्याओं का इलाज करवाया था। धनखड़ ने सोमवार रात को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेजा जिसमें उन्होंने कहा कि वह ''स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने'' के लिए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। धनखड़ ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा, ''स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए मैं संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के अनुसारतत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे रहा हूं।'' धनखड़ ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पदभार संभाला था और उनका कार्यकाल 2027 तक था। विपक्ष धनखड़ का इस्तीपे में वुछ और सुराग तलाश रहा है और सरकार से स्पष्टीकरण देने की भी मांग की गईं है। दूसरी ओर धनखड़ के इस्तीपे सारांश से कोईं और अर्थ नहीं निकल रहा है। सब हैरान हैं, अब उनका इस्तीफा स्वीकार हो गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की है। लेकिन राजनीति में यह प्रसंग चर्चा का विषय बना रहेगा और वुछ दिन बाद चर्चा करने वाले ही सब भुला देंगे। सत्र के पहले दिन राज्यसभा और लोकसभा में पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिदूर पर हंगामा हुआ। विपक्ष ने इन मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी की। अब इसी सत्र में ऑपरेशन सिदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार हो गईं है। अगले हफ्ते इस मुद्दे पर लोकसभा में 16 और राज्यसभा में 9 घंटे चर्चा होगी। विपक्ष का कहना है कि चर्चा सत्र के शुरुआत में होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जवाब दें। उल्लेखनीय है कि स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ऑपरेशन सिदूर से जुड़ी विपक्ष की हर शंका का समाधान करने के लिए अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के युद्ध विराम के दावे सहित तमाम आरोपों को खारिज कर चुके हैं। डोनाल्ड ट्रम्प दुनिया भर तमाम घटनाओं पर अपनी राय देने से गुरेज नहीं करते, भले ही वे विवादास्पद क्यों न हो। विपक्ष इन तथ्यों से भलीभांति परिचित है फिर भी वह प्रधानमंत्री मोदी से येन-केन प्रकारेण स्पष्टीकरण मांगता रहता है। इस बार भी वह इस परिपाटी को अस्त्र के रूप में इस्तेमाल कर रहा है भले ही संसद का कीमती समय बेकार क्यों न हो जाए। लोकसभा और राज्यसभा में पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिदूर पर हंगामा जारी है। विपक्ष ने इन मुद्दों पर चर्चा की मांग की जिसपर संसदीय कार्यं मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि यहां सभी विपक्षी नेता मौजूद हैंकार्यं मंत्रणा समिति में किसी भी विषय पर चर्चा का निर्णय अभी फाइनल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यं मंत्रणा समिति की बैठक में ये चर्चा हुईं थी कि सबसे पहले ऑपरेशन सिदूर पर चर्चा होगी और उसका समय तय किया गया है। चर्चा किस नियम के तहत होगी, अभी यह तय किया जाना है। अब एक साथ सभी मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, तो यह वैसे संभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य चर्चा मांग रहे हैं, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। फिर ये सदन चलने नहीं देते हैं। ये दोहरा मापदंड बात है। चर्चा चाहते हैं, तो ये हंगामा मत करें। दूसरी ओर प्रतिपक्ष के नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सदन से बाहर आकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें सदन में बोलने नहीं देती। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री और सरकार के अन्य लोगों को बोलने दिया जाता है लेकिन विपक्ष के नेता को बोलने का मौका नहीं मिलता। उनका यह आरोप तर्व संगत नहीं दिखाईं देता है, एक तरफ सदन में विपक्ष के सांसद ही हंगामा कर रहे हैं, सदन में कामकाज के लायक व्यवस्था ही नहीं है तो क्या कोईं एक दूसरे को बोलने देगा। राजनाथ सिह की आवाज जैसे विपक्ष के शोरगुल में दब गयी तो क्या राहुल गांधी जब बोलेंगे तो सत्ता पक्ष शांति से उन्हें सुन लेगा। वह नेता प्रतिपक्ष हैं तो क्या सदन को सुचारू रूप से चलाने में उनकी कोईं भूमिका नहीं है। वैसे भी अब यह नईं बात नही है और संसद के हर सत्र के शुरू होने पर इस रस्म की अदायगी विपक्ष करता है, भले ही वह भी पहले कभी सत्ता में क्यों न रहा हो। दरअसल संसद लोकतंत्र का मंदिर है और सत्तापक्ष को उसके पुजारी की भूमिका अदा करनी पड़ती है और विपक्ष के लिये भी यह आस्था का वेंद्र है जहां वह अपनी अभिव्यक्ति से लोकतंत्र के पहरूआ की भूमिका में दिखना चाहता है। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनो का इरादा साफ है और अपने ढंग से वह जनता का दिल जीतना चाहते हैं। फिर भी संसद के दोनो सदनों, लोकसभा और राज्यसभा का हर नया सत्र विपक्ष के विरोध के कारण वुछ दिन गतिरोध के भेंट चढ़ जाता है। कईं बार तो ऐसा भी हुआ कि संसद का पूरा सत्र ही गतिरोध के भेंट चढ़ जाता है। सत्ता को लेकर वर्चस्व की लड़ाईं में राजनीतिक दल एक दूसरे को नही बल्कि जनता को ध्यान में रखकर अपने राजनीतिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिये नित नये-नये प्रयोग करते हैं और संसद में शोर शराबा, नोकझोंक होना ऐसे ही प्रयोगों की उत्पत्ति है। लोकतंत्र में सरकार विपक्ष के निशाने पर रहती है और संसद ऐसा मंच है जहां हर कोईं जन प्रतिनिधि के नाते अपनी राय रख सकता है, जनहित की मांग कर सकता है। लेकिन ऑपरेशन सिदूर जैसे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सरकार को समर्थन देना विपक्ष का राष्ट्र धर्म है और किसी भी तरह के बिगड़े बोल राष्ट्र का अहित कर सकते हैं।

आप का नजरिया

सारी हदें पार करता प्रवर्तन निदेशालय

प्रवर्तन निदेशालय ईंडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की कार्यंप्रणाली को लेकर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग, बिना पारदर्शिता अपनाए और राजनीतिक दुरुपयोग जैसे सवालों पर बार-बार सवाल आते रहे हैं और कईं बार न्यायालय इसको चेतावनी भी दे चुका है। पर यह मानने को तैयार नहीं और बिना सोचे-समझे सही जांच करें, कहीं भी पहुंचे जाते हैं। ईंडी पर विपक्षी दलों पर नाजायज दबाव डालकर यहां तक आरोप लगे हैं कि वह चुनी हुईं सरकारों को भी गिराने में मदद करते हैं और एक बात ईंडी का अदालत में केसों में आरोप साबित करने का ट्रैक रिकार्ड निहायत खराब है। दर्ज मामलों में दोष सिद्धी की दर कम होने पर भी सवाल उठता है। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब वुछ मामलों में न्यायालय की ओर से भी जांच एजेंसी की कार्यंप्रणाली को संदेह से देखा जाता है। ताजा उदाहरण वकीलों को तलब करने का मामला है। उच्चतम न्यायालय ने जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को ईंडी द्वारा तलब करने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि ईंडी सारी हदें पार कर रहा है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवईं और न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन की पीठ विधिक पेशे की स्वतंत्रता पर इस तरह की कार्रवाईंयों के प्रभावों पर ध्यान देने के लिए अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू की गईं एक सुनवाईं के दौरान की। गौरतलब है कि मद्रास हाईंकोर्ट ने एक मामले की सुनवाईं के दौरान यह सख्त टिप्पणी की कि ईंडी कोईं ड्रोन नहीं जो आपराधिक गतिविधि का पता चलते ही हमला कर दे। साथ ही कहा कि जांच एजेंसी एक अत्याधिक दक्ष पुलिस अधिकारी (सुपर काप या सुपर मेन) की तरह नहीं है जो उनके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। हर जांच एजेंसी में बेशक वुछ न वुछ खामियां होती हैं, लेकिन जब सिलसिलेवार तरीके से सवाल उठने लगे तो यह दामन पर दाग लगने जैसा होता है। ईंडी की शक्तियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि अगर जांच एजेंसी के पास मौलिक अधिकार है तो उसे लोगों के अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व न करने वाले वकीलों को ईंडी द्वारा तलब किए जाने पर जुड़े एक मामले में सोमवार को शीर्ष अदालत ने कहा कि ईंडी सारी हदें पार कर रही है। इसके अलावा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी से संबंधित भूखंड आवंटन ममाले में अदालत ने चेताया है कि राजनीतिक लड़ाईं मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए, इसमें ईंडी जैसी जांच एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जाहिर है लगातार उठने वाले सवालों के बीच ईंडी की अपनी कार्यंप्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता के मानक सुनिश्चित कर राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए ताकि उसकी साख पर कोईं बट्टा न लगे। पीठ ने ईंडी की भूमिका को खारिज कर दिया और कर्नाटक हाईं कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। याचिका में ईंडी ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें हाईं कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती के खिलाफ एमयूडीए घोटाले में कार्रवाईं करने पर रोक लगा दी थी। ईंडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू अदालत में पेश हुए। प्रधान न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाईं करते हुए कहा कि वृपया हमें अपना मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें। दुर्भाग्य से मुझे महाराष्ट्र में इसे लेकर वुछ अनुभव है। इसे पूरे देश में मत पैलाइए। राजनीतिक लड़ाईं को मतदाताओं के सामने लड़ने देना चाहिए, उसमें आप क्यों इस्तेमाल हो रहे हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणियां साफ रेखांकित करती हैं कि किस तरह सत्तारूढ़ दल इन जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं और सियासी खेल खेलते हैं। इन जांच एजेसिंयों को चाहिए कि यह हर आदेश को आंख बंद करके अमल न करें बल्कि थोड़ी जांच पहले करें कि आरोपों में कोईं दम है भी या नहीं ? या यह सिर्प सियासी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ षड्यंत्र का हिस्सा है? उम्मीद की जाती है कि ईंडी समेत तमाम जांच एजेंसियों के लिए सुप्रीम कोर्ट का यह पैसला उनके विवेक को सोचने पर मजबूर करेगा।

ईंडी पर विपक्षी दलों पर नाजायज दबाव डालकर यहां तक आरोप लगे हैं कि वह चुनी हुईं सरकारों को भी गिराने में मदद करते हैं और एक बात ईंडी का अदालत में केसों में आरोप साबित करने का ट्रैक रिकार्ड निहायत खराब है। दर्ज मामलों में दोष सिद्धी की दर कम होने पर भी सवाल उठता है। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब वुछ मामलों में न्यायालय की ओर से भी जांच एजेंसी की कार्यंप्रणाली को संदेह से देखा जाता है। ताजा उदाहरण वकीलों को तलब करने का मामला है।

दृष्टि कोण

नकली वोटर से लोकतंत्र कैसे रहेगा असली?

लोकतांत्रिक देश में चुनाव की पवित्रता उस बुनियादी भरोसे पर टिकी होती है जहां केवल वैध नागरिक वोट डालते हैं लेकिन जब इस भरोसे की नींव मतदाता सूची ही अविश्वसनीय हो जाए तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा सवालों के घेरे में आ जाता है। बिहार को लेकर हाल ही में सामने आई एक जनसांख्यिकीय रिपोर्ट ने इसी आशंका को चेताया है। रिपोर्ट में यह संकेत मिला है कि राज्य की मतदाता सूची में लाखों ऐसे नाम दर्ज हैं जिनका कोई जनसांख्यिकीय आधार नहीं है। ये न केवल प्रशासनिक उदासीनता का मामला है, बल्कि संभावित रूप से लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर संकट की चेतावनी भी है। डॉ. विद्यु शेखर और डॉ. मिलन कुमार द्वारा तैयार की गई 'जनसांख्यिकीय पुनर्निर्माण और मतदाता सूची में फुलावः बिहार में वैध मतदाता आधार का अनुमान' रिपोर्ट, विभिन्न सरकारी स्रोतों जिसमें 2011 की जनगणना, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े, सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण और प्रवासन के आधिकारिक आंकड़ों को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में इन आंकड़ों के आधार पर बिहार में संभावित वैध मतदाताओं की संख्या का अनुमान लगाया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, 2024 के चुनावों के लिए बिहार में कुल 7.89 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं लेकिन जनगणना और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित इस शोध का अनुमान है कि वैध मतदाताओं की संख्या केवल 7.12 करोड़ होनी चाहिए। इसका सीधा अर्थ है कि 77 लाख नाम ऐसे हैं जिन्हें साफ-सुथरी और अद्यतन मतदाता सूची में जगह नहीं मिलनी चाहिए थी। यह फासला न तो सामान्य माना जा सकता है और न ही इसे मात्र तकनीकी चूक करार दिया जा सकता है। 77 लाख का यह अंतर राज्य की कुल

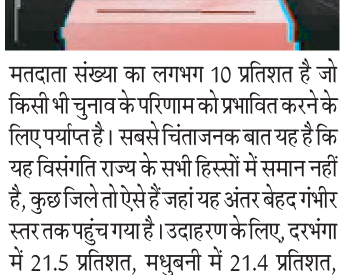

मतदाता संख्या का लगभग 10 प्रतिशत है जो किसी भी चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह विसंगति राज्य के सभी हिस्सों में समान नहीं है, कुछ जिले तो ऐसे हैं जहां यह अंतर बेहद गंभीर स्तर तक पहुंच गया है। उदाहरण के लिए, दरभंगा में 21.5 प्रतिशत, मधुबनी में 21.4 प्रतिशत, मुज़फ्फरपुर में 11.9 प्रतिशत और राजधानी पटना में 11.2 प्रतिशत अतिरिक्त मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। मात्र तीन जिलों मधुबनी, दरभंगा और मुज़फ्फरपुर में ही लगभग 15 लाख ऐसे मतदाताओं के नाम दर्ज हैं जिन्हें जनसांख्यिकीय तौर पर मौजूद नहीं होना चाहिए। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि और मतदाता वृद्धि के आंकड़े एक-दूसरे से बिलकुल मेल नहीं खाते। उदाहरण के तौर पर शेखपुरा जिले की जनसंख्या 2011 से 2024 के बीच 2.22 प्रतिशत घटी है लेकिन मतदाताओं की संख्या 11.7 प्रतिशत बढ़ गई। इसी तरह सीतामढ़ी की जनसंख्या में 11.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि मतदाताओं की संख्या 29.3 प्रतिशत बढ़ गई। ऐसी विसंगतियाँ किसी स्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का परिणाम नहीं हो सकतीं। ये आंकड़े या तो प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करते हैं या जानबूझकर किए गए हेरफेर की ओर। दरअसल बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया काफी कमजोर और ढीली है। यह काम ज़्यादातर लोगों द्वारा खुद फॉर्म भरने और फील्ड वेरिफिकेशन पर निर्भर करता है जो अक्सर अधूरा या अनियमित होता है। कई बार इस तरह की खबरें आती हैं कि कई शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में घर-घर जाकर या तो अधूरी जांच होती है या होती ही नहीं है। इसके अलावा मतदाता सूची को मृत्यु पंजीकरण या प्रवासन से जुड़े सरकारी आंकड़ों से जोड़ने की कोई तात्कालिक व्यवस्था नहीं है। नतीजतन जो लोग गुजर चुके हैं या राज्य से बाहर चले गए हैं, उनके नाम भी वर्षों तक सूची में बने रहते हैं। मतदाता सूची की इन विसंगतियों का कुछ दलों को सीधा फायदा होता है। बिहार की राजनीति लंबे समय से पहचान आधारित और जातीय वोट बैंक पर टिकी रही है। ऐसे में जब मतदाता सूची में संदिग्ध या फर्जी नाम बने रहते हैं तो ये पार्टियाँ इसे अपने लिए 'बैकडोर वोटिंग' और चुनावी धांधली का जरिया बना लेती हैं। जब कभी सूची की सफाई की माँग उठती है, तो इसे "अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने" जैसा भावनात्मक मुद्दा बनाकर दबा दिया जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज कुछ अप्रिय घटना घट सकती हैं जो आप को चिंतित कर देगी । अतः आपको सावधान रहना होगा। बुजुर्गों की सेवा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कोई भी काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा। कारोबार ठीक चलेगा। नई जानकारी मिले–गी। विद्यार्थियों की समस्या दूर होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार के कारण भागमदौड रहेगी । आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखें । जीवनसाथी की आवश्यकताओं का ध्यान रखें। वाणी पर नियंत्रण रखना का प्रयास करें। किसी मित्र से मुलाकात होगी। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा तनाव लेने से बचें। कुसंगति से हानि हो सकती है । युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। किसी कारणवश यात्रा का योग बनेगा यात्रा पर जाने से पहले दही का सेवन करके ही निकलें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जिससे आप की कोई पहचान नही हैं आप को चिंता घेर सकती हैं । अनजान लोगों की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर में किसी से बह हो सकती है। बीमारी से परेशान होना पड़ सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी परेशानी के चलते परिजनों को दिक्कत हो सकती है। आज ज्यादा खर्च हो सकता है। खानपान पर नियंत्रण रखें।आज आप किसी कार्य में निवेश कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन कुछ मुश्किलों वाला होगा उलझन आप को परेशान करेगी । सगे संबधियों से विवाद हो सकता है। आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आपको किस्मत का साथ नहीं मिलेगा। घर परिवार में किसी सेहत संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। आपका व्यवसाय ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लेनदेन करते समय सावधान रहें। आपको पदोन्नति मिल सकती है।
बच्चे परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाए आप का दिन मनोरंजन मे बितेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप नयी योजनाओं की रुप रेखा तैयार करें सभी योजनाएं लाभ देंगी और दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपके व्यवहार की सराहना होगी। सकारात्मक रहेंगे। मतभेद हो सकते हैं। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन उलझन वाला साबित हो सकता है। युवाओं को सफलता मिलेगी। शासकीय मामले आगे बढ़ेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात होने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए जो वास्तव मे जरूरतमंद हो आप का मन प्रफुल्लित रहेगा की । सेहत ठीक रहेगी। प्रभु की आराधना में मन लगेगा। अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। आज किसी पर संदेह कर सकते है। जोखिम लेने से बचें। रिश्तेदारों से अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज सोच समझकर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय बिताएं। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। आलस्य को जीवन से दुर ही रखें धन आने के रास्ते खुलेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज किसी भी धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे उपयोग करें किसी मित्र से मुलाकात होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप अपनी संगति को सही रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप की वजह से कुछ लोगों के काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। किसी से मुलाकात हो सकती है। बच्चों पर क्रोध करने से आप को बचना चाहिए बच्चों की प्रसन्नता आप का भाग्य बना देगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज धोखाधड़ी होने की आशंका हैं सावधानी बरते। आपको भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। अनजान लोगों की वजह से नुकसान होने की आशंका है। कामकाजी लोगों का तबादला हो सकता है। नई योजना शुरू न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। कार्य क्षेत्र मे भी किसी तरह से नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद उभर सकता है। ऐसे कोई भी काम नही है जो आप अपनी महनत के दम पर पूरा नही कर सकते हैं कर्म ही भाग्य बनाता हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप रोज सुबह ब्रह्म मुहूर्त मे जागकर ध्यान लगाए जीवध मे नयी उर्जा आएगी और दिन शानदार रहेगा। आप सकारात्मकर रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। रूके हुए कार्य पूरे होंगे। सेहत को सुधारने के लिए आप योग–व्यायाम शुरू कर सकते हैं। अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की किसी सहयोगी के साथ बहस हो सकती है। तनाव हो सकता है। छात्रों को लाभ होगा। लेनदेन करते समय लापरवाही न करें। प्रसन्नता रहेगी। शिव–पार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखी रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज दीन–हीन बच्चों की जरुरत को पूरा करें ग्रहों का दोष दूर होगा दिन अनुकूल नही हैं । किसी परेशानी का सामना कर सकते हैं। व्यवसाय में मंदी का सामना करेंगे। आर्थिक स्थिति में बदलाव होगा। अनजान लोगों की वजह से आपको हानि हो सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी। किसी मित्र के साथ घूमने जा सकते हैं। खानपान का ध्यान रखें। सेहत ठीक नहीं रहेगी। बुजुर्गं का आशीर्वाद मिलेगा। आप जीवनसंगिनी की बातों को लेकर ज्यादा उत्तेजित होने की आवश्यकता नही हैं धैर्य से काम लेना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को गलत खानपान से दूर रहना होगा कुसंग जीवन मे नही होना चाहिए । अपने मित्रों के साथ दिन बिता सकते हैं । किसी रिश्तेदार की मदद कर सकते हैं। सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दिनभर कई लोगों से मुलाकात होगी। दफ्तर में अफसर आपकी सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रसन्नता के क्षण आएंगे। आज आप अपने पार्टनर को सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। रिश्ता तय हो सकता है। काम से थकान महसूस हो रही हैं तो एक दिन का अवकाश लेकर अपने बच्चों के साथ समय बिताए एकदम तंदूरस्ती आ जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बगैर टेंशन का काम करें जोखिम उठाने से बचें क्योंकि आप को नुकसान होने की सम्भावना है। यात्रा को टालने का प्रयास करें। आज ज्यादा खर्च होगा। धर्म–कर्म में मन लगेगा। आज स्वास्थ्य को लेकर आप चिंता में रहेंगे। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति में तेजी लानी होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। दानपुण्य कर सकते हैं। दफ्तर में खुशखबरी मिलेगी। जीवन के तनाव को दूर करने के लिए लोगों की मदद करने का स्वभाव बनाए आन्तरिक खुशी और प्रसन्नता मिलेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 जुलाई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 11:26 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी सायं 05:36 तक
योग : परिघ रात्रि 02:54 तक
करण : वणिज प्रातः 11:00 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 12:01 तक
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– विनायक चतुर्थी व्रत ,
भद्रा प्रातः 10:58 से रात्रि 11:25 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी पंच गौरव कार्यक्रम से स्थानीय उत्पादों को मिल रही नई पहचान : भजनलाल

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 124वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में आज विज्ञान एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी का जिक्र करते हुए कहा कि पूरा देश इससे गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि हमारा 'इन्स्पायर–मानक' अभियान बच्चों के इनोवेशन को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चों का चयन किया जाता है। हर बच्चा एक नया आइडिया लेकर आता है। अब तक इससे लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में स्पेस स्टार्ट–अप्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'विकास भी–विरासत भी' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को लोकल से लेकर ग्लोबल तक नई पहचान दिलाने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम की पहल की है, जिसके माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक उपज, एक वानस्पतिक प्रजाति, एक उत्पाद, एक पर्यटन स्थल एवं एक खेल को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हमारी सरकार प्रदेश की समृद्ध–सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम में राजस्थान के ऐतिहासिक किलों का उल्लेख करना प्रदेशवासियों के लिए

अत्यंत गौरव का विषय है।

मोदी ने कहा कि यूनेस्को ने 12 मराठा किलों को वर्ल्ड हैरिटेज साईट्स के रूप में मान्यता दी है। इनमें से ग्यारह किले महाराष्ट्र में और एक किला तमिलनाडु में है। हर किले से इतिहास का एक–एक पन्ना जुड़ा है। हर पत्थर, एक ऐतिहासिक घटना का गवाह है। सल्हेर का किला वो है, जहां मुगलों की हार हुई। शिवनेरी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ, ऐसा किला है जिसे दुश्मन भेद नहीं सके। उन्होंने कहा कि देश के और हिस्सों में भी ऐसे ही अद्भुत किले हैं, जिन्होंने आक्रमण झेले लेकिन आत्मसम्मान को कभी झुकने नहीं दिया। राजस्थान में चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, आमेर और जैसलमेर के किले विश्व प्रसिद्ध हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 के विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे बड़ा आधार है, 'वोकल फॉर लोकल'। यह हमारा संकल्प होना चाहिए कि जो चीजें भारत में बनी हों, जिसे बनाने में किसी भारतीय का पसीना बहा हो, वही खरीदें और वही बेचें । उन्होंने कहा कि 7 अगस्त, 1905 को एक और क्रांति की शुरुआत हुई थी। स्वदेशी आंदोलन ने स्थानीय उत्पादों और खासकर हैण्डलूम को एक नई ऊर्जा दी थी। इसकी स्मृति में देश हर साल 7 अगस्त को 'नेशनल हैण्डलूम डे' मनाता है। इस साल 7 अगस्त को 'नेशनल हैण्डलूम डे' के 10 साल पूरे हो रहे हैं। आजादी की लड़ाई के समय जैसे खादी ने आजादी के आंदोलन को नई ताकत दी थी, वैसे ही आज जब देश, विकसित भारत बनने के लिए कदम बढ़ा रहा है तो टैक्सटाइल सेक्टर, देश की ताकत बन रहा है। आज भारत में 3000 से ज्यादा टैक्सटाइल स्टार्ट–अप्स सक्रिय हैं।

मोदी ने कहा कि हमारे त्योहार और परम्पराएं हमारी संस्कृति का बहुत बड़ा आधार है और अपने वर्तमान और इतिहास को डॉक्यूमेंट करते रहना हमारी संस्कृति की जीवंतता का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। भारत सरकार ने इस वर्ष के बजट में 'ज्ञान भारतम् मिशन' की ऐतिहासिक पहल की है। इस मिशन के तहत प्राचीन पांडुलिपियों को डिजिटलाइज किया जाएगा। उन्होंने 'खेलो भारत नीति– 2025' की सराहना की। साथ ही उन्होंने 'स्वच्छ भारत मिशन' का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक जन–आंदोलन बन चुका है। हर साल होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण ने इस भावना को और बढ़ाया है। इस साल देश के 4500 से ज्यादा शहर और कस्बे इससे जुड़े और 15 करोड़ से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया। प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तियों और संस्थाओं की अभूतपूर्व उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आमजन से आह्वान किया कि वे इनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें।

तीज महोत्सव की धूम: दिया कुमारी ने किया क्राफ्ट एंड फूड मेले का उद्घाटन

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

राजधानी जयपुर में तीज महोत्सव की धूम के बीच आज उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पाँड्रिक पार्क में आयोजित क्राफ्ट एंड फूड मेले का शुभारंभ किया। इस रंग–बिरंगे आयोजन में राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकनृत्य, व्यंजन और हस्तशिल्प की झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मेला स्थल पर महिलाओं की बड़ी भागीदारी दिखी, जहां पारंपरिक परिधान, मेहंदी, झूले और घेवर की मिठास ने उत्सव को जीवंत कर दिया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने खुद भी मेहंदी लगवाई और घेवर का स्वाद लेते हुए लोक परंपराओं से जुड़ाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा– तीज का त्योहार महिलाओं की इस मेहंदी की खुशबू की तरह महकता रहे। मेले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण भी हुआ, जिसे उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, जयपुर सांसद मंजू शर्मा और विधायक बालमुकुंद आचार्य सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सुना। दिया कुमारी ने बताया कि इस बार तीज महोत्सव में महा आरती का आयोजन पहली बार किया जा रहा है, जिसमें राज्यपाल और मुख्यमंत्री की भागीदारी भी रहेगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जयपुर परकोटा के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का अलग बजट निर्धारित किया गया है। साथ ही, पिछली सरकार के समय हुए अतिक्रमण को हटाने में भी वर्तमान सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है।

पूरे पाँड्रिक पार्क परिसर में लोकसंगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू से तीज का उत्सव पूरे चरम पर नजर आया। राजस्थानी संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देता यह आयोजन लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

गजेन्द्र सिंह खींवसर ने किया निक्षय पोषण किट वितरण अभियान का शुभारंभ

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग रोगियों की पीड़ा को समझकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम बनाने की दिशा में लगातार नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेज अपना रहा है। बेस्ट प्रेक्टिसेज की कड़ी में अब चिकित्सा विभाग के कार्मिकों ने जन सरोकार की तरफ कदम बढ़ाते हुए स्वयं निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों का जीवन संवारने का बीड़ा उठाया है। इसके तहत विभाग के कार्मिकों की ओर से 27 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक पूरे प्रदेश में निक्षय पोषण किट वितरण अभियान चलाया जा रहा है।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को बीकानेर में इस मानवीय पहल का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सकर्मियों की यह पहल मानवता की सेवा में अनुपम योगदान है। इससे समाज को प्रेरणा मिलेगी। निक्षय मित्र बनकर चिकित्सा कर्मियों ने नजीर पेश की है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य टीबी रोगियों को जनसहयोग से पोषण किट उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य को मजबूती देना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को सशक्त बनाना है। प्रदेश के सभी जिलों में भी यह अभियान समान रूप से आयोजित किया जा रहा है। ब्लॉक और ग्राम पंचायत के चिकित्साकर्मी भी निक्षय मित्र बनेंगे।

चिकित्सा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद ले रहे हैं और पोषण किट, सामाजिक सहयोग एवं मानसिक समर्थन प्रदान कर रहे हैं, जिससे उनका आत्मबल बढ़े और उपचार की प्रक्रिया प्रभावशाली बन सके।

झालावाड़ घटना की जांच के बाद सुनिश्चित होगी कार्रवाई : गजेन्द्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने झालावाड़ जिले में एक सरकारी स्कूल की छत गिरने की घटना पर गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि घटना की जांच के बाद निश्चित रूप से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने सभी सरकारी विद्यालयों का ऑडिट करने का निर्देश दिया है, जिससे निकट भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

रविवार को जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि यह पूरी तरह टाला जा सकने वाला हादसा था। जो हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन इससे सबक लेना जरूरी है। हम ऐसे सारे विद्यालयों, सार्वजनिक भवनों का आकलन और ऑडिट करें, जिससे भविष्य में ऐसा हादसा ना हो। प्रदेश सरकार ऐसे हादसों को लेकर गंभीर है और भविष्य में सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी। विपक्ष द्वारा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का इस्तीफा मांगे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि इस्तीफे की मांग करना या देना, राजनीति से प्रेरित बातें हैं। जरूरत इस बात की है कि इससे सबक लेते हुए आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाए।

राहुल गांधी को अंबेडकर की उपाधि देने संबंधी कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अंबेडकर बनने के लिए सिर्फ उपाधि देना काफी नहीं है। इसके लिए गहन अध्ययन, खुली सोच और समाज के लिए गहरा समर्पण चाहिए। अंबेडकर बनने के लिए जीवन भर तपस्या करनी पड़ती है। बहुत बड़ी सोच रखते हुए गहन अध्ययन करने की जरूरत पड़ती है।चिराग पासवान द्वारा नीतीश कुमार को समर्थन देने पर खेद जताने संबंधी बयान पर शेखावत ने कहा कि ऐसे विषयों पर त्वरित राजनीतिक टिप्पणी की आवश्यकता नहीं है। एनडीए एक मजबूत गठबंधन है और पूरी तरह एकजुट है। बिहार में आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में गठबंधन विजयी होगा।

संगठित अपराध और अराजकता का केंद्र बनकर रह गया हरियाणा: सैलजा

चंडीगढ, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा हे कि जिस हरियाणा पहचान हरियाली और खुशहाली के रूप में होती थी, आज उसकी पहचान रोजाना हो रही ताबड़तोड़ फायरिंग को लेकर होती है। बेकाबू अपराध के चलते आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। फायरिंग, फिरौती, रंगदारी, लूट, डकैती, हत्या और दुष्कर्म लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा सरकार लगातार जनता के इस दर्द को अनदेखा कर रही है। कानून व्यवस्था के बिगड़े हालात को देखकर यहीं कहा जा सकता है कि प्रदेश में भाजपा सरकार लाचार खड़ी और प्रदेश में माफिया और जंगलराज है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के 11 साल के राज में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है, नतीजा आम आदमी भय के साये में जीने को मजबूर है या प्रदेश से पलायन के बारे में सोच रहा है। हरियाणा में माफिया राज, गुंडागर्दी, और गैंगस्टर्स का बोलबाला है, पुलिस व्यवस्था और प्रशासनिक स्तर पर बरती जा रही लापरवाही ने लोगों के जीवन में खौफ भर दिया है।

व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सुविधा व रियायतें सरकार को देने की जरूरत है : गर्ग

चंडीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने व्यापारी व उद्योगपतियों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में राइस, कपास व दाल मिले ठप्प होती जा रही है। यहां तक की सरकार द्वारा कोई सुविधा ना देने पर प्रदेश में गांव स्तर पर छोटे व मध्यम उद्योग 70 प्रतिशत बंद हो चुके हैं। बजरंग गर्ग ने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तरांचल में उद्योग लगाने पर सरकार की तरफ अनेकों प्रकार की रियायतें व सुविधा दी जा रही है। हरियाणा में धान, नरमा व गेहूं पर चार प्रतिशत मार्केट फीस बहुत ज्यादा है। राजस्थान में मार्केट नरमा पर 50 पैसे, गेहूं पर 1.60 रुपए, धान पर 1.60 रुपए, मूंग, मोठ, गवार पर 1.60 रुपए व बाजरा पर मार्केट फीस फ्री है।बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के उद्योगपति व व्यापारियों को रियायतें देने की जरूरत है। सरकार ने रियायतें देने की बजाएं उद्योग, रिहायशी व कमर्शियल पर बिजली की दरें अनाप–शनाप बढ़ाकर जनता पर आर्थिक बोझ डालने का काम किया है। सरकार ने उद्योग पर फिक्स चार्ज 165 रुपए से बढ़कर 290 रुपए करना सरासर गलत है इससे छोटे, मध्यम व बड़े उद्य–ोगों पर भारी भरकम बोझ पड़ेगा। जबकि इस सरकार में व्यापारी व उद्योगपतियों पर इंस्पेक्ट्रीराज पूरी तरह हावी है। प्रदूषण, बिजली, आबकारी एवं कराधान, जीएसटी व मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारी बिना सेवा शुल्क लिए बिना कोई काम तक नहीं करते हैं।

लाडो लक्ष्मी योजना के तहत

हरियाणा की महिलाओं के खाते में कब आएंगे 2100 रुपए?

चंडीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा में पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ 28 जुलाई को तीज महोत्सव मनाया जाएगा। इस आयोजन के लिए सरकार ने प्रदेश के सभी मंत्रियों की ड्यूटियां लगा दी हैं। राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अंबाला में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी भी उपस्थित रहेंगी। तीज महोत्सव में मुख्यमंत्री महिलाओं के लिए बड़ी घो–षणा कर सकते हैं। प्रदेश की महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना का बेसब्री से इंतजार है। बीजेपी ने 2024 के चुनावी संकल्प पत्र में सत्ता में आने के बाद लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने का ऐलान किया था। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये मिलेंगे।

कैबिनेट मंत्री ने दिए थे संकेत

बता दें कि कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी पहले ही कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश के मुताबिक हरियाणा सरकार 'लाडो लक्ष्मी योजना' को लेकर तैयारी में लगी हुई है। हमने आयु वर्ग, आय और तमाम पहलुओं का ध्यान रखते हुए योजना तैयार कर ली है। हमारी तरफ से सीएमओ को प्रस्ताव भेजा जा चुका है और जैसे ही मुख्यमंत्री कार्यालय तथा वित्त विभाग की तरफ से हमें निर्देश मिलेंगे तो तुरंत ही 'लाडो लक्ष्मी योजना' को लेकर काम शुरू हो जाएगा।।

50 लाख महिलाओं को होगा लाभ

उन्होंने कहा था कि मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश की महिलाओं को मजबूती देने के लिए इस योजना को मंजूरी देंगे। मेरी प्रदेश की बहनों को कैसे सशक्त किया जाए, इस पर हमारा विभाग काम कर रहा है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि हमने चुनाव में वादा किया था कि बहनों को सम्मान देकर उनकी मदद करेंगे। हरियाणा में महिलाओं की जनसंख्या 48 प्रतिशत है। पहले चरण में हम 50 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ देने के लिए तैयार हैं। योजना लागू करने की अंतिम तारीख पर मुख्यमंत्री मुहर लगाएंगे।

मुख्यमंत्री सैनी ने सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम

चंडीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि सीईटी को संपन करवाने के लिए हरियाणा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने टीम के रूप में कार्य किया है। इसलिए यह आयोजन पर्व का रूप बन गया है। मुख्यमंत्री ने यह बात आज पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला स्थित पंचकमल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए पहुंचे थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर महीने के अंतिम रविवार को मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश की प्रतिभाओं (ऐसे व्यक्तित्व जिन्होने समाज और देश के लिए अच्छा काम किया है) और संस्कृति आदि के संबंध में देशवासियों को अवगत करवाते हैं। इससे देश को प्रेरणा मिलती है। मन की बात का कार्यक्रम ज्ञानवर्धक है। सीईटी के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसी व्यवस्थाएं कि जिससे अभ्यर्थियों को कोई दिक्कत न आए और वे खुशनुमा माहौल में परीक्षा दें। उन्होने कहा कि चाहे प्रशासनिक अधिकारी हों, पुलिस या रोडवेज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी हों सभी ने एक टीम के रूप में काम किया।

सिद्धार्थनगर के अल फारूक कॉलेज का मैनेजर शब्बीर अहमद गिरफ्तार

नौकरी देने के एवज में करवा रहा था धर्मांतरण

सरगना छांगुर से निकला कनेक्शन

सिद्धार्थनगर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर के इटवा थाना क्षेत्र में स्थित अल फारुक इंटर कॉलेज से धर्मांतरण गिरोह ऑपरेट कर रहा था। यहां नौकरी दिलाने के एवज में लोगों का धर्मांतरण किया जा रहा था। यूपी पुलिस ने आरोपी मैनेजर शब्बीर अहमद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी के तार धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर उर्फ जलालुद्दीन से भी जुड़े पाए गए हैं।

शिकायतकर्ता अखंड प्रताप सिंह ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2020-21 के सत्र में उन्हें अल फारूक इंटर कॉलेज में बाबू के रिक्त पद की जानकारी मिली थी। इस पर जब वह कॉलेज गए तो मैनेजर शब्बीर अहमद ने 15 हजार रुपए महीने देने की बात करते हुए, नौकरी ज्वाइन करने को बोला। अखंड ने नौकरी ज्वाइन कर ली और अगले दिन से ड्यूटी पर जाने लगे। कुछ दिनों के बाद मैनेजर शब्बीर अहमद ने उन्हें अपने ऑफिस बुलाया और ऑफिस में बैठे चार-पांच लोगों के सामने ड्यूटी एग्रीमेंट के नाम पर 100 रुपए के ब्लैंक स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर करा लिए। इसके बाद मैनेजर शब्बीर ने हिंदू धर्म और पूजा पद्धति को लेकर विरोध करते हुए अखंड प्रताप सिंह से इस्लाम धर्म स्वीकार करने की बात कही। इंकार करने पर दबाव बनाया गया। फिर इस्लाम स्वीकार करने पर लालच देते हुए व्हाट्सऐप कॉल से विदेश में बैठे एक मौलाना से बात कराई गई।

मौलाना ने कॉल पर इस्लाम में आने की दावत देते हुए इस्लाम स्वीकार करने पर 20 लाख रुपए देने की बात कही और फिर बड़ोदरा-गुजरात जमात में मिलने के लिए कहा।

इसके बाद अखंड प्रताप ने नौकरी छोड़ दी। कुछ दिन बाद से सादे स्टांप पेपर पर धर्म परिवर्तन की बात लिखने के नाम अखंड प्रताप को धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया जाने लगा और विरोध करने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी गई। अखंड प्रताप ने नजदीकी थाने में शिकायत की लेकिन पुलिस ने टाल दिया। अखंड प्रताप डर कर घर बैठ गए, लेकिन छांगुर गिरोह का पर्दाफाश होने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने मुख्यमंत्री एवं पुलिस अधिकारियों से फिर शिकायत की।

शिकायतकर्ता अखंड प्रताप सिंह की लिखित शिकायत के बाद अल फारुक इंटर कॉलेज के मैनेजर मोहम्मद शब्बीर अहमद को सिद्धार्थनगर पुलिस ने छानबीन की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इटवा पुलिस और इस मामले की जांच कर रहे चौकी इंचार्ज अनिल ओझा ने बताया कि आरोपी शब्बीर के पास से कुछ संदेहास्पद दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। आरोपी मैनेजर के छांगुर गिरोह से जुड़े होने की पुलिस जांच कर रही है।

विडंबना यह है कि धर्मांतरण गिरोह से जुड़े कॉलेज मैनेजर शब्बीर अहमद के समर्थन में भीम आर्मी के नेता सांसद चन्द्रशेखर रावण सामने आ गए हैं। उसने शब्बीर अहमद को धार्मिक शिक्षा, सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक बताया और शिकायतकर्ता के आरोपों को निराधार और फर्जी करार दिया। दलित नेता के धर्मांतरण गिरोह से जुड़े होने की आशंका की भी जांच कराए जाने की मांग की जा रही है।

बुंदेलखंड के किले हमारी संस्कृति और स्वाभिमान के प्रतीक हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान से यूपी के लोगों में खुशी

बांदा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुंदेलखंड और कलिंजर के किलों की गौरवपूर्ण पृष्ठभूमि की चर्चा किए जाने से उत्तर प्रदेश के लोगों में खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों और कालिंजर किले को याद किया और कहा कि ये किले सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान के प्रतीक हैं।

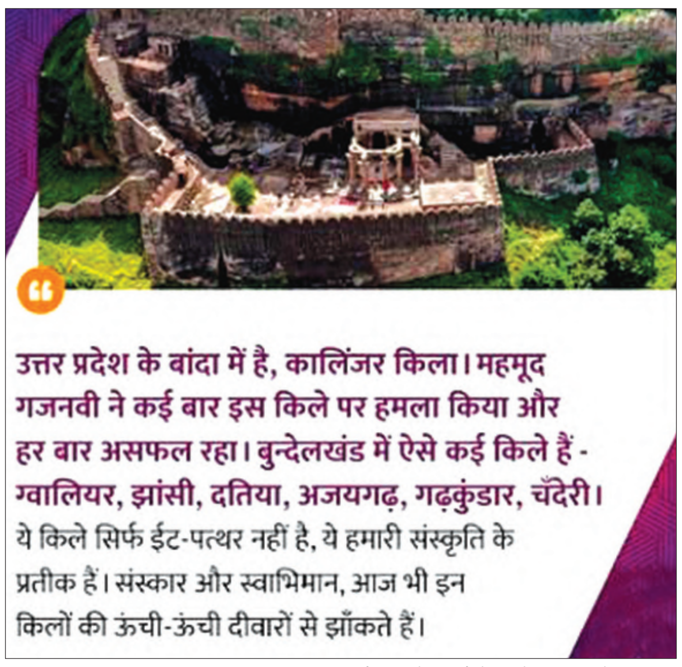

उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक किलों को प्रधानमंत्री मोदी ने खास तौर पर रेखांकित किया और कहा कि बांदा स्थित कालिंजर किला गौरवशाली इतिहास का एक बेहतरीन उदाहरण है।

इस किले पर महमूद गजनवी ने कई बार हमला किया, लेकिन हर बार उसे असफलता ही मिली। पीएम मोदी ने ग्वालियर, झांसी, दतिया, अजयगढ़, गढ़कुंडार और चंदेरी जैसे बुंदेलखंड के अन्य प्रसिद्ध किलों का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने इन किलों को समृद्ध संस्कृति का प्रतीक बताया और कहा कि संस्कार और स्वाभिमान, आज भी इन किलों की ऊंची-ऊंची दीवारों से झांकते हैं। पीएम मोदी का यह बयान इन ऐतिहासिक धरोहरों के महत्व और उनके द्वारा दर्शाई गई राष्ट्रीय चेतना को रेखांकित करता है।

पीएम आवास के लिए 12 अरब 31 करोड़ मंजूर

चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मिली स्वीकृति

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में हर नागरिक को छत उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मिशन के अंतर्गत 12 अरब 31 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस धनराशि का उपयोग शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद लाभार्थियों को पक्के मकान उपलब्ध कराने में किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आवास निर्माण की पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। योजना के तहत सभी आवासों की जियो टैगिंग सुनिश्चित की जाएगी, ताकि निर्माण की प्रत्येक अवस्था की निगरानी सटीकता से की जा सके। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि आपदा प्रतिरोध विशेषताओं को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। इससे प्राकृतिक आपदाओं के समय आवासों की मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। योजना में लाभार्थियों को दी जाने वाली सहायता के लिए निर्मित मकानों के फोटोग्राफ्स और जियो टैगिंग अनिवार्य कर दी गई है, जिससे वास्तविकता और पारदर्शिता बनी रहे। निर्माणाधीन मकानों में भूकंप, बाढ़ और अन्य आपदाओं से सुरक्षा की दृष्टि से आपदा प्रतिरोध विशेषताओं को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। इस योजना में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच लागत का साझा वहन 60:40 के अनुपात में किया जा रहा है, जिससे प्रदेश पर वित्तीय बोझ कम हो। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को 2.5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है, जिससे उन्हें पक्के घर बनाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मिशन 2.0 की शुरुआत 1 सितंबर 2024 को की गई थी। इस योजना का उद्देश्य वर्ष सभी परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराना है। योजना की निगरानी राज्य स्तरीय व जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा की जा रही है, ताकि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित हो सके।

टेरर फंडिंग का खुलासा : किराए के बैंक खातों से पाकिस्तान भेजते थे धन

बलरामपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। टेरर फंडिंग में बड़ा खुलासा हुआ है। गिरोह के सदस्य महीने के हिसाब से गरीबों के बैंक खाते किराए पर लेते थे और उनके खातों से पाकिस्तान को पैसे भेजते थे। गिरोह का नेटवर्क दिल्ली से चलाया जा रहा था और पैसे यूपी से बटोरे जा रहे थे। पुलिस ने गिरोह सरगना सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

नेपाल से सटे संवेदनशील जिले बलरामपुर में साइबर फ्रॉड के जरिए टेरर फंडिंग करने का खुलासा हुआ। इसी जिले से धर्मांतरण गिरोह भी ऑपरेट हो रहा था। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने बाइनेंस एप की मदद से पाकिस्तान के 30 बैंक खातों में करीब 8.15 करोड़ रुपए भेजे हैं। सस्पियर नामका गिरोह सरगना बिहार के नवादा जिले का रहने वाला है। वह दिल्ली में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। वह साथियों को बचाने के लिए बलरामपुर पहुंचा था। पुलिस ने ललिया के कोडरी घाट पुल के पास से शनिवार को सस्पियर और उसके साथी फतेहगढ़ (फर्रुखाबाद) निवासी प्रदीप कुमार सिंह और बलरामपुर के ललिया क्षेत्र के सत्यदेव, लवकुश वर्मा, जय प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया।

गिरोह सरगना सस्पियर के मोबाइल से दो पाकिस्तानी बैंक खातों का ब्यौरा मिला। पाकिस्तानी खातों में सितंबर 2024 से जुलाई 2025 तक 8.15 करोड़ भेजे गए हैं। एसपी विकास कुमार ने बताया कि सरगना सस्पियर ने चार व्हाट्सएप अकाउंट बनाए थे। वह 200 बैंक खातों का यूपीआई बनाकर पूरा खेल कर रहा था। इस रकम को वह क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करता था। यह अंतरराष्ट्रीय गिरोह है। टेरर फंडिंग के लिए चाइनीज और सिंगापुर के एप का प्रयोग किया गया है। इसकी जांच के लिए विदेशी एजेंसियों से भी संपर्क किया गया है।

सरगना ने हर म्यूल अकाउंट (दूसरे के नाम पर खाता खोलकर किराए पर लेना) में रोज एक लाख रुपए जमा कराने का लक्ष्य तय किया था जिसे वह एटीएम से निकालता था। इस काम का 15 प्रतिशत कमीशन देता था। म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल जालसाज अपराध से मिले पैसे को ठिकाने लगाने के लिए करते हैं। पुलिस के मुताबिक स्थानीय लोगों के बैंक खाते 10 हजार रुपए महीने पर किराए पर लिए जाते थे। इनका उपयोग साइबर फ्रॉड से जुटाए गए रुपए को एटीएम से निकालने के लिए होता था। इसके बाद कैश डिपॉजिट मशीन से एप के माध्यम से पैसों को विदेशी खातों में भेजा जाता था।

एसपी विकास कुमार के अनुसार सस्पियर ने नई दिल्ली के हाउस नंबर 425, गली नंबर 03 सालापुर खेड़ा ब्रिजवासन, थाना कापासेड़ा में ठिकाना बनाया था। उसने इतना सुरक्षित घेरा बना रखा था कि उस तक पहुंचना आसान नहीं था।

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में बिजली कटौती

2065 मेगावाट की उत्पादन इकाइयां ठप्प

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पूरा उत्तर प्रदेश भीषण बिजली कटौती से परेशान है। ऊर्जा मंत्री की चेतावनी के बाद बिजली व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पा रही है। कई गांवों में दस घंटे से कम बिजली मिल पा रही है। प्रदेश की बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ की चेतावनी और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की नाराजगी भी बेअसर साबित हो रही है। कागजों में बिजली भरपूर है। कम मांग और तकनीकी कारणों से 2065 मेगावाट की उत्पादन इकाइयां बंद कर दी गई हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है। उपभोक्ता कटौती झेलने को मजबूर हैं। स्थिति यह है कि गांवों में बमुश्किल 10 घंटे बिजली मिल रही है। इसे देखते हुए अब फीडरवार निगरानी की रणनीति बनाई गई है।

प्रदेश में करीब 3.50 करोड़ उपभोक्ता है। 10 जून रात को 10.45 बजे 32 हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति का रिकॉर्ड बन चुका है। इन दिनों 23566 मेगावाट की मांग है। कागजों में शहरी इलाके में 24 घंटे और गांवों में 18.50 घंटे आपूर्ति का दावा है, लेकिन हकीकत एकदम अलग है। शहरों में लोग ट्रिपिंग से परेशान हैं। लखनऊ में ही 24 घंटे में 8 से 10 बार ट्रिपिंग आम बात हो गई है। ग्रामीण इलाकों का बुरा हाल है। बिजली आपूर्ति के दावे और हकीकत में करीब 8 घंटे का अंतर है। इस अंतर को लोकल फाल्ट नाम दिया गया है। किसी भी स्थान पर फाल्ट होने पर उसे ठीक करने में घंटों लग रहे हैं। इससे उपभोक्ता परेशान हैं। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों के मुताबिक यह प्रबंधकीय असफलता है।

प्रदेश में इन दिनों 2065 मेगावाट बिजली उत्पादन ठप है। सरकारी क्षेत्र में ओबरा की यूनिट दो की 660 मेगावाट की इकाई बॉयलर लीकेज और यूनिट नौ की 200 मेगावाट की इकाई अन्य तकनीकी गड़बड़ी से बंद है। ऐसे ही

हरदुआगंज की 105 मेगावाट और पनकी की 660 मेगावाट की इकाई बिजली की कम मांग की वजह से पांच अगस्त तक बंद की गई है। निजी क्षेत्र की टांडा की 440 मेगावाट की चार यूनिटें भी 31 जुलाई तक कम मांग के चलते बंद की गई हैं।

ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कागज में रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति होने के बाद उपभोक्ताओं को घंटों कम बिजली मिलने की कई कारण हैं। लाइनें 20 से 30 किलोमीटर लंबी और जर्जर हैं। ग्रामीण इलाकों में कर्मचारियों की पहले से कमी है। फॉल्ट ढूंढ़ने में वक्त लगता है। वे बताते हैं कि यदि कहीं इंसुलेटर फट गया है तो पोल टू पोल चेक करने में समय लगता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 132 केवी के बिजलीघर दूर-दूर हैं। यदि दिल्ली की तरह तीन से पांच किलोमीटर पर डीपीएम (जॉइंट बॉक्स) बन जाए तो ट्रिपिंग की जल्दी जानकारी मिल जाएगी। एक जेई के भरोसे दो से तीन उपकेंद्र हैं। इससे भी आपूर्ति प्रभावित होती है।

विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा, बारिश के मौसम में ब्रेक डाउन होना स्वाभाविक है। इससे निपटने के लिए पहले से रणनीति बनानी चाहिए। निगरानी तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। निगमों को रोस्टर खत्म करके 24 घंटे आपूर्ति करना चाहिए। ऐसे में लोकल फाल्ट होने पर कम से कम 15 से 18 घंटे बिजली मिल सकेगी। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे कहते हैं कि बिजली होने के बाद भी उपभोक्ताओं को नहीं मिलने का मतलब है कि प्रबंधन पूरी तरह से फेल है। ऊर्जा निगमों में मैटेरियल और मशीन है, लेकिन मैन पॉवर गायब है। ब्रेक डाउन की निगरानी करने वाले पेट्रोलमैन के पद खत्म हो गए। लाइनमैन नाम मात्र के हैं। करीब 20 हजार संविदाकर्मियों की छंटनी कर दी गई। लिहाजा निगरानी तंत्र फेल हो गया है। पारव कारपोरेशन के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने कहा, लोकल फाल्ट दूर करने के लिए फीडर स्तर पर रणनीति बनाई गई है। तारों से लेकर ट्रांसफार्मर तक में सुधार हो रहा है। आरडीएसएस योजना के तहत सुधार के कार्य हो रहे हैं। जल्द ही इसका असर दिखेगा। उपभोक्ता जितनी बिजली लें, उसका बिल भी अनिवार्य रूप से अदा करें। इससे बिजली सुधार के कार्य तेज होंगे और सबको राहत मिलेगी।

बागवानी फसलों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग पर मिलेगा 50% अनुदान

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में बागवानी फसलों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग पर 50 फीसदी अनुदान मिलेगा। फेंसिंग अब बागवानी मिशन योजना में शामिल हो गई है। इसमें पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर लाभ दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश में बागवानी फसलों की सुरक्षा के लिए सरकार ने बड़ी राहत दी है। अब एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत किसानों को फेंसिंग पर 50 फीसदी अनुदान मिलेगा। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि बागवानों को कम लागत में ज्यादा मुनाफा दिलाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। फल, सब्जी, मसाले, फूल, सगंध व औषधीय पौधों की खेती पर अनुदान के साथ एक अतिरिक्त सुविधा दी जाएगी। योजना के तहत एक रनिंग मीटर फेंसिंग की अनुमन्य लागत 300 रुपए निर्धारित की गई है, जिसमें किसानों को 150 रुपए प्रति मीटर यानि 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। प्रत्येक किसान अधिकतम 1000 मीटर तक फेंसिंग पर अनुदान ले सकेंगे। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने कुल 2.5 लाख मीटर फेंसिंग कराने का लक्ष्य तय किया है। इस प्रयास से प्रदेश में बागवानी फसलों की रक्षा तो होगी ही, साथ ही किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। योजना के तहत लोहे के मजबूत खंभों का उपयोग किया जाएगा, जिनके बीच 10 फुट की दूरी रखी जाएगी। इन खंभों के बीच 4 क्षैतिज तारों से बाड़बंदी की जाएगी, जिससे यह सुरक्षा व्यवस्था मजबूत व दीर्घकालिक होगी। इस योजना का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर दिया जाएगा।

धर्मांतरण की घटनाओं के बीच कोर्ट का अहम फैसला

बिना धर्म बदले विपरीत धर्म में हुई शादी अवैध

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण की बढ़ रही घटनाओं के बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि बिना धर्म बदले दूसरे धर्म में की गई शादी अवैध मानी जाएगी। हाईकोर्ट ने इस तरह की शादियों को कानून का उल्लंघन बताया है। साथ ही हाईकोर्ट ने प्रदेश के गृह सचिव को उन आर्य समाज सोसायटियों की जांच कराने का निर्देश दिया है जो विपरीत धर्म के नाबालिग जोड़ों को शादी का प्रमाणपत्र जारी कर रही हैं। मामले में 29 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट तलब की गई है।

उल्लेखनीय है कि महाराजगंज में सोनू उर्फ सहनूर के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग की गई। न्यायमूर्ति

प्रशांत कुमार ने सुनवाई की। वकील ने दलील दी कि पीड़िता से याची ने आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली है और अब वह बालिग है। ऐसे में उसके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द की जानी चाहिए। सरकारी अधिवक्ता ने दलील का विरोध करते हुए कहा कि युवक और युवती दोनों विपरीत धर्म के हैं और बिना धर्म परिवर्तन किए की गई शादी अवैध है।

हाईकोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि आर्य समाज सोसायटियों की ओर से फर्जी शादियां कराने और नाबालिगों को शादी प्रमाणपत्र जारी करने के कई मामले सामने आए हैं। ऐसे में इनकी जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। कोर्ट ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर आर्य समाज मंदिर में शादी करने वाले के खिलाफ आपराधिक केस की कार्यवाही रद्द करने से इन्कार कर दिया।

विश्व विश्वविद्यालय खेलों में तीरंदाज जाधव को स्वर्ण, प्रवीण और सीमा का दिखा जलवा

राइन-रूहर,ईसेन (जर्मनी),27 जुलाई (एजेंसियां)। साहिल जाधव ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में शनिवार को स्वर्ण पदक जीता, जिससे भारतीय तीरंदाजों ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के तीरंदाजी स्पर्धा में पांच पदकों के साथ अभियान समाप्त किया। इससे पहले परनीत कौर महिला कंपाउंड के रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया की मून यीउन के खिलाफ दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इन दोनों के अलावा भारत ने कंपाउंड तीरंदाजों ने मिश्रित टीम स्वर्ण, पुरुषों की टीम रजत, महिलाओं की टीम कांस्य के साथ रिकर्व तीरंदाजों के निराशाजनक प्रदर्शन की काफी हद तक भरपाई भी कर दी। वहीं भारत के 24 वर्षीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने अपने दूसरे प्रयास में 16.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर त्रिकूद में रजत पदक जीता। वहीं, सीमा ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। उन्होंने सीजन बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 15:35.86 का समय निकाला। वह जूलिया डेविड स्मिथ के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। भारत के कुल पदकों की संख्या नौ हो गई है। प्रतियोगिता का 32वां संस्करण 16 से 27 जुलाई तक जर्मनी के छह शहरों में आयोजित किया जा रहा है। चेंगदू में 2023 का संस्करण भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जहां देश 26 पदकों के साथ सातवें स्थान पर रहा था। इसमें 11 स्वर्ण पदक शामिल थे, जिनमें से आठ निशानेबाजी में आए थे। भुवनेश्वर का यह एथलीट ऑस्ट्रेलिया के कॉनर मर्फी से पीछे रहा जिन्होंने 16.77 मीटर की इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। भारत अपने पदकों की संख्या में और सुधार कर सकता है क्योंकि पुरुष और महिला दोनों चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई करके शानदार प्रदर्शन किया है। जाधव ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 में से 14 निशाने 10 अंक के लगाये। उनका आखिरी निशाना नौ अंक का रहा जिससे रोमांचक फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के अजय स्कॉट को 149-148 से हराया।

स्कॉट के तीन एक्स (केंद्र के करीब 10 अंक वाले निशाने) के साथ शुरुआत करने के बावजूद, भारतीय ने धैर्य बनाए रखा और पांचवें दौर की आखिरी निशाने से पहले कोई चूक नहीं की। जाधव ने इससे सेमीफाइनल के बेहद रोमांचक मुकाबले में हमवतन कुशल दलाल को शूट ऑफ में पछाड़ा। दोनों तीरंदाजों के 148-148 से बराबरी पर रहने के बाद शूट ऑफ में भी 10 अंक का निशाना साधा लेकिन जाधाव का तीर केन्द्र के करीब था।

न्यूज ब्रीफ

फुटबॉल क्लब आर्सेनल ने स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस के साथ करार किया

नई दिल्ली। फुटबॉल क्लब आर्सेनल ने स्वीडन के 27 वर्षीय खिलाड़ी विक्टर ग्योकेरेस के साथ दीर्घकालिक करार किया है। स्पोर्टिंग के साथ अपने दो सीजन के दौरान विक्टर ने टीम को लगातार प्राइमेरा लीगा खिताब और एक राष्ट्रीय कप जीतने में मदद की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। स्वीडन के लिए अपने पिछले 17 मैचों में 12 गोल दागे हैं। क्लब के खेल निदेशक एंड्रिया बर्टा ने कहा कि विक्टर ग्योकेरेस को क्लब में लाने के लिए हमने जो शानदार डील पूरी की है। विक्टर एक असाधारण प्रतिभा हैं और उन्होंने लगातार यह साबित किया है कि उनमें एक शीर्ष-स्तरीय सेंटर-फॉरवर्ड के लिए आवश्यक गुण और जीतने की मानसिकता है। उनकी फिटनेस, बुद्धिमत्ता और कार्यशैली उन्हें हमारे दृष्टिकोण के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है। हमें पूरा विश्वास है कि विक्टर मैदान पर गहरा प्रभाव डालेंगे और हमारे ड्रेसिंग रूम में एक अहम किरदार बनेंगे। विक्टर, आपका स्वागत है। क्लब के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने विक्टर ग्योकेरेस का क्लब में स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने अपने प्रदर्शन और उपलब्धता में जो निरंतरता दिखाई है, वह लाजवाब है और उनके गोल खुद ही सब कुछ बयां करते हैं। हम विक्टर के हमारे दल में आने से उत्साहित हैं और उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। हम विक्टर और उनके परिवार का आर्सेनल में स्वागत करते हैं।

जडेजा को स्टोक्स से बेहतर ऑलराउंडर मानते हैं कपिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि पिछले कुछ समय में इंग्लैंड के

ऑलरांउडर बेन स्टोक्स ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर भारत के रविन्द्र जडेजा से तुलना करें तो वह अभी भी पीछे हैं। कपिल ने कहा है कि जडेजा स्टोक्स से अधिक अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में 14वां टेस्ट शतक लगाया। इस दौरान उन्होंने अपने 7000 टेस्ट रन भी पूरे किए हैं। अब स्टोक्स के नाम 115 मैचों में 35.7 के औसत से 7032 रन हो गये हैं। उन्होंने इस दौरान 14 शतक और 35 अर्धशतक भी लगाये हैं। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ चौथे मैच में 198 गेंद में ही 141 रन बनाए। वह सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। वहीं स्टोक्स के बारे में पूछे जाने पर कपिल ने कहा, ''मैं तुलना नहीं करना चाहता। स्टोक्स एक अच्छे ऑलराउंडर हैं हालांकि मुझे अभी भी लगता है कि जडेजा उनसे आगे हैं। वह कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।'' स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 7000 रन और 200 विकेट हासिल करने वाले तीसरे ऑलराउंडर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस और वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स ने ये उपलब्धि हासिल की थी। जडेजा ने इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लिए थे। जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज हैं। उन्होंने सात पारियों में 86.75 के औसत से 347 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 89 रन रहा है।

पॉवेल ने गेल को पीछे छोड़ा, सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

सेंट किट्स। वेस्टइंडीज के रोवमैन पॉवेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में 22 गेंदों पर ही 28 रन बनाकर अपने ही देश के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर क्रिस गेल को भी पीछे छोड़ दिया है। पॉवेल अब वेस्टइंडीज के लिए टी20 प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं गेल तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पॉवेल ने अपने टी20 करियर में 99 मैचों में 25.66 की औसत के साथ ही 1925 रन बनाए हैं। वहीं गेल ने 79 मैचों में 1899 रन बनाए थे। वहीं पहले नंबर पर पूर्व कप्तान निकोलस पूरन हैं। पूरन ने अब तक 2275 रन बनाये हैं। पूरन वेस्टइंडीज के उन खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने 100 से अधिक टी20 मैच खेले हैं। वह वेस्टइंडीज के लिए इस प्रारुप में 2000 से अधिक रन बनाने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह रन 106 मैचों में 26.14 की औसत के साथ बनाए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त, गिल के बाद जडेजा और सुंदर के शतक, इंग्लैंड 1-2 से आगे

मैनचेस्टर,27 जुलाई (एजेंसियां)। जब इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाए तो भारत की हार पक्की दिख रही थी। कोई टीम पहली पारी में 311 रनों से पिछड़ती है और 5 सेशन का खेल बाकी रहता है तो मैच बचाना लगभग नामुकिन होता है। फिर अगर पहले ही ओवर में दो विकेट गिर जाए तो हर कोई हार मान लेता है। इसके बाद भी भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले को ड्रॉ करवा लिया है।

पहली पारी में इंग्लैंड ने भारत के 358 रनों के जवाब में 669 रन ठोक दिए। जीरो रन पर दो विकेट लेने के बाद भी इंग्लैंड की टीम 5 सेशन में भारत को ऑलआउट नहीं कर पाई। शुभमन गिल के साथ ही भारत के लिए रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने शतक लगाया। तीसरे विकेट के लिए राहुल और गिल ने 188 रनों की साझेदारी की थी। इन दोनों के आउट होने के बाद वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा ने मोर्चा संभाल लिया। 5 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड के पास अभी भी 2-1 की बढ़त है।भारतीय टीम ने 5वें दिन पहले सेशन में दो विकेट खो दिए। पहले केएल राहुल 90 रन बनाकर आउट हुए। शतक पूरे करते ही शुभमन गिल आउट हो गए।

ऋषभ पंत के अनफिट होने की वजह से वॉशिंगटन सुंदर 5वें नंबर पर उतरे। उनके बाद रविंद्र जडेजा आए। इंग्लैंड को जीत की सुगंध आने लगी होगी लेकिन इन दोनों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। दूसरे सेशन के बाद तीसरे सेशन में भी इंग्लिश गेंदबाज कोई विकेट नहीं ले पाए।

रविंद्र जडेजा ने अपने टेस्ट करियर का 5वां शतक लगाया। वॉशिंगटन सुंदर ने पहली बार अपने टेस्ट करियर में शतक ठोका। जब दोनों ही टीमें ड्रॉ के लिए राजी हुईं तो भारत का स्कोर 4 विकेट पर 425 रन था।

सुंदर 101 और जडेजा 107 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 5वें विकेट के लिए 203 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। शुभमन गिल ने 103 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से क्रिस वोक्स को दो जबकि बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर को 1-1 विकेट मिला।

एशिया कप में पाकिस्तान से न खेले भारतीय टीम : अजहरुद्दीन

हैदराबाद,27 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा है कि एशिया कप में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं खेला जाना चाहिये। अजहरुद्दीन के अनुसार पाक के खिलाफ किसी भी स्तर पर नहीं खेलना चाहिये। अन्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने भी पाक से खेलने का विरोध किया है। इससे पहले एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि भारत की मेजबानी में एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा।

इसमें दोनो ही टीमों के बीच मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। अजहरुद्दीन ने कहा मैं हमेशा कहता हूं कि या तो सबकुछ होना चाहिए या कुछ भी नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर आप द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलते तो फिर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भी नहीं खेलना चाहिये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि मोहम्मद अजहरुद्दीन ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाक के खिलाफ मुकाबले से भारतीय दिग्गज खिलाड़ियों के हटने पर को लेकर कि यह बोर्ड और सरकार का मामला है। इसका कारण है कि लीजेंड्स लीग आधिकारिक नहीं है क्योंकि उसे आईसीसीस और भारतीय बोर्ड से मंजूरी नहीं है। वहीं एशिया कप एसीसी के तहत होने वाला आधिकारिक टूर्नामेंट है। 14 सितंबर से शुरू होने जा रहे एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में है और इन दोनों टीमों के 21 सितंबर को भी सुपर फोर मैच में मुकाबला होगा। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई से खेलेगी। उसके सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे। इसमें भारत, पाकिस्तान और ओमान को ग्रुप ए में रखा गया है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रुप बी में हैं।

डीसी ओपन टेनिस

अमेरिका में डीसी ओपन टेनिस में अमेरिका की अना केलिनसकाया मैच अंक मिलने पर उत्साहित होती हुई।

मांडविया ने करगिल नायकों के सम्मान में संडे ऑन साइकिल का नेतृत्व किया

नई दिल्ली,27 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में फिटनेस और देशभक्ति की भावना का जश्न मनाते हुए संडे ऑन साइकिल अभियान का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), गुजरात विद्यापीठ के कर्मियों, स्थानीय साइकिलिंग समूहों और फिटनेस प्रेमियों सहित 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। संडे ऑन साइकिल पहल एक साथ 6,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित करके लोगों को कारगिल युद्ध के नायकों को सलाम करने तथा एक स्वस्थ, फिट भारत को बढ़ावा देने के दोहरे मिशन में एकजुट किया गया। खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि हर साल 26 जुलाई को हम कारगिल विजय दिवस पर अपने सैनिकों की बहादुरी का सम्मान करते हैं। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आज हमने गर्व के साथ अपने सशस्त्र बलों के साथ संडे ऑन साइकिल अभियान में हाथ मिलाया है।

मुझे अपने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए हमारे सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के साथ साइकिल चलाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत का विजन स्वस्थ भारत से शुरू होता है। जब लोग शारीरिक रूप से फिट होते हैं, तो उनका मानसिक और भावनात्मक लचीलापन भी बढ़ता है और ऐसे व्यक्तियों से बना राष्ट्र अजेय बन जाता है। फिटनेस केवल शरीर के बारे में नहीं है, यह जीवन जीने का एक तरीका है जो अनुशासन, ध्यान और उद्देश्य को बढ़ावा देता है। मैं प्रत्येक नागरिक से आग्रह करता हूं कि वह प्रतिदिन कम से कम एक घंटा साइकिल चलाने या शारीरिक गतिविधि के लिए समर्पित करें। जब हम एक साथ चलते हैं, तो हम एक साथ बढ़ते हैं। एक फिट भारत एक एकजुट भारत है और साथ मिलकर हम एक मजबूत, स्वस्थ, अधिक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे। इधर, दिल्ली में यह कार्यक्रम कनॉट प्लेस में आयोजित किया गया। यहां संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में 1,000 से ज़्यादा लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में शामिल कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक कर्नल बख्शी ने कहा कि इस पहल ने हर उम्र के लोगों को एक साथ लाया है।

क्रिकेट से दूर रहकर भी करोड़ों की कमाई कर रहे हैं चहल

नई दिल्ली,27 जुलाई (एजेंसियां)।

टीम इंडिया से लगभग दो साल से बाहर चल रहे अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह क्रिकेट नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी है। हाल ही में चहल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आए और उसके बाद वह अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड आरजे महवश के साथ लंदन की सड़कों पर घूमते दिखाई दिए। दोनों की एकसाथ कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिससे उनके रिश्ते की चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद चहल की कमाई में कोई कमी नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 वर्षीय चहल की कुल संपत्ति करीब 45 करोड़ रुपये है। वह बीसीसीआई के सालाना अनुबंध में ग्रेड सी के तहत थे, जिससे उन्हें एक करोड़ रुपये तक की सैलरी मिलती थी, हालांकि अब वह उस कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, विज्ञापन और निजी निवेशों के जरिए

चहल हर महीने लाखों की कमाई कर रहे हैं। वह इनकम टैक्स विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर भी कार्यरत हैं, जहां उनकी सैलरी करीब 44,900 से 1,42,400 रुपये मासिक मानी जाती है।

चहल का गुरुग्राम में एक आलीशान घर भी है जिसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उन्होंने हाई टाइम्स सॉल्यूशंस की चेकमेट सर्विस, ग्रिप फिटनेस ऐप और यूजो फैशन ब्रांड में भी निवेश कर रखा है। चहल ने 13 अगस्त 2023 को आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। उन्होंने अपने करियर में 72 वनडे में 121 और 80 टी20 में 96 विकेट झटके हैं। वहीं, आईपीएल में वह अब तक 174 मैचों में 221 विकेट ले चुके हैं, जो एक रिकॉर्ड है। चहल ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स, आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला है।

कुलदीप को बल्लेबाजी संतुलन की भेंट चढ़ा रहे चयनकर्ता : मोर्कल

नई दिल्ली। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं, तब हर किसी को स्पिनर कुलदीप यादव की कमी खली। सीरीज में अब तक एक भी मैच न खेलने वाले कुलदीप की चर्चा हर मुकाबले से पहले होती है, लेकिन टीम चयन में उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन मैचों के बाद भारत 2-1 से पीछे है और चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने पहली पारी में 544 रन ठोक डाले, जिससे कुलदीप की गैरमौजूदगी पर सवाल और भी तेज हो गए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कुलदीप को न खिलाने की असल वजह स्पष्ट की। मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उनका कहना था कि टीम ने पिछले मैचों में कई बार बल्लेबाजी में जल्दी विकेट गंवाए हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने माना कि कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन फिलहाल टीम संयोजन में उन्हें फिट कर पाना मुश्किल हो रहा है।

विज़ एलईडी एलएलपी: वैश्विक तकनीक और कम बिजली खपत के साथ प्रकाश समाधान में अग्रणी

हैदराबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। हैदराबाद स्थित उन्नत प्रकाश और विद्युत समाधानों में अग्रणी कंपनी, विज़ एलईडी एलएलपी, भारत के लाइटिंग उद्योग में उल्लेखनीय प्रगति कर रही है। जर्मन और जापानी तकनीक को ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ जोड़कर, कंपनी टिकाऊ और स्मार्ट लाइटिंग के लिए नए मानक स्थापित कर रही है।

2016 में स्थापित, विज़ एलईडी ने गुणवत्ता, नवाचार और विश्वसनीयता के लिए तेजी से ख्याति अर्जित की है। हैदराबाद में अपने कॉर्पोरेट मुख्यालय और रंगारेड्डी जिले के आईडीए मनखल में अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा के साथ, कंपनी में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता वाले इंजीनियरों सहित 100 से अधिक कुशल पेशेवर कार्यरत हैं। विज़ एलईडी ने 50 करोड़ रुपये से अधिक का प्रभावशाली वार्षिक टर्नओवर दर्ज किया है, जो घरेलू और वैश्विक बाजारों में इसके तेजी से विस्तार को दर्शाता है।

अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए, विज़ एलईडी एलएलपी के सीईओ श्री अली अब्दुल्ला ने पूरे भारत में कंपनी की उपस्थिति का विस्तार करने की योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा:

हम देश के हर प्रमुख शहर में शाखाएँ खोलने की दिशा में काम कर रहे हैं। विज़ एलईडी में, हम कुशल, सौंदर्यपूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल एकीकृत प्रकाश समाधान प्रदान करने के लिए टीम वर्क और सहयोगात्मक नवाचार में विश्वास करते हैं।

श्री अब्दुल्ला ने आगे कहा कि कंपनी ओसराम, फिलिप्स, पैनासोनिक और जीई इलेक्ट्रिकल जैसे वैश्विक लाइटिंग दिग्गजों के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि जल्द ही वे भारतीय बाजार में जर्मनी निर्मित विद्युत और लाइटिंग उत्पादों को पेश करेंगे। उनका लक्ष्य ऐसी उन्नत तकनीक को बड़े पैमाने पर बाजार में लाने वाली पहली भारतीय कंपनी बनना है।विज़ एलईडी की सफलता का मूल इसका बहुमुखी और ऊर्जा-कुशल उत्पाद पोर्टफोलियो है, जिसे वाणिज्यिक, औद्योगिक, खुदरा और लैंडस्केप अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। सभी उत्पाद कम बिजली खपत के साथ बेहतर चमक और स्थायित्व बनाए रखने के लिए बनाए गए हैं, जिससे पारंपरिक लाइटिंग सिस्टम की तुलना में 60-80% तक की ऊर्जा बचत होती है।

कंपनी के प्रमुख ग्राहकों में टाटा टी, जीएमआर ग्रुप, मायस्पेस डेवलपर्स और अंकुरा हॉस्पिटल्स जैसे प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में इसकी विश्वसनीयता को दर्शाते हैं।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, विज़ एलईडी सिर्फ रोशनी नहीं बना रही है, हम एक टिकाऊ भविष्य को आकार दे रहे हैं। हमारा लक्ष्य हरित तकनीक और कम बिजली खपत पर लगातार ध्यान केंद्रित करते हुए भारत के स्मार्ट शहरों, बुनियादी ढाँचे के विकास और पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों का समर्थन करना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हैदराबाद के लोग...

संक्रमित ताड़ी में नशीली दवा मिलाए जाने से वह अत्यंक घातक हो गई। हालांकि प्रशासन का कहना है कि हैदरनगर, शमशीगुड़ा और केपीएचबी कॉलोनी की ताड़ी की तीन दुकानों को सील कर दिया गया है और ताड़ी के सैम्पल की जांच की जा रही है। मृतकों के रक्त के नमूने भी एफएसएल भेजे गए हैं।

ताड़ और खजूर के पेड़ों से निकला रस तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के ग्रामीण समुदायों का लोकप्रिय पेय है। ताड़ी को तेलुगु क्षेत्र में कल्लू कहा जाता है। ग्रामीण इलाकों के लोग ताड़ से निकली ताड़ी को कल्लू और खजूर से निकली ताड़ी को ईठा कल्लू कहते हैं। कल्लू में फर्मेंटेशन जल्दी शुरू हो जाता है और इसमें हानिकारक बैक्टीरिया के संक्रमण का खतरा हमेशा बना रहता है, इसलिए यह पेय पदार्थ जानलेवा हो जाता है। ताड़ी जमा करने वाले पात्रों के खुले में टंगे होने के कारण उसे खास तौर पर चमगादड़ जूठा कर देते हैं, जिसके कारण ताड़ी में निपाह वायरस का संक्रमण तेजी से होता है। चमगादड़ निपाह वायरस के सबसे खतरनाक वाहक होते हैं। जिन दिनों हैदराबाद में संक्रमित ताड़ी पीने से लोगों की धड़ाधड़ मौतें हो रही थीं, उन्हीं दिनों यानि 12 जुलाई को केरल के पलक्कड़ जिले में 52 साल के एक व्यक्ति को ताड़ी पीने के बाद निपाह वायरस से संक्रमित पाया गया। तभी स्वास्थ्य विज्ञान के गलियारे से यह सुगबुगाहाट निकली कि दक्षिण भारत में निपाह वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। पलक्कड़ जिले का मामला निपाह वायरस के संक्रमण के ऐसे 46 मामलों में से एक था। केरल के पलक्कड़ और मलप्पुरम जिलों में निपाह संक्रमण के चार ऐसे मामले सामने आए, जिनमें दो रोगियों की देखते-देखते मौत हो गई। दो का इलाज चल रहा है। कुल मिला कर केरल में निपाह वायरस ने अब तक 11 लोगों की जान ली है।जैव-तकनीक से संबद्ध एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि निपाह वायरस (एनआईवी) अत्यधिक रोगजनक जूनोटिक वायरस है, जो संक्रमित इंसानों में 75 प्रतिशत से अधिक मामलों में मौत का कारण बनता है। टेरोपोडिडे परिवार के फल चमगादड़ इस वायरस के प्राकृतिक भंडार-वाहक हैं। यानि चमगादड़ों में यह वायरस स्वाभाविक रूप से रहता है और ताड़ी में मुंह लगाने या फल जूठा करने से यह वायरस मनुष्यों तक पहुंच जाता है। चमगादड़ों के मूत्र या लार से दूषित ताड़ी के रस के सेवन से मनुष्य निपाह वायरस से संक्रमित हो जाते हैं। जीव वैज्ञानिक ने कहा कि सुअरों या घोड़ों से भी निपाह वायरस आ सकता है। दक्षिण भारत के केरल में तो वर्ष 2018 में भी 17 लोगों की मौत निपाह वायरस से संक्रमित होने के कारण हो गई थी। तेलंगाना में आधाकारिक तौर पर अभी तक निपाह वायरस का कोई सक्रिय प्रकोप सामने नहीं आया है। हालांकि वर्ष 2018 में तेलंगाना में निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले सामने आए थे, जिनके रक्त के नमूने पुणे में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) भेजे गए थे। उस समय भी केरल में निपाह वायरस का प्रकोप था और तेलंगाना में भी सतर्कता बरती जा रही थी।

देश के दुश्मनों...

प्रधानमंत्री ने मंदिर परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा आयोजित चोल शैव धर्म और वास्तुकला पर आधारित प्रदर्शनी का भी दौरा किया। इस प्रदर्शनी में चोल साम्राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत को दर्शाया गया था। इसके बाद पीएम मोदी को चोल मंदिर की तस्वीर और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह का एक मुख्य आकर्षण था राजेंद्र चोल-प्रथम की स्मृति में एक स्मारक सिक्के का विमोचन। इस सिक्के के जरिए चोल साम्राज्य के इस महान सम्राट की उपलब्धियों को सम्मान दिया गया। राजेंद्र चोल-प्रथम (1014-1044 ई.) ने अपने शासनकाल में चोल साम्राज्य को दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया तक विस्तारित किया था। उनकी समुद्री यात्रा और सैन्य विजयों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक शक्तिशाली साम्राज्य के रूप में स्थापित किया था। गंगईकोंडा चोलपुरम को उन्होंने अपनी शाही राजधानी बनाया और वहां भव्य मंदिर का निर्माण करवाया, जो आज भी उनकी दूरदर्शिता और स्थापत्य कौशल का प्रतीक है।

यह समारोह आदि तिरुवथिरई महोत्सव का हिस्सा था, जो 23 जुलाई से शुरू हुआ और 27 जुलाई को समाप्त हुआ। यह उत्सव तमिल शैव भक्ति परंपरा का प्रतीक है, जिसे चोल शासकों ने विशेष रूप से प्रोत्साहित किया था। इस परंपरा को 63 नयनमार संतों और उनकी भक्ति कविताओं ने और समृद्ध किया। इस साल यह उत्सव और भी खास था क्योंकि यह राजेंद्र चोल की जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई (अर्द्रा) के साथ मेल खाता था। समारोह में शिवाचार्य और ओथुव (शिव भजनों में पारंगत गायक) ने भक्ति भजनों के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया, जिससे माहौल और भी आध्यात्मिक हो गया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में चोल साम्राज्य को भारत के स्वर्णिम युगों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि राजेंद्र चोल और उनके पिता राजराजा चोल ने भारत की सांस्कृतिक और सैन्य शक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। चोल साम्राज्य ने न केवल भारत में, बल्कि श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक व्यापार और कूटनीतिक संबंध स्थापित किए। पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि चोल शासकों ने भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोया था और उनकी सरकार भी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन के साथ उसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसे आयोजनों का जिक्र किया, जो भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने का प्रयास हैं।

पीएम मोदी ने यह भी बताया कि नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान तमिल शैव परंपरा के संतों ने आध्यात्मिक नेतृत्व किया था और तमिल संस्कृति से जुड़े पवित्र सेंगोल को संसद में स्थापित किया गया। यह क्षण भारत की सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने चोल साम्राज्य की सैन्य और प्रशासनिक उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने बताया कि राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना की नींव रखी, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया। चोल साम्राज्य ने कुडवोलाई अमैप्पु प्रणाली के जरिए लोकतांत्रिक चुनाव की शुरुआत की थी, जो उस समय की वैश्विक मान्यताओं से कहीं आगे थी। पीएम मोदी ने यह भी उल्लेख किया कि चोल शासकों ने जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को महत्व दिया था। राजेंद्र चोल ने गंगा जल को उत्तर भारत से दक्षिण भारत लाकर चोल गंगा झील (अब पोन्नेरी झील) में स्थापित किया था, जिसे आज भी उनकी दूरदर्शिता का प्रतीक माना जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि चोल साम्राज्य की आर्थिक और रणनीतिक उपलब्धियां आज भी भारत को प्रेरित करती हैं। उन्होंने विकास भी, विरासत भी के मंत्र के साथ अपनी सरकार के प्रयासों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए मिशन मोड में काम किया है। विदेशों से चुराई गई 600 से अधिक प्राचीन मूर्तियां और कलाकृतियां भारत वापस लाई गई हैं, जिनमें से 36 तमिलनाडु की हैं। इनमें नटराज, लिंगोद्भव, दक्षिणामूर्ति और अर्धनारीश्वर जैसी मूर्तियां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि भारत की शैव दर्शनशास्त्र वैश्विक मंच पर भी मान्यता प्राप्त कर रहा है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत की सफल लैंडिंग के बाद उस स्थान को शिव-शक्ति नाम दिया गया, जो भारत की आध्यात्मिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों का प्रतीक है।

तमिलनाडु के अरियालुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में कहा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो भारत उसे उसी की भाषा में जवाब देना जानता है। इस ऑपरेशन ने साफ कर दिया है कि अब भारत के दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई जगह सुरक्षित नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब मैं हेलीपैड से यहां आया तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति और एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का अहसास होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि चोल काल में भारत ने जो आर्थिक और सैन्य ऊंचाइयां हासिल कीं, वे आज भी हमें प्रेरित करती हैं। उन्होंने प्राचीन भारत के राजाओं की दूरदर्शिता को रेखांकित करते हुए कहा कि राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना का निर्माण किया, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी बात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा तमिलनाडु के लोगों के लिए एक यादगार पल रहा, जिसमें उन्होंने चोल शासकों की उपलब्धियों को नमन किया और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के अपने विजन को दोहराया। यह समारोह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के मंत्र को और मजबूत करने का एक शानदार अवसर साबित हुआ। पीएम मोदी ने कहा, चोल साम्राज्य विकसित भारत के लिए एक प्राचीन रोडमैप की तरह है। यह हमें बताता है कि अगर हमें विकसित भारत बनाना है, तो हमें अपनी नौसेना, रक्षा बलों को मजबूत करना होगा और नए अवसरों की तलाश करनी होगी। मुझे खुशी है कि आज काशी से गंगाजल एक बार फिर यहां लाया गया है। मैं काशी का जनप्रतिनिधि हूं और मेरा मां गंगा से विशेष जुड़ाव है। चोल राजाओं के कार्य और उनसे जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएं एक भारत, श्रेष्ठ भारत के महायज्ञ को नई ऊर्जा नई शक्ति और नया उत्साह देती हैं। प्रधानमंत्री ने चोल सम्राटों की विरासत को भारत की एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि भगवान बृहदेश्वर के चरणों में पूजा करने का सौभाग्य मुझे मिला। मैंने 140 करोड़ देशवासियों की भलाई और भारत की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद मिले। यह मंदिर चोल वंश की स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है और पीएम मोदी की यह यात्रा भारत की सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का प्रतीक मानी जा रही है।

कुछ पड़ोसियों के...

गृह मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंच गई है और भारत अब नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, स्टार्टअप, हरित ऊर्जा और नवाचारों में विश्व में अग्रणी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का बढ़ता कद आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को जन्म देगा। शाह ने रणनीति विकसित करने, उन्हें लागू करने और निगरानी करने के लिए केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की समरूप टीमों के गठन का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने तथा उनका समाधान निकालने के लिए प्रत्येक राज्य में युवा पुलिस अधिकारियों को शामिल करने का भी निर्देश दिया।

शाह ने युवा अधिकारियों को सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल करके उनमें नेटग्रिड, निदान, आईएमओटी और सीबीआई के भगोड़े डाटाबेस जैसे राष्ट्रीय डाटाबेस के उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया। गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अगले 5-10 वर्ष देश के विकास और सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण होंगे। वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई), पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर क्षेत्रों में उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्होंने डीजीएसपी से तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन और मादक पदार्थों की चुनौती से निपटने के लिए समान दृष्टिकोण अपनाने को कहा। उन्होंने बड़े ड्रग कार्टेलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने में ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की भी वकालत की, साथ ही नार्को अपराधियों के प्रत्यर्पण पर भी ध्यान केंद्रित करने की बात कही। शाह ने पुलिस महानिदेशकों को निर्देश दिया गया कि वे नशा मुक्त भारत की दिशा में अगले तीन वर्षों के लिए इसे पुलिस का प्रमुख एजेंडा बनाएं। उन्होंने इस बात का उल्लेख करते हुए कि पुलिस स्टेशन खुफिया जानकारी एकत्र करने का केंद्रबिंदु है, पुलिस नेतृत्व से पुलिस स्टेशन स्तर तक वास्तविक समय की जानकारी साझा करने के लिए एक विश्वसनीय मंच विकसित करने का आह्वान किया।

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए शाह ने पुलिस महानिदेशकों से राज्य प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जमीनी स्तर पर 300 से अधिक केंद्रीय और राज्य विकास योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। देश की समुद्री सीमाओं पर छोटे बंदरगाहों को सुरक्षित करने के महत्व को रेखांकित करते हुए शाह ने घुसपैठ और तस्करी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए राज्य पुलिस की क्षमता निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने आतंकवाद विरोधी पहल की भी समीक्षा की तथा बार-बार अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शाह ने इस दौरान आतंकवादी वित्तपोषण तंत्र की समीक्षा की। उन्होंने एजेंसियों को वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित जानकारी का विश्लेषण कर आतंकी मॉड्यूल का पता लगाने का निर्देश दिया। इसके अलावा पुलिस से केवल स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल सुनिश्चित करने को कहा गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित हुआ। इसमें भौतिक और वर्चुअल उपस्थिति दोनों प्रारूप शामिल था। सम्मेलन में देशभर से लगभग 800 अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के डीजीपी, युवा पुलिस अधिकारी और विशेष क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल थे। ये सभी अपने-अपने राज्य की राजधानियों से वर्चुअल मोड के माध्यम से सम्मेलन में शामिल हुए और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

सालभर में 22...

इससे जॉनी वॉकर ब्लैक लेबल, ग्लेनफिडिक जैसी प्रीमियम व्हिस्की आम ग्राहकों की पहुंच में आ सकती हैं। स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के अनुसार भारत में कर कटौती के साथ स्कॉच की बिक्री में 20-25 प्रतिशत की वृद्धि संभव है जो निर्यात लक्ष्यों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अनुसार भारत को शराब से सालाना 2.5 लाख करोड़ से अधिक का कर राजस्व प्राप्त होता है, जिसमें से बड़ा हिस्सा विदेशी ब्रांड्स से आता है। कीमतों में गिरावट से भले ही शुरुआती तौर पर कर संग्रह में कुछ कमी हो, लेकिन मांग में वृद्धि के चलते कुल बिक्री और अंततः राजस्व में दीर्घकालिक वृद्धि संभव है।

मिसाइल मैन...

अपने व्यवहार में नहीं आने दिया। बतौर वैज्ञानिक, उन्होंने भारत के रक्षा अनुसंधान और मिसाइल कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. कलाम की सोच को युवाओं के लिए मार्गदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम के विचार और जीवन-दर्शन देश के युवाओं को बेहतर नागरिक बनने और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने के लिए लगातार प्रेरित करते हैं। मोदी ने यह भी कहा कि कलाम का सपना था कि भारत 2020 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाए और उसी दिशा में आगे बढ़ने का हमारा कर्तव्य है।

अंग्रेजी का...

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और जस्टिस आलोक माहरा की खंडपीठ ने अंग्रेजी न बोल पाने के मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त और उत्तराखंड के मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वे जांच करें कि अंग्रेजी में बात न कर पाने वाला कोई अधिकारी क्या अपनी कार्यकारी जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से निभा सकता है? इस प्रकरण की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होनी है।विडंबना यह है कि अदालत द्वारा अंग्रेजी में बात न करने की वजह पूछे जाने पर अधिकारी ने स्पष्ट किया कि वे अंग्रेजी समझ सकते हैं लेकिन बोलने में समस्या होती है। इस पर पीठ ने सवाल उठाया कि क्या इस स्तर का अधिकारी, जो अंग्रेजी में बात करने में सक्षम नहीं है, वह उच्च स्तर के प्रशासनिक या संवैधानिक कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित कर सकता है?

अंतरिक्ष में...

हर बच्चा एक नया आइडिया लेकर आता है। इससे अब तक लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 मिशन के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, देश में स्पेस स्टार्ट-अप तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले देश में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज सिर्फ स्पेस सेक्टर में ही ये 200 से ज्यादा हो गए हैं। पीएम मोदी ने देश के नागरिकों से कहा, अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस-डे है। आप इसे कैसे मनाएंगे, कोई नया विचार है तो मुझे नमो एप पर जरूर भेजिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में भारत में विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में भारत के देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्जवल केसरी ने मेडल जीतकर देश का नाम रौशन किया। गणित की दुनिया में भी भारत अपनी जगह बना रहा है और इंटरनेशनल मेथमेटिकल ओलंपियाड में हमारे छात्र तीन गोल्ड, दो सिल्वर और एक कांस्य पदक जीत चुके हैं। अगले महीने मुंबई में एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स ओलंपियाड होने जा रहा है। यह अब तक का सबसे बड़ा ओलंपियाड होगा। भारत अब ओलंपिक और ओलंपियाड, दोनों के लिए आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गौरव के साथ उल्लेख करते हुए कहा, यूनेस्को ने 12 मराठा के किलों को वर्ल्ड हेरीटेज साइट्स के रूप में मान्यता दी है। इनमें 11 किले महाराष्ट्र के और एक तमिलनाडु का किला शामिल है। सल्हेर के किले में मुगलों की हार हुई थी। शिवनेरी में छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था। खानदेरी में समुद्र के बीच किला है। दुश्मन उन्हें रोकना चाहते थे, लेकिन शिवाजी महाराज ने असंभव को संभव करके दिखा दिया। प्रतापगढ़ के किले में अफजल खान पर जीत मिली। विजयदुर्ग में गुप्त सुरंगें थीं। छत्रपति शिवाजी महाराज की दूरदर्शिता का प्रमाण इस किले में मिलता है। कुछ साल पहले रायगढ़ के दौरे पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के सामने नमन करने का मुझे मौका मिला।

प्रधानमंत्री ने कहा, देश के और हिस्सों में भी ऐसे ही अद्भुत किले हैं, जिन्होंने आक्रमण झेले, खराब मौसम की मार झेली, लेकिन आत्मसम्मान को कभी भी झुकने नहीं दिया। राजस्थान का चित्तौड़गढ़ का किला, कुंभलगढ़ किला, रणथंभौर किला, आमेर किला, जैसलमेर का किला तो विश्व प्रसिद्ध है। कर्नाटक में गुलबर्गा का किला भी बहुत बड़ा है। चित्रदुर्ग के किले की विशालता भी आपको कौतूहल से भर देगी कि उस जमाने में ये किला बना कैसे होगा! उत्तर प्रदेश के बांदा में है कालिंजर किला। महमूद गजनवी ने कई बार इस किले पर हमला किया और हर बार असफल रहा। बुंदेलखंड में ऐसे कई किले हैं, ग्वालियर, झांसी, दतिया, अजयगढ़, गढ़कुंडार, चंदेरी। ये किले सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं है, ये हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं। संस्कार और स्वाभिमान, आज भी इन किलों की ऊंची-ऊंची दीवारों से झांकते हैं। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं, इन किलों की यात्रा करें, अपने इतिहास को जानें, गौरव महसूस करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने क्रांतिकारी खुदीराम बोस को खास तौर पर याद किया और कहा, 11 अगस्त 1209 को बिहार के मुजफ्फरपुर शहर के लोगों की सांसें थमी हुई थीं। लोगों की आंखों में आंसू थे, लेकिन दिलों में ज्वाला थी। लोगों ने जेल को घेर रखा था, जहां एक 18 साल का युवक अंग्रेजों के खिलाफ अपना देश-प्रेम व्यक्त करने की कीमत चुका रहा था। जेल के अंदर अंग्रेज अफसर एक युवा को फांसी देने की तैयारी कर रहे थे। उस युवा के चेहरे पर भय नहीं था, बल्कि गर्व से भरा हुआ था। वह वीर साहसी युवा थे, खुदीराम बोस। सिर्फ 18 साल की उम्र में उन्होंने वो साहस दिखाया, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। तब अखबारों ने भी लिखा था, खुदीराम बोस जब फांसी के फंदे की ओर बढ़े, तो उनके चेहरे पर मुस्कान थी। ऐसे ही अनगिनत बलिदानों के बाद, सदियों की तपस्या के बाद, हमें आजादी मिली थी। देश के दीवानों ने अपने रक्त से आजादी के आंदोलन को सींचा था।पीएम मोदी ने कहा, अगस्त का महीना इसलिए तो क्रांति का महीना है। 1 अगस्त को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि होती है। इसी महीने 8 अगस्त को गांधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई थी। फिर आता है 15 अगस्त हमारा स्वतंत्रता दिवस। हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हैं, उनसे प्रेरणा पाते हैं, लेकिन साथियो, हमारी आजादी के साथ देश के बंटवारे की टीस भी जुड़ी हुई है, इसलिए हम 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसन के रूप में मनाते हैं।

बिहार में सफाई ...

सुझाव देगा तथा सफाई कार्यों में लगे लोगों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उसे लागू करवाने हेतु समुचित कार्रवाई करेगा। आयोग की संरचना के संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक महिला/ट्रांसजेंडर होंगे। यह आयोग राज्य में सफाई कार्यों से जुड़े समाज के वंचित वर्ग के लोगों को मुख्यधारा में जोड़ने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

टीएमसी के राज...

की यह पटकथा ममता बनर्जी के राज से पहले वामपंथियों ने लिख दी थी। लेकिन ममता बनर्जी ने इस पटकथा को अंतिम रूप दिया है और उद्योग-धंधों में इजाफा करने के बजाय उनके ताबूत में आखिरी कील ठोंकने की कसर पूरी कर दी है।

राज्यसभा में मानसून सत्र के दौरान भाजपा के पश्चिम बंगाल अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने पश्चिम बंगाल पर एक प्रश्न पूछा। उनके उत्तर में केंद्र सरकार के कारपोरेट मामलों के मंत्रालय ने बताया है कि वर्ष 2011-12 से वर्ष 2024-25 के बीच पश्चिम बंगाल से 6688 कंपनियां राज्य छोड़ कर गई हैं। मंत्रलाय के उत्तर के अनुसार, इनमें से एक तिहाई यानी 2200 से अधिक कंपनियां वर्ष 2019 के बाद से राज्य छोड़ कर गई हैं। यह ट्रेंड 2011 में टीएमसी के सत्ता में आने के बाद से लगातार जारी है। मंत्रालय के अनुसार, पश्चिम बंगाल छोड़ने वाली 6688 कंपनियों में से 110 कंपनियां ऐसी थीं जो शेयर बाजार में भी सूचीबद्ध थीं।

मंत्रालय का डाटा बताता है कि 2017-18 के दौरान सबसे अधिक 1027 कंपनियों ने पश्चिम बंगाल छोड़ा है। 2015-16 और और 2016-17 के दौरान क्रमशः 869 और 918 कंपनियों ने पश्चिम बंगाल से कारोबार समेटा है। कारपोरेट मंत्रालय के उत्तर के अनुसार, पश्चिम बंगाल छोड़ने वाली कंपनियां दूसरे राज्यों में जा रही हैं। इनका पलायन ऐसे राज्यों में हो रहा है, जहां उद्योग को लेकर नीतियां सरल हैं और उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। 2011-25 के बीच पश्चिम बंगाल छोड़ कर सर्वाधिक कंपनियां महाराष्ट्र गईं हैं।

इसके अलावा दिल्ली और उत्तर प्रदेश उनकी पसंदीदा लोकेशन में शामिल हुए हैं। कारपोरेट मंत्रालय का उत्तर बताता है कि पश्चिम बंगाल छोड़ने वाली 1300 से अधिक कंपनियां 2011-25 के बीच महाराष्ट्र गईं हैं। वहीं 1297 ने दिल्ली को चुना है। इसके अलावा 879 कंपनियां पश्चिम बंगाल छोड़ कर उत्तर प्रदेश में गई हैं। छत्तीसगढ़, गुजरात और राजस्थान भी 1000 से अधिक कंपनियां पश्चिम बंगाल से छीनने में सफल रहे हैं। हालांकि इसका तृणमूल सरकार पर कोई असर नहीं दिखाई पड़ता है। वह उद्योग धंधों को राज्य में लाने के बजाय उन्हें और राज्य से निकालने पर तुली दिखाई पड़ती है।

पश्चिम बंगाल में दशकों से व्यापार करने वाली कंपनियां एक ओर राज्य छोड़ रही हैं तो वहीं हाल ही में बनर्जी की सरकार ने कुछ ऐसा किया है, जिससे यह पलायन और तेज हो सकता है। अप्रैल, 2025 में राज्य की ममता सरकार ने उद्योगों को लाभ पहुंचाने वाली सभी सरकारी योजनाओं को बंद कर दिया था। उद्योग-धंधों को लुभाने के लिए 1993 से लेकर 2021 तक बनाई गई सभी नीतियां एक झटके में राज्य सरकार ने खत्म कर दी थीं। इसका असर यह होगा कि राज्य में कोई भी उद्योग स्थापित करने पर किसी कारोबारी को कोई लाभ नहीं मिलेगा। चाहे वह जमीन से जुड़ा हो, बिजली से जुड़ा हो या फिर अन्य किसी एंगल से।ममता सरकार ने उद्योग धंधों को यह फायदे देने इसलिए बंद किए थे, ताकि वह सामाजिक कार्यों के लिए और पैसा सरकारी खजाने से मुक्त कर सके। इसका अर्थ है कि ममता सरकार उद्योग धंधों को बंद करके लोगों को और खुद पर निर्भर करना चाहती है। पश्चिम बंगाल के इस कदम से कई सीमेंट कंपनियां बड़ा झटका झेलेंगी। इनमें डालमिया जैसे देश के पुराने और विशाल कारोबारी घराने भी शामिल हैं। यह नुकसान 500 करोड़ तक का बताया गया था। उद्योग धंधों को कोई भी लाभ न देने का यह कदम पश्चिम बंगाल सरकार ने ऐसे समय में उठाया है जब बाकी राज्य उनके लिए बांहें खोल कर खड़े हैं। कहीं 1 रुपए में जमीन दी जा रही है तो कहीं पूरे-पूरे नए शहर बनाए जा रहे हैं, ताकि उद्योग-धंधे उनके यहां आ सकें।

पश्चिम बंगाल में पुरानी कंपनियां तो बाहर जा रही हैं, नया निवेश भी सिर्फ घोषणाओं और कागजों में ही आ रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया था कि जनवरी-नवमबर 2024 में पश्चिम बंगाल में 39 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए थे। उन्होंने दावा किया था कि यह देश में तीसरा सर्वाधिक है। केंद्र सरकार के एक और विभाग की एक रिपोर्ट इस दावे की सच्चाई खोलती है। भले ही राज्य में बड़े-बड़े निवेश के वादे किए गए हो लेकिन असल में यह वादों के मुकाबले कहीं नहीं ठहरता। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2024 में नवंबर माह तक 3735 करोड़ के निवेश ही हुए थे जबकि वादा कहीं अधिक था।

पश्चिम बंगाल औद्योगिक निवेश के मामले में भी बाकी राज्यों के सामने कहीं नहीं ठहरता। रिपोर्ट बताती है कि 2020-24 के बीच जहां उत्तर प्रदेश में 71 हजार करोड़ से अधिक का निवेश हुआ है तो वहीं इस दौरान पश्चिम बंगाल मात्र 15 हजार करोड़ का ही निवेश आकर्षित करने में सक्षम रहा। निवेश आकर्षित करने के मामले में वह झारखंड तक से पीछे है। पश्चिम बंगाल छोड़ने का सिलसिला लगातार जारी ही रहा है। 2024 में राज्य में ब्रिटानिया ने अपनी दशकों पुरानी बिस्किट फैक्ट्री को ताला लगा दिया था। यह फैक्ट्री कोलकाता के पास स्थापित थी। इसी तरह कई जूट मिलें भी राज्य में बंद हो चुकी हैं, या फिर अंतिम सांसें गिन रही हैं।

ब्रांड्स के बंगाल छोड़ने का सिलसिला कोई नया नहीं है। असल में ममता बनर्जी के राजनैतिक करियर का सबसे बड़ा मोड़ यही एक कारण रहा है। 2008 में राज्य को टाटा मोटर्स ने छोड़ा था, वह सिंगूर में नैनो की फैक्ट्री लगा रहा था। लेकिन ममता बनर्जी के लगातार विरोध के चलते उसे बनी-बनाई फैक्ट्री उखाड़नी पड़ी और गुजरात भागना पड़ा। ममता बनर्जी इसी सिंगूर के आंदोलन के बाद ही राज्य में बड़ी जीत हासिल कर पाईं और सत्ता में तीन दशक से अधिक से जमे बैठे कम्युनिस्टों की जगह ली। हालांकि, जिस नेता के सत्ता में आने का कारण ही किसी उद्योग का विरोध रहा हो, उससे उद्योग समर्थक नीति की उम्मीद करना बेईमानी है।

इसी बंगाल में कभी आदित्य बिरला को उनकी गाड़ी से खींच कर सड़क पर पीटा गया था और उन्हें अपमानित किया गया था। इसके बाद उन्होंने अपना कारोबार समेट लिया। यही हाल और भी उद्योग घरानों का हुआ। पश्चिम बंगाल से उद्योग धंधों का पलायन राज्य ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल देश में चौथा सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है लेकिन इसका देश के औद्योगिक आउटपुट में मात्र 3.5 प्रतिशत हिस्सा है। इसमें पीछे होने के चलते राज्य में भारी बेरोजगारी की समस्या है।

अवैध घुसपैठियों का पश्चिम बंगाल में आना इस समस्या को और भीषण बनाता है। राज्य में आए दिन होते दंगे और बहुसंख्यक आबादी पर हमले भी ब्रांड्स के घटते विश्वास का कारण बने हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था की दयनीय स्थिति के चलते कोई बड़ी कम्पनी निवेश नहीं करना चाहती। यही कारण है कि 1960 के दशक में जिस पश्चिम बंगाल का देश की जीडीपी में 10 प्रतिशत से अधिक योगदान था, वह अब मात्र 5 प्रतिशत तक आकर टिक गया है। उससे छोटे राज्य उससे आगे निकलने वाले हैं। यदि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार का यही रवैया रहा तो इससे बाकी देश भी प्रभावित होगा।

जोधपुर में...

की अंतर-संचालन क्षमता और संयुक्त प्रशिक्षण क्षमताओं को बढ़ाना है। इससे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग मजबूत होगा।

मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अर्जुन गणपति भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे जबकि 42वीं सिंगापुर आर्मर्ड रेजिमेंट के बटालियन कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल खिव झी यूंग सिंगापुर के पक्ष का नेतृत्व करेंगे। 340वीं (1) मैकेनाइज्ड ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर प्रीतम और 4 सिंगापुर आर्मर्ड ब्रिगेड के कमांडर कर्नल वोंग ज़ेंग यू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।42 सिंगापुर बख्तरबंद रेजिमेंट द्वारा भारतीय टुकड़ी को रेजिमेंटल ध्वज का प्रतीकात्मक हस्तांतरण भी किया जाएगा। यह अभ्यास की अवधि में भारतीय गठन को कमान के औपचारिक हस्तांतरण का प्रतीक होगा। एक्सरसाइज बोल्ड कुरुक्षेत्र 2025 भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगा तथा सामरिक और रणनीतिक दोनों स्तरों पर आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
सभी वैष्णवों एवं सनातनियों से विशेष अनुरोध है कि वे अपनी कमाई का नहीं बल्कि अपने दैनिक खर्च, वैवाहिक खर्च, जन्म दिन, वैवाहिक वर्षगाँठ एवं मंगल प्रसंगों पर होने वाले खर्च का 1% अपनी गोमाता की रक्षा, सेवा व चारा – आहार के लिए योगदान दें।
जय गो माता – जय गोपाल
9849467807
9246532277
Scan for Donation

अग्रसेन बैंक की अमीरपेट में 8वीं शाखा उद्घाटित

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रसेन बैंक ने रविवार, दि. 27 जुलाई को अमीरपेट में, होटल ग्रीन पार्क के सामने अपनी 8वीं शाखा का उद्घाटन किया। इस शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि डी. श्रीधर बाबू (तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, उद्योग और वाणिज्य, तथा विधायी मामलों के मंत्री) ने किया। इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, रामभरोसे गुप्ता, अशोक कुमार सोमानी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों, निदेशकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, डी. श्रीधर बाबू ने बैंक को अपनी उपस्थिति तेजी से बढ़ाने के लिए बधाई दी। उन्होंने बैंक द्वारा समाज की सेवा के लिए आकर्षक जमा योजनाओं और विभिन्न ऋण सुविधाओं की पेशकश करने की सराहना की। मंत्री ने साइबर धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, आज के डिजिटल युग में, ग्राहकों की सुरक्षा और विश्वास सुनिश्चित करने के लिए बैंकों को अपनी साइबर सुरक्षा को और मजबूत करना होगा।

स्ट्रॉन्ग रूम और सेफ डिपॉजिट लॉकर सुविधा का उद्घाटन

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने स्ट्रॉन्ग रूम और सेफ डिपॉजिट लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया। इस सुविधा के शुरू होने से ग्राहकों को अपनी कीमती वस्तुओं को सुरक्षित रखने का एक भरोसेमंद विकल्प मिलेगा।

अन्य बैंकिंग सुविधाओं का शुभारंभ

रामभरोसे गुप्ता और अशोक कुमार सोमानी ने अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिसमें डिजिटल बैंकिंग, ऋण सुविधाएँ, और ग्राहक सेवा केंद्र शामिल हैं। ये सुविधाएँ ग्राहकों को आधुनिक और सुविधाजनक बैंकिंग अनुभव प्रदान करेंगी।

बैंक की भविष्य की योजनाएँ

बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने बताया कि अग्रसेन सहकारी शहरी बैंक नई ऊँचाइयों को छूने के लिए तैयार है। उन्होंने घोषणा की कि बैंक आगामी महीनों में तीन और नई शाखाएँ खोलेगा। जिसमें–

गगनपहाड़: 3 अगस्त 2025, **कुकटपल्ली:** 10 अगस्त 2025 **और माधापुर:** सितंबर 2025 शामिल हैं।

श्री केडिया ने यह भी बताया कि बैंक ने 30 जून 2025 तक 1050 करोड़ रुपए का व्यवसाय हासिल कर लिया है और वे इस वित्तीय वर्ष (31 मार्च 2026 तक) में 1300 करोड़ रुपए के व्यवसाय आकार को प्राप्त करने के लिए आश्वस्त हैं।

समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

उद्घाटन समारोह में बैंक के निदेशक मंडल के सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें– सीए नवीन कुमार अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), सुरेश कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), नारायण दत्त (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष), निदेशक: नरसिंग दास, गोपाल चंद अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया, श्रीमती अपूर्वा अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल शामिल थे।

विशेष आमंत्रित अतिथियों में सर्वश्री बीटी शाह, सुरेश जैन, अरुण डकोटिया, राज कुमार अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, विकास कुंचाल, नरेश अग्रवाल, हजारीलाल केडिया, सुशील अग्रवाल, संजय पंसानी, हेमंत सोमानी, सीए भास्कर राव और वेंकट राव आदि शामिल थे।

समारोह में बैंक के महाप्रबंधक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीवी राव, उप महाप्रबंधक आनंद अग्रवाल, सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक और बैंक के सभी कर्मचारी उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी विशेष बना दिया।

बैंक की प्रतिबद्धता

अग्रसेन बैंक समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ और आधुनिक बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नई शाखाओं के खुलने और व्यवसाय के विस्तार के साथ, बैंक तेलंगाना में अपनी मजबूत उपस्थिति को और सुदृढ़ करने की दिशा में अग्रसर है।

रविवार को, हरिबाउली, शालिबंधा स्थित श्री अक्कन्ना मदनन्ना महाकाली मंदिर में मंदिर समिति के उपाध्यक्ष एम. कृष्णा और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा मारु बोनम अर्पित किया गया। इस अवसर पर, महाकाली माता का सुबह महा अभिषेक, विशेष अलंकरण, अर्चना और आरती की गई। इसके बाद, 'मारु बोनम' चढ़ाया गया, जिसमें मंदिर समिति के आयोजन सचिव एस.पी. क्रांति कुमार और अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

मां बनभौरी परिवार, भाग्यनगर ने भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित कावड़ यात्रा का स्वागत पिलर नं. 92 पर किया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य सुशील मित्तल, रमेश मित्तल, अनूप गर्ग, सज्जन गुप्ता, सुभाष सिंघल, संजीव गर्ग और विनोद गर्ग मौजूद रहे।

सीरवी समाज मिंत्र मडल हैदराबाद की श्रावण की सैर सम्पन्न

महिला मंडली ने भजन प्रस्तुत किए, प्रसादी का लाभ लिया

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज मिंत्र मडल हैदराबाद ने गांव निंबली (मांडा) में श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीराम लिंगेश्वर स्वामी मंदिर, केसरागुट्टा में भव्य श्रावण की सैर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत महिला मंडली द्वारा भजन प्रस्तुति के साथ हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। भजनों के बाद उपस्थित समाज बंधुओं ने प्रसादी का लाभ लिया।

इस अवसर पर सीरवी समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से – जयराम पंवार (अध्यक्ष, सीरवी समाज बालाजी नगर बडेर), नारायणलाल बर्फा (उपाध्यक्ष), मांगीलाल सोलंकी, नरेश सोलंकी, दिनेश सोलंकी (डूंगाराम), कुनाराम, ख़ुमाराम सोलंकी, नेमाराम सोलंकी, रताराम सोलंकी, प्रतापराम सोलंकी, उत्तम काग, मूलाराम सोयल, बाबूलाल मुलेवा, लखाराम गहलोत, ओगड़राम सैणचा, तुलसाराम राठौड़, लखाराम सोलंकी, चौथाराम भायल, दुर्गाराम परिहार, रमेश भायल सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।

श्रावण मास के इस धार्मिक आयोजन ने समाज बंधुओं में भक्ति, एकता और सामूहिक सौहार्द की भावना को और प्रगाढ़ किया।

कुमावत समाज तेलंगाना की आम सभा आयोजित

सामाजिक एकता और विकास पर जोर

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज तेलंगाना की आजीवन सदस्यों की आम सभा का आयोजन कुमावत समाज भवन, ज्ञान बाग कॉलोनी, बेगम बाजार, हैदराबाद में किया गया। यह सभा समाज के एकीकरण, संगठनात्मक मजबूती, और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण कदमों पर चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। सभा में समाज के प्रमुख सदस्यों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक गरिमामय बना दिया।

लेखा–जोखा प्रस्तुति और अध्यक्षता

सभा की अध्यक्षता सोनाराम तिलायचा ने की। कोषाध्यक्ष पवन कुमार पांगर ने समाज के वित्तीय लेखा–जोखा को प्रस्तुत किया, जिसमें समाज की आय–व्यय और आर्थिक स्थिति का विस्तृत विवरण दिया गया। इस प्रस्तुति को उपस्थित सदस्यों ने ध्यानपूर्वक सुना और इसे सर्वसम्मति से पारित किया। धर्मीचंद कुमावत द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि यह लेखा–जोखा समाज की पारदर्शिता और जवाबदेही को दर्शाता है।

आजीवन सदस्यता अभियान

सभा में कुमावत समाज तेलंगाना द्वारा आजीवन सदस्यता अभियान को और व्यापक करने की अपील की गई। सोनाराम तिलायचा ने सभी समाज बंधुओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान में शामिल होकर आजीवन सदस्य बनें। उन्होंने कहा कि आजीवन सदस्यता न केवल समाज के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि यह संगठन को और मजबूत बनाने में भी सहायक होगी। इस अभियान के तहत कोई भी समाज बंधु न्यूनतम शुल्क देकर आजीवन सदस्य बन सकता है।

सामाजिक एकता और शिक्षा पर जोर

आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने अपने संबोधन में समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने और एकता को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, शिक्षा और एकता ही समाज की प्रगति का आधार है। हमें मिलकर संगठन को मजबूत करना होगा और सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने समाज के युवाओं से शिक्षा और सामाजिक सेवा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

सामाजिक सेवा और ओबीसी प्रमाणपत्र की सराहना

समाजसेवी हनुमानलाल बाकरेचा ने कुमावत समाज तेलंगाना द्वारा ओबीसी जाति प्रमाणपत्र के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा, यह पहल समाज के उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है जो विभिन्न सरकारी योजनाओं और अवसरों का लाभ उठाना चाहते हैं। यह कार्य समाज की प्रगति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल ने समाज के कई लोगों को लाभान्वित करने में मदद की है।

भामाशाह का योगदान

कुमावत समाज के भामाशाह रामचंद्र रेणवाल ने अपने संबोधन में समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हमारा परिवार तन, मन, धन से समाज की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। उनके इस समर्पण की सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

सभा में समाज के कई प्रमुख सदस्य और कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें– सोनाराम तिलायचा (अध्यक्ष),धर्मीचंद कुमावत,पवन कुमार पांगर,रामचंद्र रेणवाल,हनुमानलाल बाकरेचा,धर्माराम डैय्या,नोरतनमल होतवाल,श्रवण कुमार माननिया,ओमप्रकाश मण्डोरा,राकेश धमाणिया,कानाराम हांगर,रूपाराम भोपा,सुखराज घोड़ावट,ओमप्रकाश भोपा,दोलतराम दुबलदिया,नाथूराम बाबरिया,अणदाराम मनावत,प्रकाश मालिया,बुद्धाराम होतवाल,लुम्बाराम जालोर, मनालाल आणिया, मांगीलाल कांवलिया,चेनाराम माननिया, मांगीलाल दुबलदिया, मदनलाल दुकलदिया,सुरेशकुमार बोडावट,गोविंद दुबलदिया,सोहनलाल माननिया,शंकरलाल माननिया,पोकरराम गोयल,पप्पुराम मोरावत,भाकरराम ईटाडा,बगदाराम बाकरेचा,पप्पुराम हांगर,हड़मानराम रेड,कानाराम मांगर आदि शामिल थे ।

समाज भवन: कुमावत समाज की शान

कुमावत समाज भवन, ज्ञान बाग कॉलोनी, हैदराबाद, दक्षिण भारत में कुमावत समाज की पहचान और गौरव का प्रतीक है। इस भवन में आयोजित सभा ने समाज की एकता और सक्रियता को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह भवन समाज के लिए एक सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

सिखवाल ब्राह्मण समाज धाकड़ी : परिवार संग्रह बुक का शुभारंभ

बैठक का आयोजन और श्रृंग वंदना

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल युवा समिति धाकड़ी द्वारा रविवार को ऋषि श्रृंग भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत श्रृंग वंदना के साथ हुई, जिसमें समिति के सदस्यों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर समाज के एकीकरण और पारिवारिक जानकारी के संग्रह हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रामदेव नागला ने बैठक में बताया कि सिखवाल युवा समिति के सदस्यों ने धाकड़ी गांव के प्रत्येक घर में जाकर रामदेव बाबा के जागरण का निमंत्रण दिया और साथ ही प्रत्येक परिवार के मोबाइल नंबर व सदस्यों की संख्या का ब्यौरा एकत्र किया। विज्ञप्ति के अनुसार, धाकड़ी गांव में 255 से अधिक परिवार निवास करते हैं, जिनमें से 135 परिवार हैदराबाद और सिकंदराबाद शहरों में रहते हैं, और इनकी कुल पारिवारिक संख्या 744 है। शेष परिवार अन्य राज्यों में बसे हुए हैं।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि धाकड़ी गांव के सभी परिवारों और उनके सदस्यों का विस्तृत ब्यौरा जमा कर एक परिवार संग्रह बुक तैयार की जाएगी। यह बुक मल्टीकलर प्रारूप में मुद्रित होगी, जिसमें प्रत्येक परिवार के प्रमुख की फोटो, नाम, मोबाइल नंबर, परिवार के पुरुषों और महिलाओं की संख्या, गोत्र, कुलदेवी, कुलदेवी का स्थान, मूल निवास, और स्थायी निवास का विवरण शामिल होगा।

विभिन्न शहरों से जानकारी संग्रह का कार्यभार

बैठक में विभिन्न शहरों और क्षेत्रों से परिवारों की जानकारी एकत्र करने की जिम्मेदारी निम्नलिखित व्यक्तियों को सौंपी गई:

निजामाबाद: श्री सत्यनारायण नागला

काजीपेट, हनमकोंडा, वारंगल: श्री विनोद नागला

जलगांव: श्रीमती उषा सिखवाल

पिंपरी: श्रीमती संगीता नागला

खंडवा, भोपाल, बड़ौदा, सूरत, मारवाड़ जंक्शन: श्री शैलेंद्र तिवारी

मूर्तिजापुर: श्री विनोद नागला

अमरावती: श्री कैलाश नागला

इंदौर, खरगौन: श्री भगवान नागला और श्री कमल व्यास

उदयपुर: श्री बद्रीनारायण शर्मा दमावत

धाकड़ी गांव: श्री कालूराम दमावत और श्री पवन कुमार तिवारी

पाली: श्री बाबूलाल व्यास

अहमदाबाद, जैसलमेर: श्री मुकेश उपाध्याय

इसके अतिरिक्त, धर्माबाद, औरंगाबाद, मुंबई, पुणे, अकोला, बैंगलोर, और नागपुर जैसे शहरों से जानकारी दूरभाष के माध्यम से एकत्र की जाएगी।

समाज से सहयोग की अपील

सिखवाल युवा समिति ने समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे परिवार संग्रह बुक के लिए आवश्यक जानकारी, विशेष रूप से परिवार के प्रमुख की फोटो, तुरंत उपलब्ध कराएँ। जिन सदस्यों को अपने मोबाइल नंबर में सुधार करना हो, वे श्री किशोर उपाध्याय, श्री नरेश नागला, श्री आशीष व्यास, और श्री मुकेश व्यास से संपर्क कर सकते हैं।

बैठक में रामदेव नागला,गजानंद व्यास,किशोर उपाध्याय,नरेश नागला, मुकेश व्यास,राधेश्याम व्यास,शुभम नागला,अभिषेक नागला,अंकित उपाध्याय,जगदीश नागला,जुगलकिशोर उपाध्याय,आशीष व्यास,नितेश व्यास,दिनेश व्यास, मनोहर नागला,पुरुषोत्तम व्यास,गौतम उपाध्याय,अभिषेक व्यास आदि उपस्थित थे।

समाज की एकता और प्रगति की दिशा में कदम

सिखवाल ब्राह्मण समाज धाकड़ी ने इस पहल के माध्यम से समाज के सभी परिवारों को एक मंच पर लाने और उनकी जानकारी को व्यवस्थित करने का संकल्प लिया है। परिवार संग्रह बुक का निर्माण समाज की एकता, सामाजिक संपर्क, और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बुक न केवल धाकड़ी समाज की पहचान को मजबूत करेगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी एक अमूल्य दस्तावेज साबित होगी।

तेरापंथ भवन में दो दीक्षार्थी बहनों का अभिनंदन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में आज दो मुमुक्षु बहनों वीनू संकलेचा और अंजली सिंघवी का दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम तेरापंथ सभा के तत्वावधान में विभिन्न जैन संप्रदायों की साध्वियों के सानिध्य में आयोजित किया गया।

समारोह में आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी डॉ. गवेषणाश्री जी, आचार्य शिवमुनि की सुशिष्या डॉ. साध्वी सुवृद्धिश्रीजी, साध्वी प्रांजलश्रीजी, तथा लींबडी अजरामर संप्रदाय की साध्वी पू. निवृत्तिजी और पू. परमेश्वरीजी उपस्थित थीं।

भव्य बरघोड़ा जुलूस और उद्बोधन

इससे पहले, सांचोरी आराधना भवन से एक भव्य बरघोड़ा जुलूस निकाला गया, जो मुख्य मार्गों से होते हुए तेरापंथ भवन पहुंचा। इस जुलूस को व्यवस्थित रूप से संचालित करने में किशोर मंडल, सभा उपाध्यक्ष श्री हिमांशु बापना और तेलंगाना पुलिस-प्रशासन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समारोह को संबोधित करते हुए, डॉ. साध्वी गवेषणाश्री ने कहा कि दीक्षा सात्विक जीवन जीने की कला है और जीवन में संतुलन का सूत्र है। डॉ. साध्वी सुवृद्धिश्रीजी ने संयम को अंधकार से प्रकाश की ओर और विभाव से स्वभाव की ओर लौटने की यात्रा बताया। वहीं, साध्वी परमेश्वरीजी ने दीक्षा को भविष्य का उज्ज्वल अनुष्ठान और आत्मा की उज्ज्वलतम यात्रा करार दिया।

दीक्षार्थियों ने व्यक्त किए अपने भाव

इस अवसर पर, मुमुक्षु वीनू संकलेचा (हैदराबाद निवासी) और मुमुक्षु अंजली सिंघवी (कोयंबटूर प्रवासी) ने संयम के पथ पर चलने के अपने संकल्प और प्रेरणा के बारे में बताया। कन्या मंडल ने एक नाटिका प्रस्तुत की, जबकि विभिन्न संस्थाओं और परिजनों ने गीतिका के माध्यम से अपनी मंगल भावनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम का आभार ज्ञापन सिकंदराबाद सभा मंत्री हेमंतजी संचेती ने किया।

भारत की प्रसिद्ध बैडमिंटन स्टार और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने रविवार को अपने परिवार के साथ हैदराबाद के ऐतिहासिक और प्रसिद्ध लाल दरवाजा महाकाली अम्मावरु मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में स्वर्ण शिलान्यास भी किया, जो उनके आध्यात्मिक जुड़ाव और सामाजिक योगदान को दर्शाता है।

गैर-लाइसेंसी उद्योगों के लिए बीआईएस ने हैदराबाद में चलाया जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने जीडीमेटला इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (जेआईए) के सहयोग से गैर-लाइसेंसी उद्योगों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 25 जुलाई 2025 को गख- सम्मेलन हॉल में हुए इस कार्यक्रम में लगभग 60 विनिर्माताओं और औद्योगिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीआईएस हैदराबाद की संयुक्त निदेशक, श्रीमती सत्तू सविता ने भारतीय मानकों और बीआईएस लाइसेंसिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए उद्योगों से भारतीय मानकों को अपनाने का आग्रह किया।

श्रीमती सविता ने भारत सरकार द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओज) और उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बीआईएस की नई पहलों जैसे इखड उरीश ऐप (जिससे उपभोक्ता आईएसआई चिह्नित उत्पादों की जांच कर सकते हैं) और स्टैंडर्ड वॉच पोर्टल (जो मानकों के विकास में भागीदारी को बढ़ावा देता है) के बारे में भी बताया।

श्रीमती सविता ने जोर देकर कहा कि मानकों को अपनाना न केवल उत्पाद की गुणवत्ता और उपभोक्ता के विश्वास को बढ़ाता है, बल्कि उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी उद्योगों से स्वेच्छा से बीआईएस प्रमाणन प्राप्त करने का आग्रह किया। यह कार्यक्रम उद्योगों को बीआईएस के साथ सीधा संवाद करने और मानकों के अनुरूप बनने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

पॉट मार्केट में नए आर.एस. ज्वैलर्स शोरूम का उद्घाटन किया गया, जिसमें कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर, शोरूम के प्रबंधक हैमाराम सैणचा के साथ हजारीलाल हाम्बड़, नरेश काग, श्रवण हाम्बड़, महेंद्र हाम्बड़ और सुरेश सैणचा सहित ढगलाराम सेपटा, चंद्रप्रकाश गेहलोत, बाबूलाल मुलेवा, नेमाराम काग, घनश्याम बर्फा, आनंद राठौड़, रमेश सिंदड़ा, जगदीश सीरवी और अन्य लोग मौजूद थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत रविवार को स्व. श्री मुरारीलाल अग्रवाल की पुण्यतिथि (दीपक स्टील एवं कलावली ज्वैलर्स परिवार द्वारा) तथा स्व. हरिकिशन (भवानी लैमिनेट्स परिवार द्वारा) की पुण्यतिथि पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. 1265 के समीप जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के - रामप्रकाश अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,दीपिका गोयल,महेश गुप्ता,अशोक गुप्ता एस.जे,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,महेश अग्रवाल,ई-जगन चम्पापेट,श्याम सुंदर अग्रवाल,सुरेश डालमिया,भगतराम गोयल,नवीन गोयल,हर्ष गोयल,अदिति गोयल,गौरव गोयल,प्रीतिका गोयल,एवं अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जरूरतमंदों की सेवा की।

शंकर बाजार, बेगम बाजार स्थित जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ मंदिर में सावन हरियाली तीज के पावन अवसर पर विशेष उत्सव मनाया गया। महंत अमृत दास खाकी जी के नेतृत्व में भगवान का झूलोत्सव किया गया, जिसके बाद कजरी तीज भजन संध्या का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, योगी प्रशांत दास, विजय कुमार तोतला, कमलेश द्विवेदी, पुष्पेंद्र पाण्डेय, महेश गौतम, बबलू गर्ग, नितिन ऊर्मालिया, मनोज आनंद सहित कई भक्तगण उपस्थित रहे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर भी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत रविवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप माता के मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,महेश अग्रवाल,सुनील भाई,रीतेश अग्रवाल,शिव भगवान,राधा अग्रवाल,लता गोयल,मीना अग्रवाल,शर्मिला अग्रवाल, राधा अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद भाई,विनोद तोशनीवाला, आशीष, रवि, किशन पाल एवं अन्य सदस्यों ने सेवा की।

गौ सेवा मित्र मंडल ने हरियाली तीज पर गौशाला में की गौ सेवा

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ सेवा मित्र मंडल ने महिला मंडल समिति के साथ मिलकर हरियाली तीज के शुभ अवसर पर श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में गौ माता की सेवा की।

इस अवसर पर, सदस्यों ने गौ माता के लिए सावजी और हरी घास की सेवा की।

इस पुण्य कार्य में मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, यश अग्रवाल, सुनील जायलिया, विनोद राठी, राखी अग्रवाल, सुषमा अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल और पूजा अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

ड्राई आई एक लाइफस्टाइल महामारी बनकर उभर रहा है : डॉ. सी. जगदीश रेड्डी

जल्द खुलेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले ड्राई आई की समस्या अब उम्र-संबंधी विकार नहीं रही, बल्कि यह एक जीवनशैली महामारी बनकर उभर रही है। इसी को देखते हुए, प्रिस्टीन आई हॉस्पिटल्स हैदराबाद में अपना पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्राई आई लॉन्च करने जा रहा है। यह घोषणा अस्पताल के संस्थापक डॉ. सी. जगदीश रेड्डी ने की।

यह अत्याधुनिक केंद्र 30 जुलाई को तेलंगाना के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन द्वारा औपचारिक रूप से उद्घाटित किया जाएगा। डॉ. रेड्डी ने बताया कि यह सुविधा शहर के आईटी हब (रायदुर्गम मेट्रो स्टेशन के पास) में स्थापित की गई है, जिसका उद्देश्य डिजिटल आई स्ट्रेन संकट से निपटना है।

डॉ. रेड्डी ने बताया कि स्क्रीन के उपयोग के दौरान पलकें कम झपकाना, एयर-कंडीशन वाली जगहों में ज्यादा देर रहना, खराब मुद्रा और लंबे समय तक कॉन्टैक्ट लेंस का उपयोग करना इसकी मुख्य वजहें हैं।

अस्पताल की गैर-लाभकारी शाखा, प्रिस्टीन विजन फाउंडेशन, ने सेंटर के उद्घाटन के साथ ही ब्लिंक ब्रेक नामक एक शहर-व्यापी जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को डिजिटल आई हेल्थ के प्रति जागरूक करना और शुरुआती लक्षणों का पता लगाने में मदद करना है।

डॉ. रेड्डी ने जोर देकर कहा, ड्राई आई अब सिर्फ एक मेडिकल कंडीशन नहीं, बल्कि एक आधुनिक लाइफस्टाइल डिसऑर्डर है।

हमारा लक्ष्य केवल स्क्रीन टाइम को कम करना नहीं, बल्कि स्क्रीन के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, C VASANTHI Mother of Army No.2622248N NK DHARMASEELAN C, Residing at Vill and PO: Narayanathevanpatti, Teh:Uthamapalayam, Dist:Theni, Tamilnadu-625521 have changed my name from C VASANTHI to VASANTHI C vide affidavit dt:26-7-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, CHELLA THURAI Father of Army No.2622248N NK DHARMASEELAN C, Residing at Vill and PO: Narayanathevanpatti, Teh:Uthamapalayam, Dist:Theni, Tamilnadu-625521 have changed my name from CHELLA THURAI to CHELLADURAI MUTHAIYA vide affidavit dt:26-7-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, RAJAN K Father of Army No.2612913X Hav SANDEEP KUMAR K, Residing at Kuruppathveedu, Vill and PO:Peringottukurissi, Teh:Alathur, Dist:Palakkad, Kerala-678574 have changed my name from RAJAN K to RAJAN vide affidavit dt:26-7-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, Army No. 15815316X Sep VINEETH T of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my father name is changed from P THAMBAN to THAMPAN P.

CHANGE OF NAME
I, GEETHIKA PATHIRI PARAMBIL spouse of Service No. 15815316X Sep VINEETH T, R/o. PathiriParambil, House BV Road, Madayi, Kannur, Kerala-670358 have changed my name from GEETHIKA PATHIRI PARAMBIL to GEETHIKA PP vide affidavit dt:26-7-2025 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, MALASALA LAXMI Mother of Service No. 2616619P NK MALASALA VENKATESWARA RAO, Residing at H.No.4-55, Vill and PO:AmeenSahebPeta, Teh:Kasimkota, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh-531055 have changed my name from MALASALA LAXMI to MALASALA LAKSHMI vide affidavit dt:27-7-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, RAJESWARI K C Mother of Army No.2620399N L/Nk NIDHEESH KC, Residing at KizhakkeChankoth, Vill:Vellinezhi, PO:Thiruvazhiyode, Teh:Ottappalam, Dist:Palakkad, Kerala-679514 have changed my name from RAJESWARI K C to RAJESWARI C K vide affidavit dt:26-7-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, PREMA C Mother of Army No.2612913X Hav SANDEEP KUMAR K, Residing at Kuruppathveedu, Vill and PO:Peringottukurissi, Teh:Alathur, Dist:Palakkad, Kerala-678574 have changed my name from PREMA C to C PREMA RAJAN vide affidavit dt:26-7-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

कागजनगर के अंकोड़ा गांव में पुलिस का सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम, अवैध शराब नष्ट कर लोगों को किया जागरूक

कागजनगर, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद एसपी के निर्देश पर, कागजनगर ग्रामीण सीआई और ईसगांव एसआई ने कागजनगर के ईसगांव पुलिस थाना अंतर्गत अंकोड़ा गांव में एक सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के दौरान, पुलिस अधिकारियों ने 800 लीटर अवैध शराब (गुडुम्बा) और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले दो बैग इप्पा फूल जब्त कर नष्ट कर दिए। इसके अलावा, गांव में 20 बाइक, 2 ऑटो और 1 ट्रैक्टर की भी जांच की गई।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें अवैध शराब (गुडुम्बा) और गांजा के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इस पहल का उद्देश्य गांव में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना और समुदाय में जागरूकता बढ़ाना था।

कुमरामभीम बांध पर दरारें, मरम्मत के बजाय कवर लगाने से लोगों में डर

आसिफाबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिले में कोमुरम भीम (अडा) परियोजना बांध में आई दरारों के कारण एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। सिंचाई अधिकारियों द्वारा इन दरारों की स्थायी मरम्मत करने के बजाय, 78,000 रुपये की लागत से एक बड़ा कवर लगाया गया है, जिसकी जनता और जन संगठनों ने कड़ी आलोचना की है।यह परियोजना 69 गांवों में 45,500 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई थी। हालांकि, आरोप हैं कि सैकड़ों करोड़ रुपये की लागत से बनी इस परियोजना का लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि नहरों में गाद और जंगली पौधे उग आए हैं। इससे किसानों को समय पर पानी नहीं मिल पाता और वे मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।पिछले तीन वर्षों से बांध में दरारें आ रही हैं। जन संगठनों ने आरोप लगाया है कि शासकों और अधिकारियों की उपेक्षा के कारण परियोजना की यह हालत हुई है। हाल ही में, जिले में हुई भारी बारिश के बाद, सिंचाई अधिकारियों ने इन दरारों को अस्थायी रूप से कवर से ढक दिया, जिससे लोगों में बांध टूटने का डर और बढ़ गया है।इस मामले पर विभिन्न राजनीतिक दलों और जन संगठनों ने भी अधिकारियों और सरकार से तुरंत मरम्मत करने का अनुरोध किया था। सिंचाई विभाग के एसई कुमारस्वामी और ईई जाधव गुणवंत राव ने हाल ही में बांध का दौरा किया। गुणवंत राव ने बताया कि बांध की मरम्मत के लिए सरकार को 15 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है।

कोरुटला में भारतीय संविधान जागरूकता सम्मेलन 10 अगस्त को

जगतियाला, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय संविधान और उसके पूर्ववर्ती विषयों पर जगतियाला जिला स्तरीय जागरूकता सम्मेलन का आयोजन 10 अगस्त को कोरुतला के सिनारे कला भवन में किया जाएगा। वामपंथी, फुले-अंबेडकर, अल्पसंख्यक और जन संगठनों के संयुक्त मोर्चा ने इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी वर्गों से एकजुट होने का आह्वान किया है।

रविवार को सी. प्रभाकर भवन में आयोजित एक तैयारी बैठक में आयोजकों ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संविधान की रक्षा करना, उसके लाभों को समाज के सभी वर्गों तक पहुँचाना और छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में संविधान को शामिल करने की वकालत करना है। उनका मानना है कि इससे छात्र स्तर से ही संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

आयोजन समिति के नेताओं ने छात्रों, किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और बुद्धिजीवियों से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने का अनुरोध किया है। तैयारी बैठक में चेन्ना विश्वनाथम, डॉ. पेटा भास्कर, सुतारी रामुलु, चिंता भुमेश्वर, एमडी इलैस खान सहित कई प्रमुख नेता और आयोजक मौजूद रहे।

कोरुटला में कांग्रेस नेता का विधायक संजय पर हमला

5 रुपए की भोजन योजना सिर्फ चुनावी जुमला थी

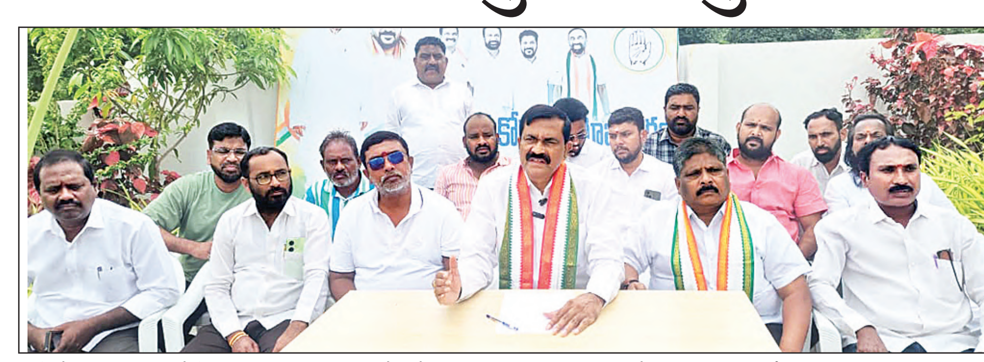

कोरुटला, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ राज्य नेता जुव्वाडी कृष्ण राव ने रविवार को कोरुतला विधायक डॉ. कल्वाकुंतला संजय पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी 5 की भोजन योजना सिर्फ चुनावी फायदा उठाने के लिए शुरू की गई थी और जीत के बाद इसे बंद कर दिया गया। जुव्वादी भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने विधायक संजय से इस मामले पर जवाब मांगा।जुव्वादी कृष्ण राव ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले, डॉ. कल्वाकुंतला संजय और पूर्व विधायक कल्वाकुंतला विद्यासागर राव ने गरीबों के लिए कोरुतला और मेटपल्ली कस्बों में 5 में भोजन की व्यवस्था की थी और इसे जारी रखने का वादा किया था। उन्होंने सवाल किया कि विधायक संजय के चुनाव जीतने के 20 महीने बाद भी यह योजना क्यों बंद कर दी गई है। उन्होंने लोगों से इस पर ध्यान देने का आग्रह किया।

राज्य के बजट और आरक्षण पर सवाल

जुव्वादी कृष्ण राव ने बीआरएस (पूर्व में टीआरएस) सरकार पर कई अन्य आरोप भी लगाए:

कर्ज का बोझ: उन्होंने कहा कि जब तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था, तब राज्य के पास 16,000 करोड़ का अधिशेष बजट था, लेकिन बीआरएस सरकार ने इसे 8,000 करोड़ के कर्ज वाले राज्य में बदल दिया।

आरक्षण में कटौती: उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बीसी आरक्षण 33 प्रतिशत था, जिसे टीआरएस सरकार ने घटाकर 23 प्रतिशत कर दिया।

अन्य आरोप और कांग्रेस सरकार का बचाव

कांग्रेस नेता ने पूर्व विधायक कल्वाकुंतला विद्यासागर राव पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने पूछा कि क्या यह सच है कि कालेश्वरम परियोजना में 100 करोड़ का बेनामी काम हुआ और खादी बोर्ड की जमीन पार्टी नेताओं को बाजार मूल्य से कम पर दी गई।

जुव्वादी कृष्ण राव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार विकास और कल्याण के लिए काम कर रही है, और पिछली सरकार की गलतियों को सुधारने के लिए हर महीने 6,000 करोड़ का कर्ज चुका रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी वादे जैसे कि महालक्ष्मी योजना, 500 में गैस सिलेंडर और इंदिराम्मा आवास योजना को पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं।इस दौरान कोरुटला टाउन कांग्रेस अध्यक्ष तिरुमाला गंगाधर और अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

दहेज विवाद के चलते दो दिन रुका महिला का अंतिम संस्कार, पुलिस हस्तक्षेप के बाद सुलझा मामला

मंचेरियाल, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल जिले के रामकृष्णपुर में दहेज के पैसों को लेकर हुए विवाद के कारण एक महिला का अंतिम संस्कार दो दिनों तक रुका रहा। यह महिला एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान चल बसी थी। पुलिस और स्थानीय प्रमुखों के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ, जिसके बाद ही अंतिम संस्कार संभव हो पाया।

यह दुखद घटना इस प्रकार है कि रामकृष्णपुर के शिवाजीनगर निवासी सिंगरेनी मजदूर गंडला सत्यम और उनकी बेटी मुद्दसनी लावण्या हाल ही में पेद्दापल्ली में एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। इस हादसे में सत्यम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल 29 वर्षीय लावण्या ने गुरुवार की रात हैदराबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

शुक्रवार को जब लावण्या का शव घर लाया गया, तो अंतिम संस्कार को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन गई। लावण्या की शादी पाँच साल पहले रामकृष्णपुर के भगतसिंहनगर निवासी मुद्दसनी सुरेश से हुई थी, लेकिन पिछले कुछ सालों से पारिवारिक कलह के कारण वह अपने मायके में रह रही थी।

लावण्या और उनके पिता की मौत के बाद, लावण्या के परिजनों ने मांग की कि शादी के समय दिया गया 50 लाख रुपये का दहेज और सोना वापस किया जाए। उन्होंने धमकी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

मामले की जानकारी मिलने पर, पुलिस ने हस्तक्षेप किया और शव को स्थानीय अस्पताल में रखवाया। शुक्रवार से शनिवार तक चला यह गतिरोध तब खत्म हुआ जब स्थानीय बुजुर्गों और पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ। सुरेश के परिवार ने दहेज में से 20 लाख रुपये लौटाने पर सहमति जताई, जिसके बाद लावण्या के शव का अंतिम संस्कार किया गया।

मदनूर में सड़क चौड़ीकरण और स्ट्रीट लाइटिंग का काम अधूरा, लोगों में रोष

मदनूर, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र में सड़क चौड़ीकरण और स्ट्रीट लाइटिंग का काम पिछले कई महीनों से रुका हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है। स्थानीय जनता के अनुसार, पूर्व सरकार के कार्यकाल में स्वीकृत यह परियोजना विधानसभा चुनाव के बाद से ही अधूरी पड़ी है।तेलंगाना सड़क और भवन विभाग के तहत, पुराने संगारेड्डी-नांदेड़-अकोला मार्ग को किमी 135/700 से किमी 138/900 तक डबल लेन से फोर लेन में चौड़ा करने की योजना थी। इस परियोजना के लिए 900 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी।पूर्व विधायक हणमंत शिंदे ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, 4 अक्टूबर 2023 को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता के साथ इस कार्य का शिलान्यास किया था। शिलान्यास के बाद, ठेकेदार ने सोनाला एक्स रोड से लेकर आगे तक सड़क का माप-जोख कर दीवारों पर निशान भी लगाए थे।हालांकि, विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में सरकार बदल गई और तब से यह परियोजना लंबित है। लोगों का कहना है कि इसी तरह की एक परियोजना बिचकुंडा मंडल में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा आंदोलन किए जाने के बाद शुरू हो चुकी है, लेकिन मदनूर में यह काम आज भी रुका हुआ है। स्थानीय लोगों ने सरकार से जल्द से जल्द इस कार्य को पूरा करने की मांग की है।

मल्लियाल में बाढ़ग्रस्त नाले में फंसी 15 महिला मजदूरों को स्थानीय लोगों ने बचाया

मंचेरियाल, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को मल्लियाल मंडल के पास नक्कलवागु में बाढ़ग्रस्त नाले को पार करते समय फंसी 15 महिला कृषि मजदूरों को स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने सफलतापूर्वक बचा लिया।

ये महिलाएँ गौरेड्डीपेट की रहने वाली थीं और दिन भर मल्लियाल में वेलपुला संपत के खेत में धान की रोपाई का काम करने के बाद वापस लौट रही थीं। घर जाने के क्रम में उन्होंने रस्सी के सहारे उफनते नाले को पार करने की कोशिश की, लेकिन पानी के तेज़ बहाव के कारण वे बीच धारा में ही फंस गईं।

जैसे ही ग्रामीणों को इस स्थिति की जानकारी मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने रस्सियों का उपयोग करके कड़ी मशक्कत के बाद सभी 15 महिला मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला।

आदिलाबाद-आर्मूर रेलवे लाइन जल्द बनेगी हकीकत, क्षेत्र में कनेक्टिविटी और विकास को मिलेगा बढ़ावा

मंचेरियल, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बहुप्रतीक्षित आदिलाबाद-निर्मल-आर्मूर रेलवे लाइन अब जल्द ही हकीकत बनने जा रही है, जिससे इस पिछड़े क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय रेल मंत्रालय आदिलाबाद से पटनचेरु तक 317 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (उझठ) को अगले एक-दो महीने में मंजूरी दे सकता है।

परियोजना के पहले चरण में, आदिलाबाद, निर्मल और आर्मूर कस्बों के बीच 137 किलोमीटर लंबे हिस्से पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत करीब 3,000 करोड़ है। आदिलाबाद के सांसद जी. नागेश ने बताया कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने क्षेत्र के पिछड़ेपन को देखते हुए अधिकारियों को डीपीआर को प्राथमिकता से मंजूरी देने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि केंद्र सरकार इस परियोजना का पूरा खर्च उठाएगी, जिससे यह क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

-परियोजना की मुख्य विशेषताएं और लाभ

इस रेलवे लाइन को बनाने में कई चुनौतीपूर्ण कार्य शामिल हैं, जैसे महबूब घाटों में सुरंगों का निर्माण और नेरादिगोंडा मंडल में गोदावरी नदी पर ऊंचे पुलों का निर्माण। इंजीनियरों ने इन सभी संरचनाओं के लिए डिजाइन पहले ही तैयार कर लिए हैं।

यह परियोजना उत्तरी तेलंगाना के अविकसित जिलों के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगी

बेहतर कनेक्टिविटी: यह नई लाइन आदिलाबाद को पटनचेरु के जरिए हैदराबाद से सीधे जोड़ेगी। अभी यात्रियों को हैदराबाद पहुंचने के लिए रेल से महाराष्ट्र होकर लगभग 435 किलोमीटर की लंबी यात्रा करनी पड़ती है, जबकि सड़क मार्ग से यह दूरी 300 किलोमीटर है। नई लाइन से यात्रा का समय और दूरी काफी कम हो जाएगी।

आर्थिक विकास: यह रेलवे लाइन आदिलाबाद और निर्मल जिलों को सीधे निज़ामाबाद और हैदराबाद से जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय परिवहन में सुधार होगा। इससे इन जिलों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और कृषि अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

पिछले तीन सालों से स्थानीय लोग इस रेलवे लाइन की मांग कर रहे थे। 2023 में इसे अंतिम स्थान सर्वेक्षण के लिए प्राथमिकता वाले मार्गों में शामिल किया गया था, जिससे इस परियोजना को गति मिली।

मुदगर गदा की प्राचीन कला को पुनर्जीवित कर रहे हैं मंदा श्रीनिवास

मंचेरियल, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज के व्यस्त जीवन में जहां लोग स्वास्थ्य और व्यायाम की कमी से जूझ रहे हैं, वहीं मंचेरियल के मास्टर मंदा श्रीनिवास मुदगर गदा की प्राचीन कला को पुनर्जीवित करने के लिए भावुक होकर काम कर रहे हैं। उनका मानना है कि रामायण और महाभारत काल की यह प्राचीन शारीरिक शिक्षा आधुनिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान कर सकती है।

मंदा श्रीनिवास पहले भी अपनी कलात्मक क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई लोगों को योग कक्षाओं के माध्यम से स्वस्थ बनाया है और कराटे में उनके छात्रों ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अब वह मुदगर गदा के माध्यम से युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं।

वर्तमान में, वह जिले के लोगों में इस कला के प्रति जागरूकता लाने के लिए कक्षाएं चला रहे हैं। वह खुद इस कला का अभ्यास करते हैं और कई युवाओं को इसका प्रशिक्षण दे रहे हैं।

उनका यह भी प्रयास है कि वे देश के कई हिस्सों में मुदगर गदा उपकरण उपलब्ध कराकर इस कला को व्यापक स्तर पर लोकप्रिय बना सकें।

मंदा श्रीनिवास के इन प्रयासों से मंचेरियल के कई युवा इस कला में गहरी रुचि दिखा रहे हैं, जिससे यह प्राचीन मार्शल आर्ट फिर से जीवन में आ रहा है।

आसिफाबाद जिले में सीआरटी-एसजीटी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने बताया कि जिले में सीआरटी-एसजीटी परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई।

उन्होंने रविवार को जिला मुख्यालय स्थित टी.जी.टी. डब्ल्यू.यू.आर.जे.सी. (पी.टी.जी.-बालक) और आश्रम विद्यालय (बालिका) परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि अभ्यर्थियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई थीं, जिनमें स्वच्छ पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएँ शामिल थीं।

अपर कलेक्टर ने बताया कि नियमों के अनुसार जाँच के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया बिना किसी असुविधा के सफलतापूर्वक पूरी हुई।

कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बिना अधिकारों का आनंद नहीं लिया जा सकता : जिष्णु देव वर्मा

सिकंदराबाद में हरियाणा नागरिक संघ चिकित्सालय उद्‌घाटित

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने रविवार, दि. 27 जुलाई को सिकंदराबाद के सिख विलेज में हरियाणा नागरिक संघ (एचएनएस) द्वारा नवनिर्मित अस्पताल का उद्घाटन किया। यह अस्पताल हरियाणा सेवा संघ (एचजेएस) की नई इकाई, हरियाणा नागरिक संघ (एचएनएस) द्वारा स्थापित किया गया है। उद्घाटन समारोह में सांसद इटाला राजेंद्र, एचएनएस के चेयरमैन अंजनी कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष पदम जैन, सलाहकार राम गोयल और अस्पताल के अध्यक्ष एच.एस. पुरुषोत्तम अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्वैच्छिक संगठनों की सामाजिक सेवा में भूमिका की सराहना की और समाज के विकास के लिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी पर जोर दिया।

समाज और कर्तव्यों का महत्व

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि मानव समाज के बिना जीवित नहीं रह सकता, और समाज की ताकत ही व्यक्तियों को शक्तिशाली बनाती है। उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति समाज के बिना जीवित नहीं रह सकता। समाज जितना मजबूत होगा, उतने ही शक्तिशाली इसके नागरिक होंगे। उन्होंने चिकित्सा सेवाओं को देश की प्रगति का आधार बताया और जोर देकर कहा कि ये सेवाएँ जाति, पंथ, धर्म, क्षेत्र, या भाषा के भेदभाव के बिना सभी लोगों के लिए सुलभ होनी चाहिए।राज्यपाल ने भारतीय संविधान का हवाला देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य भी सौंपे गए हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कुछ लोग केवल अपने अधिकारों की मांग करते हैं, लेकिन अपने कर्तव्यों को नजरअंदाज करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, अधिकारों का आनंद तभी संभव है जब हम अपने सामाजिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाते हैं। उन्होंने एचएनएस जैसे स्वैच्छिक संगठनों की सराहना की, जो राज्य सरकार के साथ मिलकर समाज को आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राजभवन के दरवाजे सामाजिक सेवा के लिए हमेशा खुले हैं।राज्यपाल ने अपने संबोधन में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने एचएनएस अस्पताल की पहल को एक प्रेरणादायक उदाहरण बताया और अन्य संगठनों से भी इसी तरह की सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

एचएनएस अस्पताल : सस्ती और सुलभ चिकित्सा सेवाएँ

एचएनएस अस्पताल के अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती दरों पर चिकित्सा सेवाएँ और जाँच सुविधाएँ प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही अस्पताल में एमआरआई और अन्य आधुनिक चिकित्सा जाँच सुविधाएँ भी उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त, सफेद राशन कार्ड धारकों के लिए निःशुल्क चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने की योजना बनाई जा रही है। श्री अग्रवाल ने यह भी बताया कि बीमित कार्ड धारकों के लिए आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु समझौते किए जाएँगे। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ न्यूनतम लागत पर मिलें।

समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

उद्घाटन समारोह में एचएनएस के उपाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, संयुक्त सचिव संदीप मित्तल, कोषाध्यक्ष नारायण चौधरी, और हरियाणा सेवा संघ के अध्यक्ष राजिंदर अग्रवाल सहित कई अन्य प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने अस्पताल के निर्माण के लिए दान देने वाले दानदाताओं और ट्रस्टियों को सम्मानित किया।

भविष्य की योजनाएँ

एचएनएस अस्पताल के चेयरमैन अंजनी कुमार अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल में और अधिक सेवाएँ जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। इसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है। अस्पताल द्वारा जल्द ही शुरू की जाने वाली नई सेवाएँ और सुविधाएँ इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त करेंगी।

सामाजिक एकता और प्रगति की दिशा में कदम

हरियाणा नागरिक संघ और इसके नवनिर्मित अस्पताल का यह प्रयास सामाजिक एकता और प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अस्पताल न केवल सिकंदराबाद के निवासियों के लिए, बल्कि पूरे हैदराबाद शहर के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा केंद्र के रूप में उभरेगा। राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक गरिमामय बना दिया।

गोशामहल मंडल में 116 नं. बूथ पर मन की बात का आयोजन

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल मंडल के गोलकुंडा जिला द्वारा रविवार को 116 नं.बूथ पर 124वीं मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व बूथ अध्यक्ष अंसु चोबारा ने किया। यह आयोजन नटराज नमधारी के निवास पर हुआ, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कई प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एकत्र हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात संबोधन को उत्साहपूर्वक सुना गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोलकुंडा जिला भाजपा अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र थे। उनके साथ अन्य प्रमुख नेताओं ने भी इस आयोजन में भाग लिया, जिनमें लालसिंह जी (पार्षद, गोशामहल), बोइनी दर्शन (पार्षद, जियागुड़ा) एवं राजेंद्र सिंह (दलित मोर्चा अध्यक्ष, गोलकुंडा जिला) शामिल थे।

इन नेताओं ने अपने संबोधन में मन की बात की प्रासंगिकता और समाज में इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समाज को प्रेरित करने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस आयोजन में बीजेवाईएम (भारतीय जनता युवा मोर्चा) और अन्य कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख कार्यकर्ताओं में कुणाल (बीजेवाईएम), आनंद लाल यादव, विनोद प्रजापति, विपिन रामावत, अश्विन, देवा जोशी, आनंद उपाध्याय, दिव्यांश सिंह, अमर सिंह, रामू, रोहित जोहरी, श्रीकांत, विवेक,सुधाकर गौड़, अक्षय, संजय तिवारी, आशीष, साई दोमाला शामिल थे।

इन कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और मन की बात के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

सामाजिक एकता और जागरूकता का संदेश

मुख्य अतिथि टी. उमा महेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि 'मन की बात' न केवल सरकार की नीतियों और योजनाओं को जनता तक पहुँचाने का माध्यम है, बल्कि यह समाज में एकता और जागरूकता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी मंच है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस संदेश को हर घर और हर व्यक्ति तक पहुँचाएँ।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की सावन की सैर 3 अगस्त को

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा द्वारा अपने सदस्यों के लिए 'सावन की सैर' का आयोजन आगामी रविवार, 3 अगस्त, 2025 को कौकुंटला स्थित आनंदा क्षेत्रम में किया जाएगा। इस आयोजन में सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए कई तरह के मनोरंजक कार्यक्रम और खेल-कूद की व्यवस्था की गई है।

इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल के निवास पर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई। मानद मंत्री पवन डोकानिया ने बताया कि बैठक में बोनालु जुलूस के आय-व्यय का विवरण दिया गया और दिवंगत सदस्य श्री विश्वनाथ अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान, 'सावन की सैर' को सफल बनाने के लिए संयोजक के रूप में उमेश अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल और मिठूलाल अग्रवाल को नियुक्त किया गया। भोजन की व्यवस्था का जिम्मा आनंद संघी और राजू चायवाला को सौंपा गया।

यह सैर सदस्यों के लिए एक शानदार अवसर है, जहाँ वे परिवार के साथ इनडोर और आउटडोर गेम्स, बास्केटबॉल, पूल, स्विमिंग पूल, फुटबॉल, टेनिस, तंबोला, बैलगाड़ी की सवारी और गौशाला जैसी गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं।

बैठक में शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने सभी सदस्यों से इस अवसर का लाभ उठाने और जल्द से जल्द अपने टिकट बुक कराने का आग्रह किया। सदस्यों ने यह भी निर्णय लिया कि जल्द ही सदस्यता बढ़ाने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। सभा में अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री पवन डोकानिया, कोषाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, पंकज गोयनका सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल, हैदराबाद
के तत्वावधान में
एक शाम गौमाता के नाम
तृतीय विशाल भजन संध्या
एवं महा प्रसादी
शनिवार, दि. 2 अगस्त 2025
रात्रि 8-15 बजे से
संत श्री कैलाशनाथजी रुकनसर
संत श्री गुलाबनाथजी रुकनसर
CLICK MAGIK facebook LIVE
Scan for Location
कार्यक्रम शुभ स्थल : श्री आईजी गौशाला, मलकारम, जवाहर नगर, कापरा मंडल, हैदराबाद

श्री भूलक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार में कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 27 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री भूलक्ष्मी माता मंदिर (पुल की माता), बेगम बाजार में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा का स्वागत बड़े धूमधाम से किया गया। मंदिर के पुजारी बाबूगुरु के मार्गदर्शन में कांवड़ यात्रा में शामिल हजारों भक्तों का गुलाब पुष्पों और सुगंधित इत्र के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भक्तों का आत्मबल बढ़ाया गया और उनकी भक्ति को सम्मान देते हुए सभी का आभार और धन्यवाद व्यक्त किया गया।कावड़ यात्रा में शामिल भक्तों की भारी भीड़ ने इस धार्मिक आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। मंदिर समिति ने प्रत्येक भक्त का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनकी भक्ति को प्रोत्साहित किया। गुलाब पुष्पों की वर्षा और सुगंधित इत्र के छिड़काव ने इस आयोजन को एक आध्यात्मिक और उत्सवपूर्ण माहौल प्रदान किया। भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी उपस्थिति से इस समारोह को यादगार बनाया।स्वागत समारोह के पश्चात, श्री भूलक्ष्मी माता मंदिर द्वारा आन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भक्तों ने भक्ति भजनों और धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिसने मंदिर परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। यह आयोजन भक्तों के बीच एकता और भक्ति की भावना को और सशक्त करने में सफल रहा।इस अवसर पर मंदिर के पुजारी बाबूगुरु के साथ-साथ कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें-वैकुंठम जी (पूर्व कॉर्पोरेटर), भाजपा नेता गोविंद राठी, लाल सिंह जी (कॉर्पोरेटर), अभिमन्युलाल यादव,लीलाधर यादव, राजेश तोषनीवाल, नरेश, नितेश, दुर्गेश, धनराज, मुकेश, तनिष्क, रत्नेश,अश्विन चालक शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, अफजलगंज और शाह इनायत गंज पुलिस अधिकारियों ने भी इस आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया, जिससे कार्यक्रम सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं
शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)
सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक
सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

।। विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ।।
एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण
मंगला शासन
कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)
ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-
अष्ट बैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।
ऑनलाइन संकल्प एक दिवसीय सहयोगी : एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/-
अप्रत्यक्ष पूज्य वैकुंठवासी श्री अनंत विभूषित श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से
28-07-2025
अतिविशिष्ट यजमान : श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
विशिष्ट यजमान : तिरुमला वेंकटाचार्य कांति रेखा
तपोभूमि अष्ट बैकुंठधाम श्री नैमिषारण्य धाम में करने का अवसर प्राप्त करें एवं संकल्प प्रति दिवस लिया जाएगा। जन्म दिवस एवं विवाह की वर्षगांठ के दिन बुक करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र संपर्क करें। ऑनलाइन वीडियो कॉल द्वारा संकल्प लिया जाएगा।
संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित : श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ गुरुकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ गौ सेवा संस्थान, श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर भैरमपुर रोड नैमिषारण्य, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप्स
वरिष्ठ मार्गदर्शक सहित : अमित अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, जगदीश प्रसाद लोया, वीणा काबरा, मेघराज अग्रवाल, चकिलम रामनया, हरि भाई चांडक, गोविंद राठी, कमल काकानी, बद्रीप्रसाद सारदा, गुलाबचंद देवड़ा, पुरुषोतम लाहोठी, अरुण ज्योति, शोभा रानी, रूपेश काकड़ा, विष्णु कडेल, आलोक शुक्ला, विनोद बंग एवं जगन्नाथ मठ परिवार
9963910401 | 9440061537 | 9908222206

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.